शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 24 दिसंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-354

पाकिस्तान के संवेदनशील उपक्रम एनडीसी समेत कई संस्थाओं पर प्रतिबंध

अमेरिकी प्रतिबंध से पाकिस्तान का मिसाइल कार्यक्रम रुका

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने पाकिस्तान के सरकारी स्वामित्व वाले नेशनल डेवलपमेंट कॉम्प्लेक्स (एनडीसी) सहित कई पाकिस्तानी संस्थाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस प्रतिबंध ने अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में और तनाव पैदा कर दिया है। अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा लगाए गए इस प्रतिबंध का सीधा असर पाकिस्तान के लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर पड़ेगा। अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक कार्यक्रम को जोखिम से भरा और क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्थिरता के लिए संभावित खतरा बताया है। एनडीसी को पाकिस्तान की शाहीन श्रृंखला की बैलिस्टिक मिसाइलों के विकास का केंद्र माना जाता है। एनडीसी समेत कई अन्य ऐसे ही संवेदनशील प्रतिष्ठानों पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंध से इनकी अंतरराष्ट्रीय सम्पत्तियां और वित्तीय लेन-देन सब फ्रीज हो जाएंगे। पाकिस्तान पर अमेरिकी प्रतिबंध के निर्णय पर अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनर ने कहा कि लंबी दूरी की मिसाइल प्रौद्योगिकी में पाकिस्तान की प्रगति और इसके पीछे पाकिस्तान के इरादों के बारे में अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने गंभीर चिंता जताई, जिसे ध्यान में रखते हुए अमेरिकी प्रशासन ने प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया। पाकिस्तान के महत्वपूर्ण सामरिक तकनीकी उपक्रम नेशनल डेवलपमेंट कॉम्प्लेक्स (एनडीसी) के साथ-साथ कराची स्थित तीन कंपनियों अख्तर एंड संस प्राइवेट लिमिटेड, एफिलिएट्स इंटरनेशनल और रॉकसाइड एंटरप्राइज पर भी अमेरिका ने प्रतिबंध लगाया है, क्योंकि ये कंपनियां पाकिस्तान के मिसाइल विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभा रही थीं। इन संस्थाओं पर लंबी दूरी की बैलिस्टिक प्रणालियों के विकास के लिए महत्वपूर्ण उन्नत रॉकेट-मोटर परीक्षण उपकरण और अन्य तकनीकों तक पाकिस्तान की पहुंच को सुगम बनाने का गंभीर आरोप है।

अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक कार्यक्रम को खतरा बताया

यह पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने पाकिस्तान के मिसाइल कार्यक्रम को लेकर दंडात्मक कदम उठाए हैं। इस साल की शुरुआत में, पाकिस्तान की मिसाइल प्रौद्योगिकी पहल में सहायता करने के लिए एक चीनी शोध संस्थान सहित कई विदेशी संस्थाओं पर ▶10 पर

भारत-कुवैत का साझा बयान

आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ेंगे भारत और कुवैत

कुवैत, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कुवैत के अमीर शेख अल अहमद अल जबेर अल सबाह की वार्ता के बाद जारी किए गए संयुक्त बयान में विशेष तौर पर सीमा पार आतंकवाद पर प्रहार किया गया है। कहा गया है कि इस पूरे आतंकवादी तंत्र को ध्वस्त करने की आवश्यकता है और इसके लिए दोनों देश संयुक्त रूप से कार्रवाई करेंगे। साइबर स्पेस की मदद से आतंकवादी जिस तरह कट्टरता फैलाते हुए सामाजिक सौहार्द पर चोट कर रहे हैं, इसे भारत और कुवैत के नेताओं ने साझा प्रयास से खत्म करने का संकल्प लिया है। कुवैत ने इस्लाम के नाम पर हो रही आतंकवादी और जेहादी गतिविधियों की कड़े शब्दों में निंदा की।

कुवैत यात्रा के दरम्यान प्रधानमंत्री मोदी ने कुवैत में एक विशिष्ट प्रतिनिधिमंडल से आह्वान किया कि वे आज के बढ़ते भारत में ऊर्जा, रक्षा, चिकित्सा उपकरणों, फार्मा क्षेत्र तथा खाद्य पार्क जैसे आधुनिक क्षेत्र में निवेश के अवसर तलाशने के लिए भारत आएं। भारत को इससे दो लाभ होंगे, एक तो प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ेगा, दूसरे दोनों देशों के बीच संबंधों में और गहराई आएगी। भारतीय प्रधानमंत्री की कुवैत यात्रा कई मायनों में असाधारण कही जा सकती है। चार दशक बाद भारत के प्रधानमंत्री और कुवैत के राष्ट्र प्रमुख के बीच हुई मुलाकात के बाद दोनों देशों ने साथ मिलकर विकास करने का एक मजबूत खाका प्रस्तुत किया और इस्लामी आतंकवाद पर मिलकर प्रहार करने का संकल्प लिया, यह अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इस्लाम के नाम पर आतंकवाद की कुवैत ने की निंदा

मोदी की कुवैत यात्रा इस मायने में भी महत्वपूर्ण रही कि इसमें कुवैत ने जल्दी ही भारत में निवेश को लेकर संधि करने में रुचि दिखाई है। यहां यह जानना दिलचस्प होगा कि भारत में खाड़ी देशों से हो रहे पूंजी निवेश में आठ गुणा की वृद्धि होना एक बड़ी उपलब्धि है। ▶10 पर

पीलीभीत के पूरनपुर में यूपी और पंजाब पुलिस का साझा ऑपरेशन

मुठभेड़ में खालिस्तानी कमांडो फोर्स के तीन आतंकी ढेर

पीलीभीत, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में सोमवार को खालिस्तानी कमांडो फोर्स के तीन आतंकियों को पुलिस एनकाउंटर में मार गिराया गया। ये आतंकी कुछ समय पहले पंजाब के गुरदासपुर में पुलिस चौकी पर ग्रेनेड से हमला करने में शामिल थे। पीलीभीत ऑपरेशन को यूपी और पंजाब पुलिस की संयुक्त टीम ने अंजाम दिया। मारे गए आतंकियों की पहचान वीरेंद्र सिंह, गुरविंदर सिंह और जसनप्रीत सिंह के रूप में हुई है।

पीलीभीत के पूरनपुर इलाके में खालिस्तानी आतंकियों के साथ पुलिस की मुठभेड़ देर रात हुई। पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि ये आतंकी इलाके में छिपे हुए हैं।

दो एके-47 राइफलें, दो आधुनिक पिस्तौल और गोलियां बरामद

इसके बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर उन्हें आत्मसमर्पण के लिए कहा, लेकिन उन्होंने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में तीनों आतंकी घायल हो गए। उन्हें तुरंत पूरनपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने आतंकियों के पास से दो एके-47 राइफल, दो ग्लॉक पिस्टल और भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए हैं। डीजीपी प्रशांत कुमार ने इस ऑपरेशन को बड़ी सफलता बताया। उन्होंने कहा कि यह दो राज्यों की पुलिस के बीच बेहतरीन तालमेल का परिणाम है। ▶10 पर

भाजपा और बीआरएस ने कांग्रेस पर लगाए गंभीर आरोप

अभिनेता अल्लू अर्जुन के घर पर हुए हमले में कांग्रेस का हाथ?

एक हमलावर सीएम रेवंत रेड्डी का नजदीकी निकला

हैदराबाद, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। मशहूर फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन के हैदराबाद स्थित आवास पर रविवार को हुए पथराव और तोड़फोड़ में ओवैसी बंधुओं और कांग्रेस पार्टी की साजिश के आरोप लग रहे हैं। फिल्म अभिनेता खगर पर हुए हमले में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का नाम लिए जाने से मामला तूल पकड़ता जा रहा है। भाजपा सांसद डीके अरुणा ने दावा किया है कि अभिनेता अल्लू अर्जुन के घर पर तोड़फोड़ करने वालों में से चार हमलावर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के विधानसभा क्षेत्र कोडंगल के हैं। इससे संदेह पैदा हो रहा है कि यह हमला कांग्रेस की साजिश थी। ▶10 पर

रोजगार मेला : पीएम मोदी ने 71000 युवाओं को दिए नियुक्ति पत्र

देश के विकास में युवा शक्ति और नेतृत्व की अहम भूमिका

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भर्ती अभियान रोजगार मेला के तहत करीब 71,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर युवाओं को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अक्टूबर में युवाओं को 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र दिए थे।

रोजगार मेला देश भर में 45 स्थानों पर आयोजित किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में नियुक्त किया गया। इनमें गृह मंत्रालय, डाक विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एवं वित्तीय सेवा शामिल हैं। रोजगार मेले की शुरुआत 22 अक्टूबर 2022 को हुई थी।

केंद्र सरकार ने पिछले डेढ़ साल में 10 लाख नौकरियां दीं

हाल में संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार ने बताया था कि रोजगार मेले के जरिए अब तक कई लाख युवाओं को नौकरी दी जा चुकी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा भी कि पिछले एक से डेढ़ साल में लगभग 10 लाख युवाओं को केंद्र सरकार ने स्थायी सरकारी नौकरी दी है। यह अपने आप में बहुत बड़ा रिकॉर्ड है। पीएम मोदी ने कहा, मैं कल देर रात कुवैत से लौटा। वहां मैंने भारत के युवाओं और प्रोफेशनल्स से बात की। भारत आने के बाद मेरा पहला कार्यक्रम देश के युवाओं के साथ हो रहा है। आज देश के हजारों युवाओं के जीवन की नई शुरुआत हो रही है। उनका कई वर्षों का सपना साकार हुआ है। कई साल की मेहनत सफल हुई है। ▶10 पर

संसद में राहुल गांधी द्वारा की गई हाथापाई पर सीआईएसएफ ने कहा

किसी भी सांसद को हथियार लाने की अनुमति नहीं दी गई थी

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के दरवाजे पर पिछले दिनों हुई हाथापाई को लेकर सीआईएसएफ के उप महानिरीक्षक (अभियान) श्रीकांत किशोर ने स्पष्ट किया कि इस प्रकरण में सीआईएसएफ की ओर से कोई चूक नहीं हुई। किसी भी सांसद को हथियार लाने की अनुमति नहीं दी गई थी। केंद्रीय औद्योगिकी सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) डीआईजी ने सोमवार को कहा कि पिछले हफ्ते संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान सांसदों के बीच हुई झड़प में उसकी ओर से कोई चूक नहीं हुई। उन्होंने यह भी बताया कि सीआईएसएफ इस घटना के मामले में कोई जांच नहीं कर रहा है। सीआईएसएफ संसद भवन की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालता है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28^0

न्यूनतम : 19^0

बांग्लादेश में हिंदुओं पर कट्टरपंथियों का अत्याचार लगातार जारी

कुलपति सुवोमय दत्ता से जबरन लिखवाया इस्तीफा

ढाका, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली इस्लामिक कट्टरपंथी सरकार लगातार हिंदुओं पर निशाना साध रही है। हिंदुओं के घर और मंदिर जलाए जा रहे हैं। हिंदुओं पर कातिलाना हमले किए जा रहे हैं। हिंदू शिक्षकों और हिंदू कर्मचारियों से सरकार जबरन इस्तीफा ले रही है। ताजा मामला ढाका से आया है, जहां प्रोफेसर सुवोमय दत्ता से इस्लामवादियों ने जबरदस्ती इस्तीफा ले लिया। बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित प्राइमेसिया यूनिवर्सिटी के कार्यवाहक वाइस चांसलर और वीसी आरडी से इस्लामवादियों ने जबरन इस्तीफा ले लिया। करीब एक माह पहले भी ढाका विश्वविद्यालय के एक हिंदू प्रोफेसर को घेरकर इस्लामिक कट्टरपंथियों ने उनसे जबरन इस्तीफा लिखवा लिया था। पाकिस्तान परस्त कट्टरपंथियों के अत्याचार से त्रस्त बांग्लादेश के हिंदू और अल्पसंख्यक त्राहिमाम बोल रहे हैं और भारत सरकार से सुरक्षा मांग रहे हैं। लेकिन सीएए कानून लाकर महज सियासत करने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार इनके लिए कुछ नहीं कर रही है। 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना की सरकार के तख्तापलट के साथ ही बीएनपी की अगुवाई में कट्टरपंथी अंतरिम सरकार ने हिंदुओं को निशाना बनाना शुरू कर दिया। एक महीने के अंदर 50 से भी अधिक शिक्षकों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर दिया गया था। बांग्लादेश हिंदू, बौद्ध, ईसाई, ओइक्या परिषद की छात्र शाखा बांग्लादेश छात्र ओइक्या परिषद ने कहा कि सुनियोजित तरीके से गैर मुस्लिम शिक्षकों को डरा-धमकाकर उनसे इस्तीफे लिए जा रहे हैं। छात्र परिषद के सांगठनिक समन्वयक सजीब सरकार ने इस सिलसिले में एक प्रेस कान्फ्रेंस भी की थी।64 जिलों वाले बांग्लादेश के 52 जिलों में अल्पसंख्यकों पर हमले और उन्हें आर्थिक रूप से तोड़ने की घटनाएं हो रही हैं। अंतरिम सरकार के तमाम आश्वासनों के बावजूद माहौल सामान्य नहीं हो पाया है। इस माहौल में अल्पसंख्यक डरे हुए हैं। जिन शिक्षकों से जबरन इस्तीफा लिया गया, वह सूची देखेंगे तो आपको दुख और आश्चर्य होगा। सरकारी बकरगंज कॉलेज की प्रिंसिपल शुक्ला रॉय से भी अभद्रतापूर्वक इस्तीफा लिया गया था। ▶10 पर

सीएए पर सवाल: बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा में भारत सरकार फेल

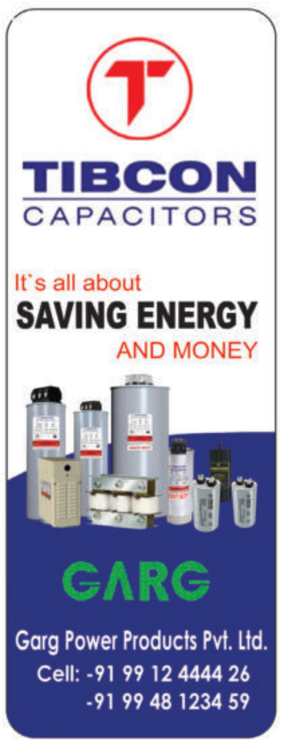

नेपाल-चीन के बीच प्रस्तावित रेलमार्ग पर हलचल तेज

काठमांडू, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। नेपाल और चीन के बीच बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव कार्यान्वयन समझौते पर हालिया हस्ताक्षर के बाद दोनों देशों के मध्य रेलमार्ग निर्माण पर हलचल तेज हो गई है। इस समझौते में चीन की सीमा करूंग से काठमांडू को जोड़ने के लिए रेलमार्ग निर्माण की परियोजना को शामिल किया गया है।

दोनों देशों के विभिन्न मंत्रालयों से जुड़े उच्चस्तरीय कर्मचारियों की मौजूदगी में हुई चर्चा में रेलवे परियोजना की प्री-फिजिबिलिटी स्टडी के दौरान आने वाली समस्याओं और समाधानों की तलाश की गई। नेपाल परिवहन मंत्रालय के सचिव केशव कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम चीन के शंघाई पहुंची है।

शर्मा के साथ इस टीम में परिवहन विभाग के संयुक्त सचिव भीमार्जुन अधिकारी, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, कानून मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और वित्त मंत्रालय के संयुक्त सचिव शामिल हैं।शंघाई में शुक्रवार से शुरू हुई बैठक रविवार तक चली।

चीन की टीम ने बताया कि काठमांडू-केरुंग रेलवे का निर्माण चुनौतीपूर्ण है। इस बैठक में काठमांडू करूंग रेलमार्ग के प्री फिजीबिलिटी अध्ययन में शामिल चीनी राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी चाइना रेलवे फर्स्ट सर्वे एंड डिज़ाइन इंस्टीट्यूट के तकनीशियनों ने भी बैठक में हिस्सा लिया।बैठक में सहभागी परिवहन मंत्रालय के संयुक्त सचिव भीमार्जुन अधिकारी ने कहा कि इस पूरे रेलमार्ग पर 98 प्रतिशत हिस्सा पहाड़ी होने के कारण निर्माण लागत काफी महंगी होने वाली है। बैठक में चीनी पक्ष ने बताया कि भौगोलिक परिस्थितियों के कारण करीब 95 फीसदी मार्ग में सिर्फ सुरंगों और पुलों का ही निर्माण होगा।अध्ययन के हिस्से के रूप में वर्तमान में काठमांडू, नुवाकोट और रसुवा में मिट्टी का परीक्षण किया जा रहा है।

रेलवे लाइन के संभावित स्थान पर ड्रिलिंग कर भूमिगत मिट्टी निकालने का अध्ययन किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि व्यवहार्यता अध्ययन पूरा होने के बाद सभी विषय आ जाएंगे। ड्रिल करने में अभी और समय लगेगा।नेपाल ने चीनी अधिकारियों को सूचित कर दिया है कि अध्ययन के लिए आवश्यक प्रशासनिक सहायता प्रदान की जाएगी।

नेपाल की टीम ने रेलवे का अध्ययन कर रहे फर्स्ट सर्वे एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट की तकनीकी टीम से अलग से बातचीत की। बताया गया कि अध्ययन दल में शामिल तकनीशियन ने अध्ययन के दौरान आने वाली छोटी-मोटी समस्याओं का मामला उठाया और इसके समाधान के लिए समन्वय स्थापित करने को तैयार हैं।

न्यूज ब्रीफ

लाहौर में हाउसिंग कॉलोनी के सशस्त्र गार्ड ने पालतू शेर को मार डाला

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर में एक प्राइवेट हाउसिंग सोसाइटी के सशस्त्र सुरक्षा गार्ड ने एक शेर को मार डाला। पुलिस और वन्यजीव अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि यह पालतू शेर सड़क पर कैसे पहुंचा। खबर के अनुसार, पुलिस ने बताया कि शालीमार हाउसिंग सोसाइटी हरबंसपुरा के निवासी अली इमरान ने इस शेर को पाला था। वह शनिवार को अचानक घर से निकलकर सड़क पर पहुंच गया। उसने दहाड़ लगाई तो लोग डरकर इधर-उधर भागने लगे। ग्रीनबेल्ट पर खेल रहे बच्चे भी चिल्लाने लगे। यह देखकर सोसाइटी के एक सशस्त्र सुरक्षा गार्ड ने दहाड़ते हुए शेर पर गोलियां दाग दीं। पालतू शेर मौके पर ढेर हो गया। उल्लेखनीय है कि लाहौर, कराची के बाद पाकिस्तान में दूसरा सबसे बडा आबादी वाला शहर है। इसे पाकिस्तान का दिल भी कहा जाता है।

ब्राजील: 10 यात्रियों को ले जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त, बचाव कार्य जारी

ब्रासीलिया। दक्षिणी ब्राजील के पर्यटक शहर ग्रैमाडो में 10 यात्रियों को ले जा रहा एक छोटा विमान दुकानों से टकराने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। नागरिक और रक्षा अधिकारियों ने सभी यात्रियों के मारे जाने की आशंका जताई है। घटनास्थल पर बचाव कार्य जारी है। रियो ग्रांडे डो सुल राज्य के सार्वजनिक सुरक्षा कार्यालय के अनुसार,विमान कथित तौर पर पहले एक इमारत की चिमनी से टकराया फिर एक घर की दूसरी मंजिल को तोड़ते हुए एक फर्नीचर की दुकान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के बाद विमान का मलबा पास के एक सराय तक भी पहुंचा। इलाके के अधिकारियों ने बताया कि इस दुर्घटना में अब तक 15 लोगों को शहर के अस्पताल में ले जाया गया है। इनमें ज्यादातर लोग दुर्घटना के बाद लगी आग और उसके धुएं में दम घुटने से पीड़ित थे। वहीं शहर के गवर्नर एडुआर्डो लेइट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दुर्भाग्य से, शुरुआती रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि विमान में सवार लोग जीवित नहीं बचे। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य किया जा रहा है।

कोलकाता में जन्मे बांग्लादेश के पूर्व अटॉर्नी जनरल आरिफ ढाका में सुपुर्द-ए-खाक

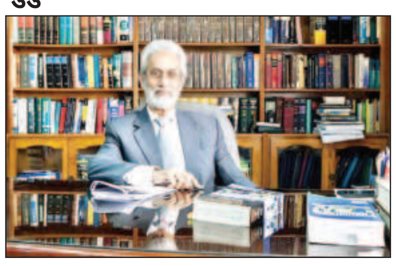

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व अटॉर्नी जनरल और अंतरिम सरकार के नागरिक उड्डयन और पर्यटन सलाहकार एएफ हसन आरिफ को सुबह 10 :30 मीरपुर शहीद बुद्धिजीवियों के कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। उनका गत दिवस इंतकाल हो गया था। उनके सम्मान में बांग्लादेश में एक दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया है। ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, दिवंगत हसन आरिफ को उनके बेटे मुआरिफ और अन्य प्रमुख व्यक्तियों सहित परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में दफनाया गया। आरिफ ने 83 वर्ष की आयु में 20 दिसंबर को राजधानी ढाका के लैबैड अस्पताल में अंतिम सांस ली थी। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील एएफ हसन आरिफ का जन्म 1941 में कोलकाता में हुआ था। उन्होंने अपनी माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा कोलकाता के सेंट जेवियर्स कॉलेज से पूरी की। इसके बाद उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री और एलएलबी की उपाधि प्राप्त की। 1967 में कलकत्ता हाई कोर्ट में एक वकील के रूप में नामांकन कराने के बाद वह पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) चले गए। उन्होंने 1970 में ढाका हाई कोर्ट में प्रैक्टिस शुरू की। हसन आरिफ सैन्य तानाशाह एचएम इरशाद के शासन के समय अप्रैल 1982 से अगस्त 1985 तक सहायक अटॉर्नी जनरल के रूप में और अगस्त 1985 से मार्च 1996 तक डिप्टी अटॉर्नी जनरल के रूप में कार्य किया। बाद में उन्होंने अक्टूबर से बीएनपी-जमात-ए-इस्लामी गठबंधन सरकार के दौरान अटॉर्नी जनरल के रूप में कार्य किया। जनवरी 2008 से जनवरी 2009 तक उन्होंने फखरुद्दीन अहमद के नेतृत्व वाली कार्यवाहक सरकार के कानूनी सलाहकार के रूप में कार्य किया। पूर्व अटॉर्नी जनरल ने कई मामलों में मोहम्मद यूनुस का प्रतिनिधित्व किया।

ब्राजील में पुल गिरा

ब्राजील में उत्तरी और उत्तरपूर्वी इलाकों को जोड़ने वाला एक पुल गिर गया। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हुई है।

अमेरिकी जहाजों से वसूला जा रहा अनुचित शुल्क ट्रंप ने दी पनामा नहर वापस लेने की धमकी

वाशिंगटन, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पनामा नहर को लेकर एक बयान में कहा था कि पनामा से होकर गुजरने वाले अमेरिकी जहाजों से अनुचित शुल्क वसूला जा रहा है, जिसे देखकर लगता है कि अब इसका नियंत्रण वापस अमेरिका को अपने हाथ में लेना होगा। ट्रंप के इस बयान के बाद अब पनामा के राष्ट्रपति ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो ने ट्रंप की बातों को खारिज करते हुए कहा कि पनामा से होकर गुजरने वाले जहाजों से लिया जाना वाला शुल्क एक्सपर्ट्स की ओर से तय है। मुलिनो ने कहा कि नहर का जर्रा-जर्रा पनामा का है और हमारा ही रहेगा। ट्रंप ने कहा था कि हमारी नौसेना और कारोबारियों के साथ अनुचित व्यवहार किया गया।

पनामा द्वारा ली जा रही फीस हास्यास्पद है। इस तरह की चीजों को तुरंत बंद किया जाना चाहिए। अगर पनामा चैनल का सुरक्षित, कुशल और विश्वसनीय तरीके से संचालन नहीं होता है तो हम मांग करेंगे कि पनामा नहर हमें पूरी तरह वापस की जाए।

दुनियाभर की जियोपॉलिटिक्स में पनामा नहर काफी मायने रखती है। यह 82 किलोमीटर लंबी नहर अटलांटिक महासागर और प्रशांत महासागर को जोड़ती है। दुनियाभर का छह फीसदी समुद्री व्यापार इसी नहर से होता है। अमेरिका के लिए इस नहर का बहुत महत्व है। अमेरिका के साथ ही दक्षिण अमेरिकी देशों का बड़ी संख्या में आयात-निर्यात भी पनामा नहर के जरिए ही होता है। एशिया से अगर कैरेबियाई देश माल भेजना हो तो जहाज पनामा नहर से होकर ही गुजरते हैं। पनामा नहर पर कब्जा होने की स्थिति में दुनियाभर की सप्लाई चेन बाधित होने का खतरा है।

बता दें कि पनामा नहर का निर्माण 1881 में फ्रांस ने किया था, लेकिन 1904 में अमेरिका ने इस नहर के निर्माण की जिम्मेदारी संभाली और 1914 में अमेरिका द्वारा इस नहर को पूरा किया। इसके बाद पनामा नहर पर अमेरिका का ही नियंत्रण था, लेकिन साल 1999 में अमेरिका ने पनामा नहर का नियंत्रण पनामा सरकार को सौंप दिया। अब इसका प्रबंधन पनामा कैनाल अथॉरिटी करती है।

इस्लामाबाद में हुकूमत और पीटीआई के बीच सुलह वार्ता शुरू

इस्लामाबाद, 23 दिसंबर (एजेंसियां)।

आखिरकार पाकिस्तान की संघीय सरकर और विरोधी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रतिनिधि सुलह की मेज पर आ गए। बैठक नेशनल असेंबली के अध्यक्ष ऐयाज सादिक की मौजूदगी में शुरू हुई है। सादिक ने उम्मीद जताई है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की यह पहल कामयाबी होगी। सरकार और पीटीआई के बीच टकराव का अंत होगा।

खबर के अनुसार, यह बैठक संसद भवन में तय समय से कुछ विलंब से शुरू हुई। बैठक में उप प्रधानमंत्री इशाक डार, प्रधानमंत्री के सलाहकार राणा सनाउल्लाह, सीनेटर इरफान सिद्दीकी, पीपीपी नेता राजा परवेज अशरफ, नवीद कमर और एमक्यूएम-पी नेता फारूक सत्तार मौजूद हैं। पीटीआई का प्रतिनिधित्व के सत्र में पूर्व स्पीकर असद कैसर, सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल के अध्यक्ष साहिबजादा हामिद रजा और मजलिस वहदत-ए-मुस्लिमीन अल्लामा राजा नासिर अब्बास कर रहे हैं। नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब, पीटीआई महासचिव सलमान अकरम राजा, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन खान गंडापुर और वरिष्ठ नेता हामिद खान को बैठक में हिस्सा लेना है। मगर वह अब तक नहीं पहुंचे हैं।

बातचीत की प्रक्रिया आधिकारिक तौर पर शुरू होने से पहले पवित्र कुरान का पाठ किया गया। इस दौरान मुल्क की बेहतरी और बातचीत की सफलता की प्रार्थना की गई। उल्लेखनीय है कि गतिरोध को समाप्त करते हुए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कल मुख्य विपक्षी दल के साथ बातचीत करने के लिए गठबंधन सरकार के वरिष्ठ सदस्यों की उच्चस्तरीय समिति का गठन किया। ऐसे संकेत मिले हैं कि संघीय सरकार किसी ठोस नतीजे पर पहुंचने से पहले यह चाहती है कि पीटीआई संस्थापक इमरान खान स्थगित किए गए अपने सविनय अवज्ञा आंदोलन को वापस लें।

इजराइली डीएम ने लेबनान में चौकी का किया दौरा संघर्ष विराम के उल्लंघन पर कार्रवाई की धमकी दी

यरूशलम, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। इजरायल के रक्षा मंत्री, इजरायल काट्ज ने दक्षिणी लेबनान में इजरायली सेना की चौकी का दौरा किया और चेतावनी दी कि अगर हिजबुल्लाह मौजूदा युद्ध विराम समझौते के तहत लितानी नदी के पार पीछे हटने में नाकाम रहता है, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।27 नवंबर से प्रभावी यह संघर्षविराम समझौता हिजबुल्लाह से मांग करता है कि वह अपने लड़ाकों और हथियारों को लितानी नदी के उत्तर में ले जाए और इजरायली सैनिकों को 60 दिनों के भीतर ब्लू लाइन के दक्षिण से पूरी तरह बाहर निकाल दे। इसके अलावा, लेबनानी सेना ने लेबनान के सीमावर्ती इलाकों पर कब्जा कर लिया है।आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, काट्ज़ ने रविवार को उस चौकी का दौरा किया, जो लेबनान के मारुन अल-रास और यारून गांवों को देखती है। इस यात्रा का उद्देश्य युद्ध विराम समझौते के अगले चरणों से पहले सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करना था।

काट्ज़ ने बयान में चेतावनी दी अगर हिजबुल्लाह ने संघर्षविराम का उल्लंघन करने की कोशिश की, तो हम उसे सख्त जवाब देंगे।उन्होंने क्षेत्र में हिजबुल्लाह को अपने सैन्य ढांचे को फिर से बनाने से रोकने के लिए इजरायल के मजबूत इरादे पर जोर दिया, क्योंकि उनका कहना था कि यह उत्तरी इजरायल के समुदायों के लिए खतरा बन सकता है।रक्षा मंत्री ने सीमा पर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा करने और युद्ध विराम समझौते के अगले चरणों की तैयारियों का मूल्यांकन करने के लिए वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की।

इजरायल और लेबनान के बीच सीमा पर नाजुक शांति बनी हुई है, क्योंकि युद्धविराम समझौते ने इजरायली बलों और हिजबुल्लाह के बीच 14 महीने की लड़ाई को समाप्त कर दिया है। हालांकि, इजरायली सेना का कहना है कि उन्होंने संघर्षविराम का उल्लंघन करने वाले हिजबुल्लाह के आतंकवादियों को निशाना बनाते हुए लेबनान में कुछ छोटे हमले किए हैं।

इस बीच, रिपोर्ट्स के मुताबिक, हिजबुल्लाह ने बार-बार होने वाले इजराइली हमलों के जवाब में एक बार युद्धविराम का उल्लंघन किया है।

इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच युद्ध विराम समझौता 27 नवंबर से लागू हुआ, जिससे 8 अक्टूबर, 2023 को शुरू हुए संघर्ष का अंत हो गया।समझौते में कहा गया है कि इजरायल 60 दिनों के भीतर लेबनानी क्षेत्र से हट जाएगा और लेबनानी सेना को लितानी नदी के दक्षिण में तैनात किया जाएगा, ताकि वह वहां हथियारों और आतंकवादियों की किसी भी मौजूदगी को रोक सके।इस समझौते में फ्रांस, यूनिफिल बलों, और लेबनानी और इजरायली सेनाओं की भागीदारी के साथ, अमेरिका की अध्यक्षता में एक तंत्र भी स्थापित किया गया है, जो समझौते के कार्यान्वयन की निगरानी करेगा।

उत्तर कोरिया पर लगाम लगाने के लिए अमेरिका व दक्षिण कोरिया संयुक्त रूप से करेंगे प्रयास

सियोले, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया के क्रिप्टोकरेंसी चोरी के प्रयासों के खिलाफ दक्षिण कोरिया और अमेरिका संयुक्त रूप से अनुसंधान कर रहे हैं। यह जानकारी अधिकारियों ने रविवार को दी।साइबर सुरक्षा उद्योग के अधिकारियों के अनुसार, दक्षिण कोरियाई सरकार और अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के बीच हाल ही में इस मामले में सहमति बनी है।

दोनों पक्ष संयुक्त रूप से क्रिप्टोकरेंसी-लक्षित हमलों को रोकने के साथ चोरी की गई संपत्तियों को ट्रैक करने के लिए काम करेंगे।योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी योजना एवं मूल्यांकन संस्थान के माध्यम से इस तरह के अनुसंधान को समर्थन देने की योजना बना रहा है।यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब पिछले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के बाद बिटकॉइन की कीमत बढ़कर 100,000 डॉलर हो गई। इसके बाद हैकरों द्वारा संपत्तियों को चुराने का प्रयास किया गया।

संयुक्त राज्य अमेरिका साइबर सुरक्षा अनुसंधान के लिए अन्य देशों के साथ सहयोग करता है। डिजिटल परिसंपत्ति ट्रैकिंग प्रौद्योगिकी पर अनुसंधान के लिए दक्षिण कोरिया को चुना है। क्योंकि उत्तर कोरिया को क्रिप्टोकरेंसी चोरी के प्रयासों को लेकर अपराधी के तौर पर देखा जाता है।

संयुक्त रुप से इस रिसर्च में कोरिया विश्वविद्यालय और रैंड कॉर्प अनुसंधान संस्थान सहित दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी शोधकर्ता, क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज से संपत्ति चुराने वाले हैकरों को रोकने और उन पर नजर रखने की तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।अग्रणी ब्लॉकचेन विश्लेषण फर्म चैनालिसिस के अनुसार, उत्तर कोरिया को क्रिप्टोकरेंसी चोरी में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में जाना जाता है, तथा देश से जुड़े हैकरों ने इस वर्ष 47 घटनाओं में 1.34 बिलियन डॉलर मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी चुराई है।वित्तीय सेवा आयोग (एफएससी) प्रमुख ने पिछले महीने कहा था कि सरकार को क्रिप्टोकरेंसी बाजार में अनुचित लेनदेन पर कड़ी निगरानी रखने की जरूरत है।

दिग्गज निर्देशक श्याम बेनेगल का 90 की उम्र में निधन

नई दिल्ली, 23 दिसंबर (एजेंसियां)।
फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज निर्देशक श्याम बेनेगल का निधन हो गया है। उन्होंने 90 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। मशहूर फिल्म मेकर लंबे समय से बढ़ती उम्र के कारण अस्वस्थ चल रहे थे। उनकी बेटी पिया बेनेगल ने इंडिया टुडे से इस खबर की पुष्टि की और बताया कि एक दिन ऐसा होना तय था। बेनेगल को भारत सरकार ने 1976 में पद्म श्री और 1991 में पद्म भूषण से सम्मानित किया था। उनकी सफल फिल्मों में मंथन, जुबैदा और सरदारी बेगम शामिल हैं।

श्याम बेनेगल का इस दुनिया को अलविदा कह कर जाना पूरी इंडस्ट्री के लिए बड़ी क्षति है । खबर है कि उन्होंने 23 दिसंबर को शाम 6 बजकर 30 मिनट पर आखिरी सांस ली. हाल ही में उन्होंने

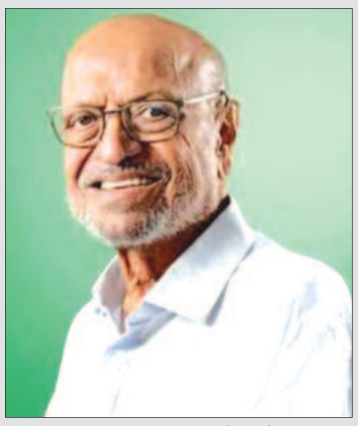

अपना 90वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया था. एक्ट्रेस शबाना आजमी ने अपने इंस्टाग्राम इस पार्टी की तस्वीरें शेयर की थीं। फोटो में श्याम बेनेगल, शबाना और नसीरुद्दीन शाह संग हंसते मुस्कुराते नजर आए थे। निर्देशक का जन्म 14 दिसंबर को हुआ था।

श्याम बेनेगल ने 1974 में फिल्म अंकुर से निर्देशन की शुरुआत की थी। ये फिल्म सामाजिक मुद्दों पर आधारित थी। इस फिल्म ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिला दी थी।

इसके अलावा भी उन्होंने महत्वपूर्ण फिल्में बनाई थीं। उन्होंने 'निशांत', 'मंथन', 'भूमिका' और 'सरदारी बेगम' जैसी यादगार फिल्में बनाईं, जिन्हें आज भी याद किया जाता है. मालूम हो कि 'मंथन' पहली ऐसी फिल्म थी, जो दर्शकों के आर्थिक सहयोग से बनी थी। ये फिल्म डेयरी आंदोलन पर आधारित थी। उनकी फिल्मों की सबसे बड़ी खूबी ये रही कि वो आम लोगों के जीवन की सच्चाई और उनके संघर्षों को प्रमाणिकता के साथ प्रस्तुत करती थीं।

श्याम बेनेगल ने भारतीय सिनेमा को कई बेशकीमती कलाकार भी दिए, जिनमें शबाना आजमी, स्मिता पाटिल, नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी, अमरीश पुरी, अनंत नाग जैसे महान अभिनेता शामिल हैं। फिल्मों के अलावा दूरदर्शन पर आने वाले मशहूर सीरियल 'भारत एक खोज' और 'कहता है जोकर', 'कथा सागर' का निर्देशन श्याम बेनेगल ने ही किया था। श्याम बेनेगल ने अपने गुरु सत्यजीत रे और देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर भी डॉक्यूमेंट्री बनाई. अपनी आत्मकथा 'एक्ट ऑफ लाइफ' में अमरीश पुरी ने श्याम बेनेगल को चलता-फिरता विश्वकोश बताया है. श्याम ने करिश्मा कपूर स्टारर जुबैदा भी डायरेक्ट की थी, जो एक्ट्रेस के करियर की आइकॉनिक फिल्म मानी जाती है ।

असम में बाल विवाह के अपराध में 431 लोग पकड़े गए

गुवाहाटी, 23 दिसंबर (एजेंसियां)।
असम में छोटी उम्र में बच्चियों से शादी करने वालों पर हिमंत बिस्व सरमा की सरकार ने कार्रवाई तेज कर दी है। असम सरकार ने 21 और 22 दिसम्बर को विशेष अभियान चला कर बाल निकाह करने और कराने वाले 431 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह अभियान पूरे असम में चलाया गया।

असम के एडीजीपी एमएल गुप्ता ने बताया कि इस अभियान के तहत 345 केस दर्ज किए गए हैं। सबसे अधिक गिरफ्तारियां धुबरी जिले में हुई हैं। यहां 68 लोग जबकि बारपेटा में 52 लोग पकड़े गए हैं। पुलिस ने बाल निकाह करने वाले दूल्हों, परिजनों और 2 काजियों को भी गिरफ्तार किया है।

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि वे

असम राज्य को 2026 तक इस समस्या से पूरी तरह निजात दिलाना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 2000 से अधिक लोग गिरफ्तार हो चुके हैं और इस मामले में लगातार कार्रवाई चल रही है। उन्होंने कहा है कि राज्य में मुस्लिम बालिकाओं को सशक्त बनाने के लिए योजनाएं भी चल रही हैं।

दूसरी तरह राज्य में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की भी धर-पकड़ जारी है। असम पुलिस ने 6 बांग्लादेशियों को पकड़कर वापस उनके मुल्क भेजा। त्रिपुरा में भी 3 घुसपैठिए गिरफ्तार किए गए। असम पुलिस ने बांग्लादेशी घुसपेठिया मुस्तफीजुर रहमान, मोहम्मद लेनिन मियां, सिराजुल इस्लाम, सैफुल इस्लाम, मुख्तार हुसैन हुसैन और कब्बो क्रूज को गिरफ्तार करने के बाद उन्हें वापस बांग्लादेश भेज दिया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि असम में अब घुसपैठ के लिए कोई जगह नहीं है। त्रिपुरा के अगरतला रेलवे स्टेशन से तीन बांग्लादेशियों 30 वर्षीय मोहम्मद मलिक, 20 वर्षीय विष्णुचंद्र दास और 19 वर्षीय छोटन दास को पकड़ा गया। छोटन और विष्णु नोआखली के रहने वाले हैं, जबकि मोहम्मद मलिक हबीबगंज का रहने वाला है। ये सभी कोलकाता जाने के लिए ट्रेन पकड़ने के इरादे से स्टेशन पर पहुंचे थे।

अवैध बांग्लादेशियों को वापस भेजा जाएगा : फडणवीस

मुंबई, 23 दिसंबर (एजेंसियां)।
महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में रह रहे अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की धरपकड़ तेज करके उन्हें वापस उनके देश में भेजा जाएगा। इसके लिए प्रशासकीय स्तर पर जोरदार तैयारी की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार हिंदुओं के अलावा अन्य समुदायों के धार्मिक स्थलों को राज्य के नियंत्रण में लाने की मांग का अध्ययन करेगी।

देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार मुंबई में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई करने पर अडिग है। हमने उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है और उन्हें निर्वासित किया जाएगा। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने सभागृह में हिंदुओं के अलावा अन्य धर्मों के धार्मिक स्थलों को राज्य सरकार के नियंत्रण में लाने की आवश्यकता जताई थी। उन्होंने कहा था कि यह जनता की मांग है कि न केवल हिंदू मंदिर बल्कि अन्य धर्मों के पूजा स्थलों को भी सरकारी नियंत्रण में लाया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने दो दिन पहले विधानसभा में यह भी दावा किया था कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भारत जोड़ो अभियान को नक्सल आंदोलन के कुछ प्रतिबंधित फ्रंटल संगठनों का समर्थन प्राप्त था। इस पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिख कर इन संगठनों के नाम सार्वजनिक किए जाने की मांग की थी। इस पर और खुलासा करते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इन संगठनों के खिलाफ यूएपीए और अन्य कानूनों के तहत कार्रवाई की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के प्रस्तावित महाराष्ट्र विशेष सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक, 2024 पर आपत्ति जताने वाले संगठनों से विधानमंडल में कानून पारित होने से पहले वार्ता की जाएगी। विधेयक का मसौदा पुलिस के नक्सल विरोधी दस्तों की मांग और छत्तीसगढ़ जैसे कुछ माओवादी प्रभावित राज्यों में मौजूद कानून की तर्ज पर तैयार किया गया है। हम चाहते हैं कि इस पर उचित विचार-विमर्श हो और इसके बाद इसे पारित किया जाए और इसलिए इसे दोनों सदनों के 21 सदस्यों वाली संयुक्त चयन समिति के पास भेजा गया है। आपत्ति जताने वाले संगठनों को जेएससी के समक्ष कानून पर अपना पक्ष रखने का अवसर मिलेगा।

उत्तराखंड के कालागढ़ में अवैध कब्जा हटाने की तैयारी

सुप्रीम कोर्ट-एनजीटी के आदेश पर खाली कराई जाएगी जंगल की जमीन

कालागढ़ (पौड़ी गढ़वाल), 23 दिसंबर (एजेंसियां)।
कालागढ़ रामनगंगा जल विद्युत प्रोजेक्ट के लिए अस्थाई रूप से बसाए गए कालागढ़ कस्बे पर अभी भी यूपी के लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है। जबकि वह वन भूमि है और इसे कॉर्बेट टाइगर रिजर्व ने प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए लीज पर दिया हुआ था। इस भूमि को खाली कराने के लिए राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) और सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दे रखा है। इसके अनुपालन में पौड़ी जिला प्रशासन कल से कार्रवाई करने जा रहा है।

रामगंगा जल विद्युत परियोजना के लिए वन विभाग में श्रमिकों के लिए रहने के लिए सिंचाई विभाग को भूमि लीज पर दी थी, परियोजना पर काम पूरा होगा। उक्त जमीन वापिस लेने के लिए वन विभाग को सालों पहले सुप्रीम कोर्ट से लेकर राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण एनजीटी तक कानूनी

लड़ाई लड़नी पड़ी। 2018 में आधी भूमि खाली भी हुई शेष जो रह गई अब जिला प्रशासन को इसे खाली करवा करवा का एनजीटी में जवाब दाखिल करना है। इसी सिलसिले में जिला प्रशासन की गतिविधियां यहां तेज हुई हैं। यही वजह है कि यहां राजनीतिक प्रेशर भी काम नहीं कर रहा है, क्योंकि एनजीटी ने 2018 के बाद अभी तक कार्रवाई नहीं होने पर भी जवाब तलब किया है।

फिलहाल, जिला प्रशासन 24 जनवरी से 72 खाली भवनों को ध्वस्त करके उक्त भूमि वन विभाग को सौंप देने पर विचार कर रहा है, शेष पर कारवाई अगले चरण में होगी।

खास बात ये है कि कॉर्बेट टाइगर रिजर्व कालागढ़ वन प्रभाग की बफर जोन की भूमि पर अवैध रूप से बसे कब्जेदारों ने एक मस्जिद का निर्माण भी अवैध रूप से कर दिया है। इस मस्जिद के निर्माण को और आगे विस्तार देने के लिए सोशल मीडिया पर प्रचार करके चंदा जुटाने का आह्वान भी किया जा रहा है।

इस मस्जिद को टीन मस्जिद के नाम से प्रचारित किया जा रहा है। कालागढ़ टाइगर रिजर्व का अतिक्रमण भी इसलिए नहीं हटाया गया क्योंकि यहां कब्जा जमाए बैठे बिजनौर धामपुर के लोगों को कांग्रेस द्वारा संरक्षण दिया जा रहा है। कांग्रेस के नेता कालागढ़ में राजनीति करते हैं और यहां अवैध रूप से काबिज लोगों को संरक्षण देते हैं।

कालागढ़ में अवैध कब्जे रामगंगा जल विद्युत परियोजना के खत्म हो जाने के बाद लीज पर प्रोजेक्ट के लिए दी गई वन विभाग यानि कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के कालागढ़ फॉरेस्ट डिविजन को वापिस होनी थी ऐसा सुप्रीम कोर्ट के साथ-साथ राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण का भी आदेश था, कॉर्बेट कालागढ़ टाइगर रिजर्व प्रशासन ने बहुत सारी जमीन वापिस भी ली, लेकिन आज भी यहां सैकड़ों हेक्टेयर जमीन पर लोगों के अवैध कब्जे हैं जबकि, यहां से कोई कारोबार नहीं होता और यहां ज्यादातर लोग वन सम्पदा की तस्करी में लिप्त बताए जाते हैं, ये भी जानकारी मिली है कि यूपी से अपराधी किस्म के लोग यहां उत्तराखंड की सीमा में आकर पनाह लेते हैं।

कालागढ़ क्षेत्र पौड़ी गढ़वाल का हिस्सा है और इसके एक तरफ नैनीताल जिला है दूसरी ओर यूपी के बिजनौर जिले का अफजल गढ़ क्षेत्र आता है। इनमें बहुत से कब्जेदार लोग ऐसे हैं, जिन्होंने अफजलगढ़,बिजनौर में भी अपने मकान बना लिए है किंतु यहां भी कब्जे कर अवैध रूप से बैठे हुए है। ये भी जानकारी मिली है कि इनके उत्तराखंड में भी वोट है और यूपी में भी वोट है। इस बारे में भी पौड़ी जिला प्रशासन ने ड्राइव चलाई हुई है।

कश्मीर में नेकां सांसद द्वारा अपनी ही सरकार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 23 दिसंबर।
जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा लागू की गई आरक्षण नीति के विरोध में श्रीनगर में जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आवास के बाहर बड़ी संख्या में युवा एकत्र हुए। इस प्रदर्शन का नेतृत्व नेशनल कांफ्रेंस के ही सांसद रूहुल्लाह मेहदी ने किया। उनके साथ धरने में शामिल होने के लिए पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के वरिष्ठ नेता वहीद उर रहमान परा और इल्तिजा मुफ्ती भी अपने साथियों संग पहुंचे थे।

जम्मू कश्मीर में बीते पांच वर्ष के दौरान आरक्षित वर्गों के लिए कोटा बढ़कर लगभग 65 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इससे जम्मू कश्मीर में कई वर्गों में रोष है, क्योंकि सामान्य वर्ग के लिए सरकारी नौकरियों व सरकारी शिक्षण संस्थानों में अवसर लगभग 35 प्रतिशत तक सीमित हो गए हैं। हालांकि, प्रदेश सरकार ने इस मामले के समाधान के लिए कैबिनेट उपसमिति का गठन किया है, लेकिन मामला शांत नहीं हो रहा है। सांसद आगा सैयद रुहुल्ला ने आज इसी मुद्दे पर मुख्यमंत्री आवास के बाहर धरना दिया। सभा को संबोधित करते हुए रूहुल्लाह मेहदी ने आरक्षण नीति की आलोचना की और तर्क दिया कि इसने कुछ समुदायों को असंगत रूप से प्रभावित किया है। मेहदी ने कहा कि सरकार को अपनी नीतियों में निष्पक्षता और समानता सुनिश्चित करनी चाहिए। मौजूदा आरक्षण प्रणाली विभाजनकारी है और इसने समाज के योग्य वर्गों में अलगाव की भावना पैदा की है। सभी के लिए समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए नीति की व्यापक समीक्षा की आवश्यकता है।

अन्य राजनीतिक गुटों के नेताओं द्वारा अपना समर्थन दिए जाने के बाद विरोध ने गति जरूर पकड़ी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के विधायक वहीद पारा ने युवाओं में बढ़ते असंतोष को उजागर करते हुए एकजुटता व्यक्त की। पारा ने कहा कि यह केवल आरक्षण के बारे में नहीं है; यह युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को संबोधित करने में सरकार की विफलता के बारे में है। इंजीनियर राशिद की अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) और मीरवाइज उमर फारूक के सदस्यों ने भी विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया। मीरवाइज ने शासन में न्याय और पारदर्शिता का आह्वान किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आबादी के किसी भी वर्ग के साथ भेदभाव करने वाली नीतियां अस्वीकार्य हैं। सरकार को युवाओं की आवाज सुननी चाहिए।

प्रदर्शनकारियों ने बैनर थामे और आरक्षण नीति में तत्काल बदलाव की मांग करते हुए नारे लगाए। कई लोगों ने उनकी शिकायतों के प्रति उदासीन रहने के लिए मुख्यमंत्री की आलोचना की। प्रदर्शन के समापन पर, मेहदी ने युवाओं के लिए लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और सरकार से उठाई गई चिंताओं को दूर करने के लिए रचनात्मक बातचीत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोगों की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। युवा भविष्य हैं और उनकी मांगों को सम्मान और गंभीरता के साथ पूरा किया जाना चाहिए। मेहदी ने कहा कि उम्मीदवारों का एक युवा प्रतिनिधिमंडल सीएम उमर से मिलेगा और जब तक वे पूरी तरह से संतुष्ट नहीं हो जाते, तब तक वह उम्मीदवारों के साथ विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे।

सोनमर्ग में भारी बर्फबारी का अभी भी इंतजार

जम्मू, 23 दिसंबर (ब्यूरो)।
मध्य कश्मीर के गंदरबल जिले के सोनमर्ग में बर्फबारी का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है, ताकि यहां नई स्की ड्रैग लिफ्ट लगाई जा सके। जम्मू कश्मीर केबल कार कॉरपोरेशन के सहयोग से जम्मू कश्मीर पर्यटन द्वारा शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र में शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देना और आगंतुकों को अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करना है। इस बीच यूं तो कश्मीर के कई हिल स्टेशनों पर बर्फबारी हो चुकी है फिर भी शीतकालीन खेलों के लिए तैयार हो रहे गुलमर्ग के विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल को एक जोरदार बर्फबारी का इंतजार है।

स्की ड्रैग लिफ्ट, बर्फ के खेल के प्रति उत्साही लोगों के लिए डिज़ाइन की गई एक सतही लिफ्ट है, जो स्कीयर और स्नोबोर्डर्स को जमीन पर रहते हुए ढलानों पर चढ़ने की अनुमति देती है। जबकि ऐसी लिफ्टें पहले आम थीं, अब वे एक अनूठी विशेषता हैं क्योंकि गोंडोला जैसी हवाई लिफ्टें बर्फ परिवहन परिदृश्य पर हावी हैं। सोनमर्ग में स्थापना क्षेत्र के शीतकालीन आकर्षणों में एक नया आयाम जोड़ती है, जिससे पर्यटक कश्मीर की प्राचीन सुंदरता में भीगते हुए स्कीइंग के रोमांच का आनंद ले सकते हैं।

इस वर्ष, सोनमर्ग में स्की ड्रैग लिफ्ट प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल रूप से उद्घाटन की गई प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक थी। जम्मू और कश्मीर केबल कार कॉरपोरेशन द्वारा स्थापित, लिफ्ट पर्यटन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और आगंतुकों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पर्यटक और शीतकालीन खेलों के शौकीन लोग स्की सीजन की शुरुआत के लिए बर्फबारी का बेसब्री से इंतजार करते हैं। यह लिफ्ट एक प्रमुख आकर्षण बनने की उम्मीद है, जो रोमांच चाहने वालों और बर्फ प्रेमियों को स्कीइंग के आनंद का अनुभव करने के लिए समान रूप से आकर्षित करेगी। स्थानीय स्की उत्साही लोगों ने भी उत्साह व्यक्त किया है, इस सुविधा के लिए कौशल विकास को बढ़ावा देने और शीतकालीन खेलों के लिए अपने जुनून को रचनात्मक दिशा में मोड़ने की क्षमता पर प्रकाश डाला है।

इस बीच यूं तो कश्मीर के कई हिल स्टेशनों पर बर्फबारी हो चुकी है फिर भी शीतकालीन खेलों के लिए तैयार हो रहे गुलमर्ग के विश्व प्रसिद्ध पर्यटनस्थल को एक जोरदार बर्फबारी का इंतजार है। कश्मीर घाटी में बर्फबारी से निपटने की तैयारी के साथ ही कश्मीर के स्की रिसार्ट गुलमर्ग में जम्मू और कश्मीर का पर्यटन विभाग दुनिया के विभिन्न हिस्सों से पर्यटकों का स्वागत करने के लिए भी अपने आपको तैयार कर रहा है। सभी जानते हैं कि गुलमर्ग न केवल देश का सबसे अच्छा पर्यटन स्थल है, बल्कि यह शीतकालीन खेलों का केंद्र भी बन गया है, जहां हर साल हजारों लोग शीतकालीन खेलों में भाग लेते हैं।

स्कीइंग, एल्पाइन स्कीइंग, स्नो रग्बी, आइस स्टाक स्पोर्ट, स्नो बेसबाल, पर्वतारोहण, स्नोशू रनिंग, फिगर स्केटिंग आदि सहित राष्ट्रीय शीतकालीन खेलों का भी आयोजन भी सरकार द्वारा इस हिल स्टेशन पर किया जा रहा है। इसके अलावा, क्रिसमस समारोह, नए साल और शीतकालीन कार्निवल जैसे कार्यक्रम भी आयोजित करने की तैयारी की जा रही है।

कश्मीर में ठंड परवान चढ़ी तो जमने लगी डल झील

जम्मू, 23 दिसंबर (ब्यूरो)।
कश्मीर में ठंड इस कदर परवान चढ़ चुकी है कि डल झील का पानी बर्फ में तब्दील होने लगा है। झील में सैर के लिए शिकारे बर्फ को तोड़ तोड़ कर आगे बढ़ने को मजबूर हैं।

इसके चलते झील में जगह जगह बिखरी बर्फ की सिलिया ऐसी लग रही है जैसे कांच के बड़े-बड़े टुकड़े पड़े हों। दिसंबर में पड़ रही कड़ाके की ठंड का यह माहौल दूर से आए सैलानियों को काफी पसंद आ रहा है।

कड़ाके की ठंड पड़ते ही डल झील के पानी का कुछ हिस्सा बर्फ में तब्दील होने लगा है। श्रीनगर में तापमान माइनस में जा पहुंचा है, जिससे डल झील में बर्फीली परतें बनने लगी हैं। कड़ाके की ठंड की वजह से डल झील के बिचले हिस्से में और किनारे में बर्फ की परतों का बनना शुरू हो गया है।

हालांकि, पूरी झील अभी तक नहीं जमी है। पर जैसे-जैसे तापमान में गिरावट आएगी डल झील पूरी तरह से जम जाएगी और झील से रोजी रोटी कमाने वाले लोगों के लिए परेशानियां बढ़ती जाएंगी।

जहां एक ओर पर्यटक झील पर जमी बर्फ का आनंद ले रहे हैं, वहीं बोट चालक इस ठंड के कारण अपनी आजीविका को लेकर भी चिंतित हैं। पर्यटकों के लिए डल झील का जमना एक नया और रोमांचक अनुभव बन गया है। कश्मीर में भयानक सर्दी का आलम यह है कि अन्य पानी के स्रोत्र तो जमने ही लगे हैं डल झील भी इससे अछूती नहीं है। यही कारण था कि जैसे जैसे सर्दी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है वैसे वैसे विश्व प्रसिद्ध डल झील की ऊपरी सतह भी जमती जा रही है। कश्मीर आने वाले पर्यटकों के लिए यह नजारा बेहद ही दिलकश है जिन्होंने पहली बार इस झील को जमते हुए देखा है।

भूल भुलैया रास्तों को पार कर पशुपति नाथ के दर पहुंची निया शर्मा

टीवी जगत की स्टाइलिश और खूबसूरत अभिनेत्री निया शर्मा इन दिनों भक्ति में डूबी नजर आ रही हैं। पशुपति नाथ का दर्शन करने काठमांडू (नेपाल) पहुंची अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर वीडियोज और तस्वीरें शेयर कर प्रशंसकों को भक्तिमय झलक दिखाई।

निया शर्मा की गिनती मनोरंजन जगत की उन हस्तियों में होती है, जो सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और प्रशंसकों को अपने काम के साथ ही पर्सनल जानकारी से भी अपडेट रखती हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर बताया कि वह काठमांडू के भूलभुलैया रास्तों को पार कर पशुपतिनाथ मंदिर पहुंची और भोलेनाथ का दर्शन किया। इंस्टाग्राम पर तस्वीरों और वीडियोज को शेयर कर निया शर्मा ने कैप्शन में लिखा, पशुपति नाथ मंदिर, यहां मैं 525 शिवलिंग को पार करते हुए भूलभुलैया से होकर पहुंची। जय भोलेनाथ। शेयर की गई तस्वीरों में निया शर्मा माथे पर तिलक, भस्म और गले में रूद्राक्ष की माला पहने नजर आईं। एक तस्वीर में वह मंदिर के प्रांगण में उपस्थित श्रद्धालुओं के साथ तस्वीरें क्लिक कराती और दूसरी तस्वीरों में वह नेपाल की सड़कों पर टहलती नजर आईं।

लोकप्रिय टेलीविजन स्टार निया शर्मा सोशल मीडिया पर खासा सक्रिय रहती हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट शेयर करती रहती हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में एक पोस्ट शेयर कर बताया था कि उनके हाथ के अंगूठे में बहुत दर्द है। इस दर्द से राहत के लिए उन्हें एक दिन में 5 दर्द निवारक दवाओं का सेवन करना पड़ रहा है। निया ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में अपने अंगूठे की एक तस्वीर दिखाई थी, जिसमें उनका हाथ सूजा हुआ और नीला दिख रहा था। अभिनेत्री के अन्य पोस्ट पर उनके प्रशंसकों ने उनके जल्द से जल्द ठीक हो जाने की प्रार्थना की थी।

कोरियोग्राफर मुदस्सर खान के घर गूंजी किलकारी

कोरियोग्राफर मुदस्सर खान के प्रशंसकों के लिए खुशखबरी है। मुदस्सर खान के घर नन्हीं परी आई है। उनकी पत्नी रिया किशनचंदानी ने बेटी को जन्म दिया। मुदस्सर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर प्रशंसकों को खुशखबरी सुनाई। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले कोरियोग्राफर मुदस्सर खान ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पिता बनने की खुशी जाहिर की।

मुदस्सर खान ने अपने, रिया के परिवार और दोस्तों को उनकी प्रार्थनाओं और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद दिया। खुशखबरी साझा करते हुए कोरियोग्राफर ने एक वीडियो पोस्ट कर लिखा, अल्हम्दुलिल्लाह। मैं अपने परिवार और दोस्तों को दुआ और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद देता हूं। डॉक्टर अंजुम की शानदार टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद। वहीं, शेयर किए गए वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, सर्वशक्तिमान के आशीर्वाद और परिवार और दोस्तों की प्रार्थनाओं के साथ हम मिसेज और मिस्टर खान यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी महसूस कर रहे हैं कि हमारे घर नन्हीं परी आई है।

मुदस्सर के पोस्ट शेयर करते ही इंडस्ट्री के उनके कई दोस्तों ने शुभकामनाएं दी। टीवी अभिनेत्री दृष्टि धामी ने लिखा, बधाई हो। आकांक्षा पुरी ने लिखा, वाह, यह बहुत बड़ी खुशखबरी है! बधाई हो, भगवान भला करें।आजमा फल्लाह ने लिखा, माशाअल्लाह मुबारक अल्लाह रहमान। आपकी नन्हीं परी के आगमन पर बहुत-बहुत बधाई। मुदस्सर ने रिया के साथ 3 दिसंबर 2023 में शादी की थी, जिसकी तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर कर लिखा था, अल्हम्दुलिल्लाह, दुनिया की सबसे खूबसूरत शख्सियत रिया संग शादी, एक दुआ है।'' मुदस्सर की शादी के रिसेप्शन में सलमान खान के साथ ही इंडस्ट्री के तमाम सितारों ने शिरकत की थी।मुदस्सर ने 'दबंग' के मशहूर गाने 'हमका पीनी है' को कोरियोग्राफ किया था। इसके साथ ही वह 'रेडी' और 'बॉडीगार्ड' जैसी फिल्मों में भी सलमान खान के साथ काम कर चुके हैं। मुदस्सर को 'रेडी' के 'ढिंक चिका', 'बोल बच्चन' के 'चलाओ ना नैनो से बाण रे' और 'बॉस' के 'पार्टी ऑल नाइट' जैसे मशहूर गानों को कोरियोग्राफ करने के लिए जाना जाता है। मुदस्सर ने हिट रियलिटी शो 'डांस इंडिया डांस सीजन 4' में मेंटर और जज के रूप में भी काम किया।

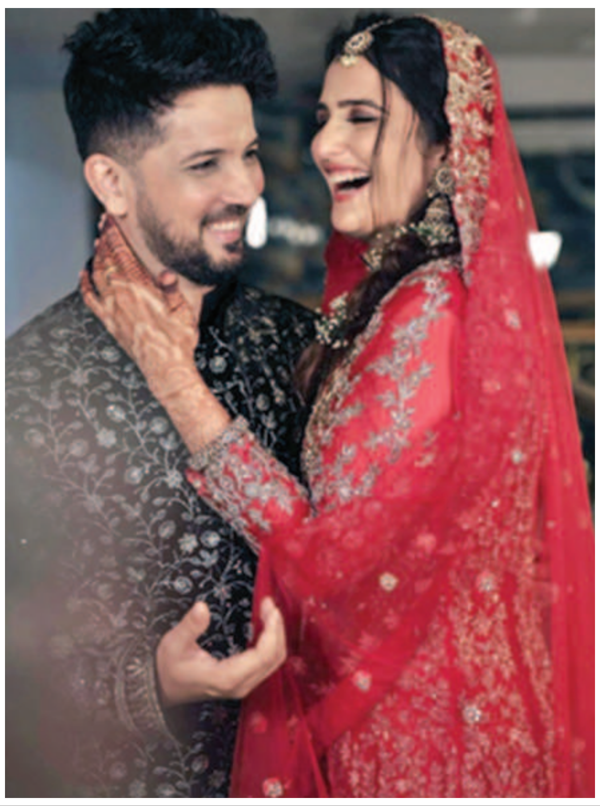

पुष्पा 2 और वनवास के बीच मुफासा ने मचाया गदर

दूसरे दिन फिल्म ने ताबड़तोड़ कूट डाले इतने करोड़!

मुफासा: द लॉयन किंग के सिनेमाघरों में पहुंचने का आज दूसरा दिन है। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही फिल्म सुर्खियों में थी। मुफासा की कहानी जानने के लिए फैंस काफी उत्साहित थे। अब आखिरकार यह फिल्म सिनेमाघरों में दिखाई जा रही है। इसे दर्शकों का काफी अच्छा रिस्पॉन्स भी मिल रहा है। इसी कड़ी में फिल्म ने ओपनिंग डे पर बॉक्स ऑफिस पर 10 करोड़ का बिजनेस किया। अब इसके दूसरे दिन के आंकड़े भी जारी हो गए हैं। आइए जानते हैं दूसरे दिन इसने कितनी कमाई की है।द लॉयन किंग की रिलीज के 5 साल बाद अब मुफासा: द लॉयन किंग दुनियाभर में रिलीज हो गई है। फैंस के बीच एक्साइटमेंट लेवल इसलिए भी ज्यादा देखने को मिल रहा है क्योंकि इसके हिंदी वर्जन को खुद किंग खान ने अपनी आवाज दी है। यही वजह है कि दर्शक इससे जुड़ाव महसूस कर रहे हैं। इसके अलावा बाकी दो किरदारों को उनके बेटों ने आवाज दी है।

कमाई की बात करें तो पहले दिन जहां 10 करोड़ का कारोबार किया, वहीं दूसरे दिन वीकेंड का फायदा उठाते हुए फिल्म ने 14 करोड़ रुपये की कमाई की है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक दूसरे दिन के कलेक्शन को मिलाकर इसने कुल 22 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। मुफासा में अबराम और आर्यन के अलावा श्रेयस तलपड़े और संजय मिश्रा ने अपनी आवाज दी है। फिल्म के तेलुगु वर्जन में महेश बाबू ने मुफासा के किरदार को आवाज दी है।आपको बता दें कि शानदार कमाई करने के बाद भी मुफासा अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 का रिकॉर्ड छूने से काफी पीछे है। फिल्म पुष्पा 2 के दूसरे दिन के कलेक्शन को पछाडऩे में नाकाम रही है। फिल्म ऐसे समय पर रिलीज हुई है जब पुष्पा 2 का जलवा बरकरार है, इसलिए इसे कम स्क्रीन और कम कलेक्शन मिल रहा है। पुष्पा 2 ने दूसरे दिन 196.4 करोड़ रुपये की कमाई की। मुफासा ने दूसरे दिन 13.72 करोड़ रुपये की कमाई की। आपको बता दें कि डिज्नी की यह एनिमेटेड फिल्म नाना पाटेकर की वनवास से क्लैश कर रही है। वनवास ने दूसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर 95 लाख का कारोबार किया और कुल फिल्म ने 1.55 करोड़ का कारोबार किया है।

थिएटर्स के बाद ओटीटी पर कब्जा करेगी श्रीमुरली फिल्म बघीरा

2024 को खत्म होने में बस कुछ दिन ही बचे हुए हैं। इस साल सिनेमाघरों में एक से बढ़कर एक फिल्में थिएटर में रिलीज हुईं। कुछ मूवीज ने बॉक्स ऑफिस पर आंधी लाई तो कुछ का आना और जाना पता ही नहीं चला। इस साल फिल्मों के लिहाज से साउथ की मूवीज का दबदबा देखने को मिला था जिसमें कन्नड़ की बघीरा भी शामिल है। इस फिल्म ने सिनेमाघरों में दर्शकों का भरपूर एंटरटेनमेंट किया। अगर आपने अभी तक ये फिल्म नहीं देखी है तो बता दें कि अब आप इसे घर बैठे देख सकते हैं।फिल्ममेकर प्रशांत नील ने बहुत कम समय में अपनी एक अलग पहचान बना ली है। यश के साथ केजीएफ फ्रैंचाइजी और प्रभास के साथ सालार जैसी ब्लॉकबस्टर डिलीवर कर चुके प्रशांत नील से फैन्स की उम्मीदें बढ़ा दी थी। बघीरा की कहानी से एक नए हीरो की कहानी सामने आई।इसी कहानी को घर घर लोगों तक पहुंचाने के लिए मेकर्स ने सरप्राइज देते हुए इसे 25 दिसंबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम करने का फैसला ले लिया है। जी हां, बघीरा क्रिसमस के मौके पर रिलीज की जा रही है।बघीरा की कहानी की बात करें तो ये वेदांत नाम के एक लड़के की है जो सुपरमैन जैसा बनने की चाहत रखता है। हालांकि आगे चलकर वो अपने पिता की तरह एक पुलिस अधिकारी बन जाता है। वह एक पुलिस ऑपरेशन के तहत गैंगस्टरों को पकड़ता है, लेकिन वो तब हैरान हो जाता है जब उसे पता चलता है कि बड़े अधिकारियों के भ्रष्टाचार के मामले के कारण उन अपराधियों को बेल दे दी जाती है।अंत में उसे पता चलता है कि उसके पिता भी एक भ्रष्ट अधिकारी है, जो उसकी दुनिया को पूरी तरह से हिला देता है। इन सब के बीच उसके जीवन में कुछ ऐसा होता है कि वह न्याय के लिए एक सुपरहीरो की पोशाक पहन लेता है और बघीरा बन जाता है।

मोनालिसा ने रेड मोनोकिनी में गिराई बिजली

भोजपुरी इंडस्ट्री में अपनी अदाओं से लोगों के दिलों पर खंजर चलाने वाली एक्ट्रेस मोनालिसा आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। भोजपुरी स्टार मोनालिसा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर रेड मोनोकिनी में बेहद हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें और

वीडियो शेयर की हैं, जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। मोनालिसा की ये तस्वीरें और वीडियो स्विमिंग पूल के किनारे ली गई हैं, जिसमें वह अपने फैंस को अपना हॉट लुक दिखा रही हैं। मोनालिसा ने रेड मोनोकिनी पहनकर पूल में पोज दिए, जो उनकी हॉटनेस और कातिलाना अंदाज को और भी बढ़ा रहे हैं। उनका कॉन्फिडेंट लुक और उनकी फिट बॉडी ने फैंस को मंत्रमुग्ध कर दिया है। मोनालिसा का मेकअप ग्लोइंग है और उनके बाल बंधे हुए हैं, जो उनके लुक को और भी स्टाइलिश बनाते हैं। इन तस्वीरों में मोनालिसा के चेहरे पर हल्की मुस्कान है, जो उनकी खूबसूरती और आत्मविश्वास को और भी उजागर करती है।मोनालिसा सोशल इन दिनों भले ही टीवी शोज में दिखाई नहीं दे रही हो, लेकिन आए दिन अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

मानसिक अवरोधों को तोड़ने में मदद करती है अलग-अलग तरह की भूमिका : भूमिका गुरुंग

टीवी अभिनेत्री भूमिका गुरुंग ने अलग-अलग तरह की भूमिका को निभाने को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि अलग-अलग तरह की भूमिका मानसिक अवरोधों को तोडऩे और एक कलाकार के रूप में अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।वर्तमान में बस इतना सा ख्वाब में शगुन की भूमिका निभा रही अभिनेत्री ने बताया कि शगुन की भूमिका उनके व्यक्तिगत विकास को भी दिखाती है।इस बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने साझा किया, मुझे एहसास हुआ कि मैं सिर्फ मुख्य भूमिकाओं तक सीमित नहीं रहना चाहती। अगर सही तरह से निभाया जाए तो एक किरदार कम से कम स्क्रीन टाइम में भी अलग दिख सकता है। यह मानसिक अवरोधों को तोडऩे और भूमिकाओं में विविधता को अपनाने के बारे में है।गुरुंग ने यह भी खुलासा किया कि शगुन का उनका किरदार पारंपरिक ढांचे से अलग है। शो में उनका किरदार आधुनिक, व्यावहारिक और अपनी पसंद को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है और भारतीय टेलीविजन पर अक्सर दिखाए जाने वाले त्याग करने वाली बहू से के किरदार बिल्कुल अलग है।भूमिका ने बताया, शगुन कोई कोमोलिका या खलनायिका नहीं है। उसकी अपनी भावनाएं हैं, वह गलतियां करती है और अपने फैसलों की जिम्मेदारी खुद लेती है। यही बात उसे दूसरों से अलग बनाती है।शो के बारे में बात करते हुए भूमिका ने कहा, हम सभी ने कभी न कभी किसी न किसी चीज का सपना देखा है। सपने हमें परिभाषित करते हैं। यही बात शो के टाइटल को प्रासंगिक बनाता है। यह छोटी-छोटी इच्छाओं और आकांक्षाओं के बारे में है, जो हर किसी के साथ जुड़ती है।भूमिका गुरुंग ने कहा, पिछले कुछ सालों में इंडस्ट्री काफी विकसित हुई है। नए ट्रेंड, कार्य संस्कृति और कहानी कहने की तकनीकों को अपनाना बहुत जरूरी है। इसी तरह आप एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ सकते हैं।

वार्षिक राशिफल 2025

5.सिंह राशि

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि वर्ष की शुरुआत आपके लिए अच्छी रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपको सफलता मिलेगी। आप अपने अनुभव का लोहा मनवाने में कामयाब रहेंगे। आपकी बुद्धिमानी और हाजिर जवाबी आपको सफलता प्रदान करेगी। इस वर्ष नौकरी करने वाले लोगों को विशेष लाभ हो सकता है। वर्ष के उत्तरार्ध में प्रमोशन के अच्छे योग बनेंगे। इस वर्ष की शुरुआत में आपको कुछ सावधानियां भी रखनी होंगी, नहीं तो सेहत से जुड़ी समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं। सेहत कमजोर रहेगी। विपरीत प्रकृति का भोजन करने से सेहत से जुड़ी समस्या बार-बार आपके सामने आएंगी। वर्ष की शुरुआत में किसी तरह की चोट या दुर्घटना की संभावना बन सकती है, इसलिए ड्राइविंग करते समय विशेष सावधानी बरतने की कोशिश करें। वर्ष की शुरुआत में देवगुरु बृहस्पति आपके दशम भाव से गोचर करेंगे जिसे व्यापार, नौकरी व कार्यक्षेत्र का भाव कहा जाता है इसलिए इस दौरान आपको एक नई नौकरी का ऑफर आ सकता है। मई से देवगुरु सिंह राशि के एकादश भाव से गोचर करेंगे। आपकी आमदनी, आपकी इनकम और आपकी सेविंग्स में जबरदस्त उछाल देखने को मिलेगा। मार्च से शनि सिंह राशि के अष्टम भाव से गोचर करेंगे। मार्च से पहले का समय आपके जीवन में शुभ रहेगा लेकिन मार्च से शनि का अष्टम भाव से गोचर आपके जीवन में कष्टकारी परिणाम लाएगा। इस वर्ष केतु के प्रथम भाव और सप्तम भाव से राहू का गोचर आपके लिए थोड़ी राहत ला सकता है। आपको विदेशी भूमि से लाभ दिलाएगा लेकिन आपके निजी रिश्तों के लिए यह समय अभी भी कुछ खास अच्छा नहीं रहेगा। यह अवधि आपकी सेहत के लिए भी अच्छी नही रहेगी। यह वर्ष आपके लिए कुछ खट्टा और कुछ मीठा रहेगा। छात्रों के लिए यह समय बहुत ही लाभदायक रहेगा। इस दौरान दी गई परीक्षाओं में आपको सफलता मिलेगी। यह साल मार्केटिंग, मीडिया फ़ील्ड से जुड़े लोगों के लिए बहुत ही भाग्यशाली रहेगा। आपकी लव लाइफ़ में प्यार के नए फूल खिलेंगे। जो लोग सिंगल है वो जल्दी ही शादी के बंधन में बंध सकते हैं। आपके लिए देवगुरु बृहस्पति का गोचर लाभकारी साबित होगा। आपके जीवन में खुशियों का आगमन होगा। आपको धन की कमी महसूस नहीं होगी। शेयर बाजार या लॉटरी, सट्टेबाजी में निवेश करने वालों को शुरुआती महीनों में जबरदस्त लाभ होगा। आपके साहस व पराक्रम में वृद्धि होगी। आपके वैवाहिक जीवन में अशांति और कलह-क्लेश बढ़ेगा। आपके बिजनेस में अचानक से गिरावट आएगी और आपको आर्थिक नुकसान देखने को मिलेगा। आपका चला-चलाया बिजनेस ठप्प हो सकता है। आपके कार्यों में रुकावट पैदा होने लगेगी। आपको हर कदम फूँक-फूँक कर रखना होगा ज़रा सी लापरवाही भी आपको बहुत भारी पड़ सकती है।

कैरियर – सिंह राशि वालों, व्यापार व्यवसाय के दृष्टिकोण से साल आपको मिले-जुले परिणाम दे सकता है। फिर भी जागरूक और चैतन्य रहने की आवश्यकता पूरे वर्ष बनी रहेगी। साल की शुरुआत से लेकर मार्च के महीने तक सप्तमेश शनि सप्तम भाव में ही रहेंगे। ऐसे में कठिनाई के बाद ही सही आप अपने व्यापार व्यवसाय में तुलनात्मक रूप से बेहतर कर सकेंगे। वहीं मार्च के बाद शनि ग्रह आठवें भाव में चले जाएंगे। आठवें भाव में शनि के गोचर को अच्छा नहीं माना जाता। लिहाजा व्यापार व्यवसाय या किसी भी तरह के निवेश के मामले में रिस्क लेना ठीक नहीं रहेगा। मई महीने के बाद से राहु का गोचर भी सप्तम भाव में प्रभाव डालने लग जाएगा। यहां से भी इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि व्यापारिक निर्णय में अब अपेक्षाकृत अधिक सूझबूझ की आवश्यकता रहेगी। अर्थात इस साल व्यापार व्यवसाय में कोई नया और खर्चीला प्रयोग करना उचित नहीं रहेगा। जो जैसा चल रहा है सावधानीपूर्वक उसी को मेंटेन करने की आवश्यकता रहेगी। किसी पर भी आंख मूंदकर विश्वास करना उचित नहीं रहेगा। मार्च के मध्य जाकर आपको अपने करियर में थोड़े बहुत उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। कार्यस्थल पर कुछ समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं लेकिन आप उन समस्याओं का अपनी कार्य कुशलता से समाधान करने में सक्षम रह सकते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि इस अवधि में किसी भी अनजान पक्ष के साथ साझेदारी करने से पहले, उसकी अच्छी तरह से जांच-पड़ताल कर लें अन्यथा आप किसी परेशानी में घिर सकते हैं। आपको हर कार्य में अधिक मेहनत करनी होगी तभी आपको सफलता हासिल होगी। आप अपने अस्थिर मन और शारीरिक रोगों के कारण कई अच्छे मौके छोड़ देंगे। व्यवसाय की दृष्टि से यह समय इतना अनुकूल नहीं है आपको निरंतर प्रयास करने पड़ेंगे तभी कुछ कामयाबी हासिल हो पाएगी। इस दौरान आपको अपने कार्यस्थल पर भी चौकस होकर काम करना होगा किसी शत्रु की नजर आप पर रहेगी इस समय की गई छोटी से छोटी गलती के भी बड़े परिणाम आपको भुगतने होंगे। आपकी लापरवाही के कारण आपको अपनी नौकरी से भी हाथ धोना पड़ सकता है इसलिए काम के प्रति सच्ची लगन बनाए रखें। इस समय आपको आर्थिक तंगी से भी गुजरना पड़ सकता है। आपकी आय के साधनों में कमी होगी। कमाई में बरकत नहीं होगी। इस अवधि में आपको मानसिक तनाव से भी गुजरना पड़ सकता है। साल के अंत में समय थोड़ा आपके फेवर में दिखाई दे रहा है। आपको अपनी मेहनत का परिणाम जरूर मिलेगा। इस दौरान एक बार फिर आप स्थायी नौकरी प्राप्त कर सकते हैं। स्वयं का कोई नया कार्य प्रारंभ करना चाहते हैं तो वह भी कर सकते हैं। इसमें साझेदारों की मदद से भी काम करने में कोई दिक्कत नहीं होगी। तो कुल मिलाकर वर्ष की शुरुआत आपके करियर के दृष्टिकोण से बहुत ही शानदार है लेकिन पूरे साल भर ऐसा नहीं होगा। साल का आधा भाग आपके लिए चुनौतियों से भरा रहेगा।

आर्थिक स्थिति – आर्थिक मामले में भी साल आपको मिले-जुले परिणाम दे सकता है। आमदनी के दृष्टिकोण से साल सामान्य तौर पर अच्छा रह सकता है। हालांकि साल की शुरुआत से लेकर मई महीने के मध्य तक बृहस्पति पंचम दृष्टि से धन भाव को देखेंगे, जो बचत करने में मददगार बनेंगे। साथ ही साथ बचत किए हुए पैसों को सुरक्षित रखने में मददगार बनेंगे। वहीं मई महीने के मध्य के बाद बृहस्पति लाभ भाव में पहुंचकर आपके आर्थिक पक्ष को और मजबूत करेंगे। आमदनी के स्रोत अपेक्षाकृत मजबूत होंगे लेकिन साल की शुरुआत से मई महीने तक राहु केतु के प्रभाव और मार्च के बाद से लेकर आगे के समय में शनि का दूसरे भाव में प्रभाव कुछ कठिनाइयां देने का संकेत कर रहा है। जहां एक तरफ बृहस्पति आपके आर्थिक पक्ष को मजबूत करना चाह रहा है वहीं दूसरी तरफ राहु केतु और शनि आर्थिक पक्ष को कमजोर करना चाह रहे हैं। तो इस तरह से आपको आपके कर्मों के अनुसार अर्थ लाभ होता रहेगा। मार्च से कर्मफल दाता शनि सिंह राशि के अष्टम भाव से गोचर करेंगे जो आपके आर्थिक जीवन में खलबली पैदा कर सकते हैं। आपको लेन-देन से जुड़े मामलों में सतर्क रहने की जरूरत है। धन कमाने के मामलों में बाधा उत्पन्न होगी। करियर में स्थिरता नहीं रहेगी। आपको अपने काम पर फोकस बनाए रखना होगा नहीं तो आपको तगड़ा नुकसान हो सकता है। आपको अपने गुप्त शत्रुओं से बचकर रहना होगा। धन से जुड़े मामलों में अपने पार्टनर पर अत्यधिक भरोसा न करें। आपको धोखा मिल सकता है। शेयर बाजार में पैसा निवेश करने से पहले बहुत अच्छे से सोच विचार कर लें क्योंकि ग्रहों की दशा बताती है की आपको धन हानि हो सकती है।

परिवार – पारिवारिक मामलों के लिए साल मिले-जुले परिणाम दे सकता है। साल की शुरुआत से लेकर मई महीने तक राहु केतु का प्रभाव दूसरे भाव पर है, जो पारिवारिक संबंधों में बीच-बीच में कुछ परेशानियां दे सकता है लेकिन इन सबके बीच अनुकूल बात यह है कि बृहस्पति का प्रभाव भी दूसरे भाव पर बना हुआ है, जो समस्याओं को दूर करने का काम करेगा। अर्थात घर परिवार के लोगों के बीच आपसी अनबन और गलतफहमियां देखने को मिल सकती हैं या अन्य कोई परेशानी भी देखने को मिल सकती है लेकिन वह समस्या जल्द ही ठीक भी हो जाया करेगी। इस अनुकूलता के पीछे बड़े बुजुर्गों की सूझबूझ का विशेष हाथ रहा करेगा। ऐसी स्थिति में आपको भी बड़े बुजुर्गों की सुननी चाहिए। मार्च महीने के बाद से शनि का प्रभाव दूसरे भाव पर रहेगा। यह भी थोड़ी सी कमजोर स्थिति कही जाएगी। अत: पारिवारिक संबंधों के मामले में इस वर्ष किसी भी प्रकार की लापरवाही उचित नहीं रहेगी। गृहस्थ जीवन की बात करें तो इस मामले में इस वर्ष किसी बड़ी परेशानी के योग नहीं हैं। चतुर्थ भाव के स्वामी मंगल पूरे वर्ष के अनुसार देखें तो एवरेज लेवल का सपोर्ट यानी कि कुछ समय अच्छे तो कुछ समय कमजोर परिणाम दे रहे हैं। तो वहीं अन्य ग्रहों से भी ऐसा ही समर्थन मिल रहा है क्योंकि ग्रह न तो विरोध कर रहे हैं और न ही सपोर्ट कर रहे हैं। ऐसे में हम कह सकते हैं कि गृहस्थ जीवन आपके कर्मों के अनुसार अपना परिणाम देता रहेगा। पारिवारिक सदस्यों के बीच सुखद वार्ता होगी। आपस में प्रेम की बढ़ोतरी होगी। संतान की प्रगति देखकर आप बहुत खुश होंगे। आपका आत्मबल अच्छा रहेगा। प्रेम संबंधी मामलों के लिए वर्ष की शुरुआत कमजोर रहेगी। आपसी टकराव होने के योग बनेंगे, क्योंकि ईगो क्लैश हो सकते हैं।

प्रेम – रोमांस – प्रेम में रोमांटिक भाव बना रहेगा। अविवाहित लोग मार्च के बाद अनुकूल समय प्राप्त करेंगे। आप प्रेम में विश्वासपात्र हैं। आप जिससे प्यार करते हैं खूब करते हैं। जीवन साथी से उपहार और सैर सपाटे के आनंद का क्या कहना। वैवाहिक जीवन इस वर्ष सुखी रहेगा। युवा प्यार में अनुशासन में रहें। किसी भी स्थिति में भावुकता में लिया गया निर्णय आपको परेशान कर देगा। प्रेम संबंध के लिए साल सामान्य तौर पर एवरेज या एवरेज से बेहतर परिणाम दे सकता है। आपके पंचम भाव का स्वामी बृहस्पति, साल की शुरुआत से लेकर मई महीने के मध्य भाग तक कर्म भाव पर रहेगा। ऐसे में अन्य लोगों को एवरेज लेकिन उन लोगों को अच्छे परिणाम मिल सकते हैं, जिनका प्रेम प्रसंग किसी सहकर्मी के साथ है। वहीं मई महीने के मध्य भाग के बाद बृहस्पति लाभ भाव में पहुंचकर प्रेम संबंधों में अच्छी खासी अनुकूलता देना चाहेंगे। यद्यपि मार्च के बाद से शनि की दशम दृष्टि प्रेम भाव पर रहेगी जो प्रेम का दिखावा करने वाले लोगों को बीच-बीच में तकलीफ दे सकती है लेकिन सच्चे प्रेमी प्रेमिकाओं को परेशानी नहीं होनी चाहिए क्योंकि मई महीने के मध्य भाग के बाद बृहस्पति का गोचर आपके पंचम तथा सप्तम दोनों भावों पर प्रभाव डालेगा। अत: आप अपनी लव लाइफ को इंजॉय कर सकेंगे। प्रेम विवाह करने की इच्छा रखने वाले लोगों के रास्ते आसान होंगे। नए-नए युवा हो रहे लोगों को मित्रों और लव पार्टनर की प्राप्ति भी संभावित है। नव विवाहित जोड़ों के बीच आपसी प्रेम बढ़ेगा और आप एक दूसरे के साथ-साथ अपने परिवार को भी तवज्जो दोगे। लेकिन मार्च के बाद आपको रिश्तों में कड़वाहट देखने को मिल सकती है। आपको एक दूसरे की भावनाओं का ध्यान देने की जरूरत है। आपको प्यार के मामलों में धैर्य रखना चाहिए। अगर आप चाहते हैं की आपके रिश्ते में सदैव गर्माहट बनी रहे तो थोड़ी सहनशीलता होना बहुत जरूरी है। आपको अपने पार्टनर को पूरा स्पेस देना चाहिए और उनके ऊपर अपना कोई फैसला थोपने की कोशिश न करें। यदि आप अपनी चलाने की कोशिश करोगे तो आपके रिश्तों में दूरियाँ आ सकती हैं।

शिक्षा – शिक्षा तथा प्रतियोगिता में सफलता की प्राप्ति होगी। अक्टूबर के बाद विदेश यात्रा हो सकती है। धन का आगमन होगा लेकिन फरवरी तक आप व्यय से परेशान रहेंगे। संतान की सफलता से मन हर्षित रहेगा। राजनीति तथा प्रशासन से सम्बद्ध जातक इस वर्ष खूब लाभ में रहेंगे। उच्चाधिकारियों का सहयोग और बड़े नेताओं का आशीर्वाद प्राप्त होगा। शिक्षा के दृष्टिकोण से साल सामान्य तौर पर अनुकूल परिणाम दे सकता है। यदि आपका स्वास्थ्य सामान्य तौर पर अच्छा बना रहा तो शिक्षा से संबंधित भाव और ग्रह इस साल आपको अच्छे परिणाम देकर आपके शिक्षा के स्तर को मजबूत कर सकेंगे। साल की शुरुआत से लेकर मई महीने के मध्य तक बृहस्पति सप्तम दृष्टि से चतुर्थ भाव को देखेंगे। जो शिक्षा विशेषकर उच्च शिक्षा के मामले में आपके लिए अच्छी मदद करना चाहेंगे। नवम दृष्टि से बृहस्पति छठे भाव को देखेंगे जो प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं में आपको अच्छे परिणाम देना चाहेंगे। व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी बृहस्पति की यह स्थिति अनुकूल कही जाएगी। वहीं मई महीने के मध्य के बाद लगभग सभी विद्यार्थियों को बृहस्पति का आशीर्वाद पर्याप्त मात्रा में मिलेगा और आप अपने शिक्षा के मामले में बहुत अच्छा कर सकेंगे। बुध का गोचर भी ज्यादातर समय आपके लिए अनुकूल परिणाम देकर आपके शिक्षा के स्तर को सुधरेगा। ऐसे में व्यावसायिक शिक्षा लेने वाले विद्यार्थियों, कानून की शिक्षा लेने वाले विद्यार्थियों के साथ साथ अन्य विद्यार्थियों के लिए भी इस वर्ष अच्छे परिणाम मिल सकेंगे। अर्थात साल का अधिकांश भाग आपके शिक्षा के लिए अनुकूल परिणाम देता हुआ प्रतीत हो रहा है। छात्रों के लिए यह समय बहुत ही लाभदायक रहेगा। इस दौरान दी गई परीक्षाओं में आपको सफलता मिलेगी। यह साल मार्केटिंग, मीडिया फ़ील्ड से जुड़े लोगों के लिए बहुत ही भाग्यशाली रहेगा। मई से देवगुरु सिंह राशि के एकादश भाव से गोचर करेंगे। इसका मतलब आपकी आर्थिक स्थिति बहुत ही शानदार रहेगी।

स्वास्थ्य – स्वास्थ्य सुख उत्तम रहेगा। ब्लड प्रेशर और उदर विकार से परेशानी रहेगी। यह वर्ष आपकी सेहत के लिए मिश्रित परिणाम लेकर आएगा। वर्ष के शुरुआती महीने आपकी सेहत के लिहाज से अति शुभ रहेंगे। पिछले साल की जो परेशानियां आपको परेशान कर रही थीं उनसे आपको छुटकारा मिलेगा। आपको मानसिक सुख-शांति का अनुभव होगा और आपके मन में अच्छे और पवित्र विचारों का समावेश होगा। आप खुद को एकदम स्वस्थ महसूस करोगे। आपके अंदर गजब का आत्मविश्वास बनेगा और हर काम को आप पूरी शिद्दत से करोगे। धन के मामलों में कोई कमी नहीं होगी जिसके चलते आपके पारिवारिक रिश्तों में सुधार होगा। आपके परिवार में किसी मांगलिक कार्य के होने की संभावना है। आपके अपने परिवार के सदस्यों के साथ रिश्तों में बढ़ोतरी होगी। आप अपनी सेहत को सजग बनाने के प्रयास जारी रखोगे। आप खुद को मानसिक और शारीरिक रुप से फिट रखने के नए से नए तरीके आजमाओगे। इस समय आपको उत्तम सेहत की प्राप्ति होगी। आप अपनी सेहत को लेकर संतुष्ट रहोगे। लेकिन मार्च के बाद आपकी सेहत में कुछ छोटी-मोटी परेशनियां आ सकती हैं। आपका स्वास्थ्य नरम-गरम रह सकता है। सिंह राशि के बुजुर्गों को हड्डियों से जुड़ी समस्या, स्किन एलर्जी या अस्थमा की शिकायत परेशान कर सकती है। जिन लोगों को शुगर या बीपी की दिक्कत हैं उन्हें अपना विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। मार्च के बाद से शनि का प्रभाव प्रथम भाव से दूर हो जाएगा लेकिन शनि आपके आठवें भाव में चले जाएंगे। आठवें भाव में शनि के गोचर को अच्छा नहीं माना जाता। स्वास्थ्य पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव माना गया है। अतः शनि के गोचर के चलते इस वर्ष स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बने रहना जरूरी रहेगा। वहीं मई महीने के बाद राहु केतु का प्रभाव भी आपके पहले भाव पर रहेगा। ये स्थितियां स्वास्थ्य के लिए अच्छी नहीं कही जाएंगी। विशेषकर पेट की समस्याएं, सिर दर्द, दिमागी भ्रम जैसी समस्याएं अधिक देखने को मिल सकती हैं। आपका खान-पान भी असंयमित रह सकता है। जिसके कारण गैस, बदहज़मी आदि की शिकायतें भी देखने को मिल सकती हैं इसलिए इन सभी मामलों में आपको जागरूक रहना जरूरी रहेगा।

ज्योतिष उपाय – प्रतिदिन चावल, रोली या गुड़ और लाल फूल डालकर सूर्य देवता को जल अर्पित करें। लड्डू गोपाल की पूजा-पाठ करें। माता-पिता की सेवा और उनका सम्मान करें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

बुध पर्वत पर बनने वाली रेखा से पता चलता है संतान सुख

हस्तरेखा विज्ञान में हथेली की रेखाओं के आधार पर बड़ी ही दिलचस्प जानकारियां दी गई हैं। इन जानकारियों से व्यक्ति के स्वभाव और उसके भविष्य के बारे में काफी कुछ मालूम किया जा सकता है। आज हम हथेली की उन रेखाओं के बारे में बात करने वाले हैं जिनसे व्यक्ति की होने वाली कुल संतानों की संख्या जानी जा सकती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि हस्तरेखा विज्ञान की मानें तो व्यक्ति की हथेली पर कुछ ऐसी रेखाएं होती हैं जिनसे उसकी होने वाली संतानों के बारे में पता लगाया जा सकता है। बता दें कि छोटी अंगुली के निचले हिस्से के स्थान को बुध पर्वत कहा जाता है और ज्योतिष में बुध पर्वत पर बनने वाली रेखाओं के आधार पर व्यक्ति के संतान सुख के बारे में पता चलता है।

हस्तरेखा के मुताबिक आपकी की हथेली के बुध पर पर्वत पर जितनी खड़ी रेखाएं होंगी, आपकी उतनी ही संतान संख्या होगी। मालूम हो कि हस्तरेखा विज्ञान में हाथ के अंगूठे के निचले हिस्से को शुक्र पर्वत कहा जाता है। और शुक्र पर्वत पर बनने वाली छोटी-छोटी रेखाओं के आधार पर संतान संख्या निर्धारित होती है। जानना दिलचस्प है कि बुध और शुक्र पर्वत की इन छोटी-छोटी रेखाओं को हस्तरेखा ज्ञान में संतान रेखा के नाम से जाना जाता है। हस्तरेखा विज्ञान का सबसे अच्छा उपयोग जीवन में बीमारियों और अप्रत्याशित घटनाओं की भविष्यवाणी करने के लिए पहले इस्तेमाल किया जाता था। केवल एक विद्वान हस्तरेखाविद् ही प्रत्येक को सटीक रूप से भेद करने में सक्षम होगा।

हस्तरेखा विज्ञान में आपको हाथ की रेखाओं के जरिए अपने भविष्य की बहुत सी जानकारी प्राप्त हो जाती है। जैसे विवाह, करियर, आयु, संतान आदि। हर नवविवाहित दंपति की तमन्ना होती है कि उनको जल्द ही संतान की प्राप्ति हो। किसी भी ज्योतिषी से नवविवाहितों का पूछा जाने वाला पहला प्रश्न संतान के बारे में ही होता है। आपके इन सभी सवालों के जवाब जन्म कुंडली के अतिरिक्त हस्तरेखाओं में भी मिलेगा। आइए जानते हैं कहाँ होती है हथेली पर संतान रेखा और कैसे संकेत देती हैं ये रेखाएं।

हथेली में कहां होती है संतान रेखा

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार हथेली में कनिष्ठिका अंगुली के मूल में बुध पर्वत पर ऊपर की ओर स्थित रेखा को संतान रेखा कहा जाता है। यह रेखा स्पष्ट होनी चाहिए। आपके हाथ में जिनती संतान रेखा होंगी, भविष्य में आपके उतने ही बच्चे होंगे। संतान का विचार शुक्र पर्वत पर स्थित रेखाओं से भी किया जाता है। हथेली के बाहर की ओर से भीतर आने वाली हॉरिजेंटल लाइन विवाह रेखा कहलाती है।

संतान रेखा क्या संकेत देती हैं

समुद्र शास्त्र के अनुसार रेखाएं जितनी सीधी और गहरी होती हैं, वे पुत्र संतान का प्रतीक होती है वहीं रेखाएं जितनी हल्की या बारीक होती हैं वो कन्या संतान की संख्या दिखती हैं। हस्तरेखा विशेषज्ञ की मानें तो संतान रेखाएं साफ, स्पष्ट, बिना कटी-फटी होनी चाहिए। ऐसी रेखाएं उत्तम संतान का प्रतिनिधित्व करती हैं। समुद्राशास्त्र कहता है यदि हथेली में स्थित संतबन रेखा पर द्वीप चिह्न होता है, वां संतान के खराब स्वास्थ्य को दर्शाती हैं। यदि आपकी हथेली में संतान रेखा पर तिल है तो ऐसा होने से संतान प्राप्ति में समस्या उत्पन्न होती है। यदि आपकी हथेली में संतान रेखाएं कटी फटी है तो संतान सुख प्राप्त नहीं होता।

समुद्रशास्त्र के अनुसार हथेली में जो संतान रेखाएं स्थित हो वो नीचे से ऊपर जाता है और यदि यह अंत में जाकर 2 भागों में विभक्त हो जाती हैं तो संतान को भारी संकट का सामना करना पड़ सकता है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार यदि संतान रेखा पर लाल तिल है तो जातक की संतान अल्पायु हो सकती है। जिन लोगों का बुध पर्वत उभरा हुआ होता है उनकी चार संतानें होती है। वहीं जिन लोगों का शुक्र पर्वत उभरा हुआ होता है उन्हें एक संतान प्राप्त होती है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

कल सफला एकादशी और 28 को प्रदोष व्रत किया जाएगा

सनातन धर्म में सभी माह को अधिक महत्व-पूर्ण माना जाता है। अभी पौष का महीना चल रहा है। धार्मिक मान्यता है कि पौष माह में सूर्य देव और पितरों की पूजा-अर्चना करने से जातक को जीवन में सभी तरह के सुखों की प्राप्ति होती है। पंचांग के अनुसार, इस बार पौष माह की शुरुआत 16 से दिसंबर से हुई है। वहीं, इसका समापन अगले वर्ष यानी 13 जनवरी को होगा। इस माह में कई महत्वपूर्ण व्रत और पर्व मनाए जाते हैं। पंचांग के अनुसार, 23 दिसंबर से लेकर 29 दिसंबर तक मंडला पूजा और सफला एकादशी समेत कई त्योहार मनाए जाएंगे। धार्मिक मान्यता है कि सफला एकादशी व्रत करने से सभी संकट दूर होते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं इस सप्ताह में पड़ने वाले व्रत और त्योहारों के बारे में।

मंडला पूजा शुभ मुहूर्त

हर साल सबरीमाला मंदिर में मंडला पूजा की जाती है। इस वर्ष मंडला पूजा 26 दिसंबर को है।

ब्रह्म मुहूर्त -सुबह 04 बजकर 54 मिनट से 05 बजकर 48 मिनट तक

विजय मुहूर्त- दोपहर 01 बजकर 44 मिनट से दोपहर 2 बजकर 27 मिनट तक

अभिजीत मुहूर्त - सुबह 11 बजकर 38 मिनट से दोपहर 12 बजकर 20 मिनट तक

अमृत काल- सुबह 08 बजकर 20 मिनट से 10 बजकर 7 मिनट तक

सफला एकादशी शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, पौष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 25 दिसंबर को रात 10 बजकर 29 मिनट पर होगी। वहीं, एकादशी तिथि का समापन 27 दिसंबर को रात 12 बजकर 43 मिनट पर होगा। ऐसे में 26 दिसंबर को सफला एकादशी मनाई जाएगी।

प्रदोष व्रत शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, पौष माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 28 दिसंबर को देर रात 02 बजकर 26 मिनट पर होगी और तिथि का समापन 29 दिसंबर को देर रात 03 बजकर 32 मिनट पर होगा। ऐसे में 28 दिसंबर को वर्ष का अंतिम प्रदोष व्रत किया जाएगा। इस दिन शनि त्रयोदशी भी मनाई जाएगी। शनि त्रयोदशी के दिन शनि देव की पूजा का विधान है।

संपादकीय

क्या ऐसी ही संसद चाहिए?

हंगामों नारेबाजी और विप्लव की स्थितियों में ही, अंततः, लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 'अनिश्चितकाल' के लिए स्थगित कर दी गई है। संसद के शीतकालीन सत्र की 20 बैठकों में लोकसभा में करीब 57 फीसदी और राज्यसभा में करीब 43 फीसदी काम हो पाया है। वह भी शोर-शराबे के बीच निपटाना पड़ा है। कुछ प्रस्ताव, रपटें और विधायी कार्य ऐसे होते हैं, जो विप्लव के हंगामों के दौरान ही सदन में पेश करने अनिवार्य होते हैं। 'एक देश, एक चुनाव' पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन का प्रस्ताव ध्वनि-मत से पारित हो सका, क्योंकि उसमें सत्ता और विपक्ष के सांसद होते हैं। अलबत्ता दोनों सदनों में अडाणी, सोरोस और गृहमंत्री अमित शाह के बयान के बाद बाबा अंबेडकर के ही नारे गूंजते रहे। दोनों तरफ टकराव और समानांतर आक्रामकता का माहौल बना रहा। हम संसदीय कार्यवाही को अब एक 'तमाशा' मानते हैं, क्योंकि कुछ भी सकारात्मक नहीं होता। संसद में सत्ता और विपक्ष दोनों ही अनिवार्य और पूरक पक्ष हैं। बेशक संसद चलाने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की है, क्योंकि वह ही विधेयक और अन्य प्रस्ताव तैयार करता है। कैबिनेट को जनादेश हासिल है, लिहाजा वह ही बुनियादी और शुरुआती तौर पर बिलों और प्रस्तावों को स्वीकृति देती है। विपक्ष की भूमिका 'दुश्मन' और 'नफरती पक्ष' की ही नहीं होनी चाहिए, क्योंकि संविधान में उसे 'प्रतिपक्ष' माना गया है। संसद जिद अथवा दुश्मनी-भाव से नहीं चल सकती, क्योंकि जो भी बिल और प्रस्ताव संसद में पारित किए जाते हैं, वे पूरकता में ही होने चाहिए। दोनों पक्षों की सहमति और असहमति स्पष्ट होनी चाहिए। अंततः मतविभाजन अथवा ध्वनि-मत से बिल और प्रस्ताव पारित किए जाएं, लेकिन मोदी सरकार के 11वें साल तक राजनीति और संसदीय कार्यवाही 'दुश्मनी-भाव' की ही रही है। हालांकि पहले 10 साल में विपक्ष बेहद कमजोर रहा, लेकिन 18वीं लोकसभा में कांग्रेस और विपक्ष के आंकड़े कुछ ताकतवर हैं, नतीजतन संसद सही अर्थों में 'अखाड़ा' या 'सब्जी मंडी' बनकर रह गई है। यदि लोकसभा की कार्यवाही एक दिन न चले, तो 9 करोड़ रुपए और राज्यसभा की कार्यवाही लगातार स्थगित होती रहे, तो एक दिन में 5.5 करोड़ रुपए का नुकसान हो जाता है। क्या यह पैसा खैरात का है अथवा जॉर्ज सोरोस ही यह फंडिंग करता है? हमें बार-बार सोचने और क्षुब्ध होने को बाध्य होना पड़ रहा है कि क्या संसद के मायने हंगामे, नारेबाजी और विप्लवी स्थितियां ही हैं? क्या देश के गणतंत्र और संवैधानिक कार्यों के लिए ऐसी ही संसद की जरूरत है? नफरत और दुश्मनी की सियासत के लिए क्या संसद चाहिए अथवा उसकी कोई सार्थक भूमिका और जरूरत नहीं है? आम जनता में यहां तक टिप्पणियां की जाने लगी हैं कि हमें संसद की जरूरत ही क्या है, जब संसद में कार्यवाही तो बाधित ही रहती है?

> संसद के शीतकालीन सत्र की 20 बैठकों में लोकसभा में करीब 57 फीसदी और राज्यसभा में करीब 43 फीसदी काम हो पाया है। वह भी शोर-शराबे के बीच निपटाना पड़ा है। कुछ प्रस्ताव, रपटें और विधायी कार्य ऐसे होते हैं, जो विप्लव के हंगामों के दौरान ही सदन में पेश करने अनिवार्य होते हैं। 'एक देश, एक चुनाव' पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन का प्रस्ताव ध्वनि-मत से पारित हो सका, क्योंकि उसमें सत्ता और विपक्ष के सांसद होते हैं। अलबत्ता दोनों सदनों में अडाणी, सोरोस और गृहमंत्री अमित शाह के बयान के बाद बाबा अंबेडकर के ही नारे गूंजते रहे। दोनों तरफ टकराव और समानांतर आक्रामकता का माहौल बना रहा। हम संसदीय कार्यवाही को अब एक 'तमाशा' मानते हैं, क्योंकि कुछ भी सकारात्मक नहीं होता। संसद में सत्ता और विपक्ष दोनों ही अनिवार्य और पूरक पक्ष हैं। बेशक संसद चलाने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की है, क्योंकि वह ही विधेयक और अन्य प्रस्ताव तैयार करता है। कैबिनेट को जनादेश हासिल है, लिहाजा वह ही बुनियादी और शुरुआती तौर पर बिलों और प्रस्तावों को स्वीकृति देती है। विपक्ष की भूमिका 'दुश्मन' और 'नफरती पक्ष' की ही नहीं होनी चाहिए, क्योंकि संविधान में उसे 'प्रतिपक्ष' माना गया है।

गिग अर्थव्यवस्था के तहत गिग वर्कर प्रोजेक्ट दर प्रोजेक्ट आधार पर काम करते हैं और अपनी सेवाएं देते हैं

गिग अर्थव्यवस्था की चुनौतियां

डा. जयंतीलाल भंडारी

> भारत की गिग अर्थव्यवस्था पर श्वेतपत्र प्रकाशित किया गया है। इसमें जहां भारत में तेजी से बढ़ती हुई गिग अर्थव्यवस्था में तेजी से बढ़ती हुई नौकरियों और चुनौतियों का उल्लेख किया गया है, वहीं कहा गया है कि भारत में गिग अर्थव्यवस्था इस वर्ष 2024 तक 17 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढक़र 455 अरब डॉलर के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है। श्वेत पत्र के अनुसार भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में गिग अर्थव्यवस्था का योगदान वर्ष 2030 तक 1.25 प्रतिशत के स्तर पर होगा। गौरतलब है कि देश में सरकारी क्षेत्र की नौकरियों में कमी आ रही है, लेकिन गिग अर्थव्यवस्था में रोजगार के मौके छलांगे लगाकर बढ़ रहे हैं। गिग अर्थव्यवस्था का मतलब है अनुबंध आधारित या अस्थायी रोजगार (गिग वर्क) वाली अर्थव्यवस्था।

हाल ही में प्रकाशित फोरम फॉर प्रोग्रेसिव गिग वर्कर्स के द्वारा आयोजित एक वेबिनार में भारत की गिग अर्थव्यवस्था पर श्वेतपत्र प्रकाशित किया गया है। इसमें जहां भारत में तेजी से बढ़ती हुई गिग अर्थव्यवस्था में तेजी से बढ़ती हुई नौकरियों और चुनौतियों का उल्लेख किया गया है, वहीं कहा गया है कि भारत में गिग अर्थव्यवस्था इस वर्ष 2024 तक 17 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढक़र 455 अरब डॉलर के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है। श्वेत पत्र के अनुसार भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में गिग अर्थव्यवस्था का योगदान वर्ष 2030 तक 1.25 प्रतिशत के स्तर पर होगा। गौरतलब है कि देश में सरकारी क्षेत्र की नौकरियों में कमी आ रही है, लेकिन गिग अर्थव्यवस्था में रोजगार के मौके छलांगे लगाकर बढ़ रहे हैं। गिग अर्थव्यवस्था का मतलब है अनुबंध आधारित या अस्थायी रोजगार (गिग वर्क) वाली अर्थव्यवस्था। गिग अर्थव्यवस्था के तहत गिग वर्कर प्रोजेक्ट दर प्रोजेक्ट आधार पर काम करते हैं और अपनी सेवाएं देते हैं। व्यापक तौर पर कोविड-19 के बाद डिजिटलीकरण के प्रसार ने गिग अर्थव्यवस्था को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। जहां शहरी क्षेत्रों में गिग वर्कर को अभी तक कंस्ट्रक्शन, मैन्यूफैक्चरिंग, डिलिवरीज जैसे श्रम आधारित और कम योग्यता आधारित कार्यों से जोडक़र देखा जाता रहा है, वहीं अब गिग वर्किंग के मौके व्हाइट कॉलर जॉब यानी ऐसे कामों में भी बढ़ रहे हैं, जहां उच्च स्तर के कौशल और शिक्षा की जरूरत होती है। उच्च स्तर के कौशल और शैक्षणिक योग्यता के साथ काम के ऐसे मौके ई-कॉमर्स, फिनटेक, हेल्थटेक, लॉजिस्टिक्स, आतिथ्य, बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहे हैं। खास बात यह है कि गिग अर्थव्यवस्था के तहत अब महिलाएं भी पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ावा मिल रहा है। महिलाओं की भागीदारी गिग अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में दिख रही है। चाहे मार्केटिंग हो या फाइनेंस, महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं। इसके साथ ही महिलाएं इस समय फ्रीलांसिंग में भी सबसे ज्यादा दिलचस्पी दिखा रही हैं। उल्लेखनीय है कि गिग अर्थव्यवस्था में रोजगार के मौके बढऩे के संबंध में नीति आयोग के आंकड़े भी महत्वपूर्ण हैं। नीति आयोग के मुताबिक देश में इस समय 77

लाख गिग कर्मी हैं। ऐसे कर्मियों की संख्या तेजी से बढऩे की उम्मीद जताई जा रही है। इसका कारण यह है कि गिग कर्मियों की व्यवस्था फिलहाल केवल शहरी क्षेत्र में ही है और मुख्य रूप से ये सेवा क्षेत्र में सक्रिय हैं। मगर अब इनका दायरा बढ़ेगा तो गिग कर्मियों की संख्या में भी बढ़ोतरी होगी। नीति आयोग के आकलन के अनुसार भारत में गिग वर्कर्स की संख्या 2030 तक बढक़र 2.3 करोड़ के लगभग हो जाएगी। देश में टियर-2 और टियर-3 शहरों में गिग अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। खासतौर से मुंबई, दिल्ली, पुणे, बेंगलूरु, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, इंदौर और चेन्नई सहित देश के छोटे-बड़े शहरों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष गिग नौकरियां निर्मित होते हुए दिखाई दे रही हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इन दिनों देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और रोजगार से संबंधित विषयों पर प्रकाशित हो रही विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि देश में गिग अर्थव्यवस्था के कारण विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर में तेजी से कमी आ रही है और रोजगार के नए मौके बढ़ रहे हैं। चूंकि गिग कर्मचारी अक्सर संगठित और असंगठित श्रम के बीच ग्रे जोन में आते हैं, जिससे लाभ और संसाधन प्रभावित होते हैं, इसलिए बड़ी प्लेटफॉर्म कंपनियां तेजी से गिग श्रमिकों के लिए बेहतर कामकाजी परिस्थितियों को प्राथमिकता दे रही हैं। इसके तहत मानसून के दौरान टिकाऊ रेनकोट प्रदान करने से लेकर आराम करने के क्षेत्र की स्थापना और गर्मी के मौसम के दौरान पानी की सुविधा शामिल हैं। खास तौर से अमेजन, फ्लिपकार्ट, जोमैटो और स्विगी जैसी कंपनियां अपने कर्मचारियों के कल्याण के परिप्रेक्ष्य में सक्रिय रूप से व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए दिखाई दे रही हैं। फिर भी अभी देश में गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा पर पूर्ण रूप से ध्यान दिया जाना होगा। खास तौर से हमें गिग वर्कर्स के लिए भविष्य निधि और पेंशन और बीमा संबंधी कवरेज और लाभों के बारे में सोचना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में नीति आयोग ने 'इंडियाज बूमिंग गिग एंड प्लेटफॉर्म इकोनॉमी' शीर्षक से जो रिपोर्ट लॉन्च की है, उसके तहत अन्य बातों के साथ ही गिग वर्कर्स और उनके परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा उपायों का विस्तार करने की सिफारिश की गई, जिसमें बीमा और पेंशन जैसी योजनाएं शामिल हैं। यद्यपि देश में गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020 अधिनियमित हो चुकी है, लेकिन अभी तक प्रभावी नहीं है। यह संहिता सरकार को जीवन और विकलांगता कवर, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य और मातृत्व लाभ, वृद्धावस्था सुरक्षा और क्रेच लाभ प्रदान करने के लिए गिग श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएं तैयार करने में सक्षम बनाती है। अब देश में गिग वर्कर्स के लिए ऐसी योजनाएं और नीतियां बीमा कंपनियों के साथ साझेदारी में आगे बढ़ाना होगी, जिसमें एक फर्म या सरकार के सहयोग द्वारा विशिष्ट रूप से ऐसी डिजाइन हो, जैसी कि सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020 के तहत परिकल्पित है। दुनिया के कई देशों में गिग वर्कर्स को 'वर्कर्स' के रूप में वर्गीकृत करके जो मॉडल स्थापित किया गया है, उस पर ध्यान दिया जाना होगा। यह वर्गीकरण गिग वर्करों के लिए न्यूनतम वेतन, सवेतन अवकाश, सेवानिवृत्ति लाभ योजना और स्वास्थ्य बीमा सुरक्षित करता है। गिग वर्करों को राजकोषीय प्रोत्साहन जैसे टैक्स-ब्रेक या स्टार्टअप अनुदान प्रदान किए जा सकते हैं। गिग-प्लेटफॉर्म क्षेत्र की क्षमता का दोहन करने के लिए विशेष रूप से प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए डिजाइन किए गए उत्पादों के माध्यम से क्षेत्रीय और ग्रामीण व्यंजन, स्ट्रीट फूड, स्व-रोजगार व्यक्तियों को कस्बों और शहरों के व्यापक बाजारों में अपनी उपज बेचने के लिए प्लेटफार्म्स से जोड़ा जा सकता है। देश में गिग वर्कर्स को केवल कुछ ही फर्म ऑन-वर्क दुर्घटना बीमा प्रदान करती हैं। इसे सभी नियोक्ताओं द्वारा प्रदान किया जा सकता है। कामगारों को संकटपूर्ण समय या सेवानिवृत्ति के लिए बचत करने में मदद करना भी कंपनियों द्वारा गंभीरता से लिया जाना होगा।

दृष्टि कोण

समृद्ध किसान, समृद्ध भारत

एमएस स्वामीनाथन ने कहा था: 'अगर कृषि गलत हो गई, तो किसी और चीज को सही होने का मौका नहीं मिलेगा।' किसान देश की पूंजी हैं। देश के घरेलू उत्पाद की वृद्धि में कृषि महत्वपूर्ण रोल अदा करती है। यदि किसान धनी हैं तो समूचा देश धनी है। भारत की अर्थव्यवस्था कृषि उत्पादन पर निर्भर करती है। इसलिए कृषि की भारतीय अर्थव्यवस्था में बहुआयामी भूमिका है। प्राथमिक क्षेत्र, जिसमें कृषि आती है, द्वितीय एवं तृतीय क्षेत्र के लिए नींव है। कृषि ही सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ाती है। भारत कृषि प्रधान देश है। यहां किसानों को अन्नदाता और धरती पुत्र कहा जाता है। किसान मौसम की परवाह किए बिना तपती धूप, बारिश और कडक़ड़ाती ठंड में भी दिन-रात खेतों में काम करके इस देश की अर्थव्यवस्था के विकास और प्रगति में अपना अद्वितीय योगदान देते हैं। उनको अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी भी कहते हैं। हमारे देश में 60-70 प्रतिशत लोग कृषि पर निर्भर हैं। सकल घरेलू उत्पादन में कृषि का 20.2 प्रतिशत योगदान है। देश के कार्यबल में 47 प्रतिशित कृषि और किसानों का योगदान है। किसानों और कृषि की अहमियत समझते हुए किसानों के हित के लिए पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने बहुत काम किए। उन्हीं के समय किसान सशक्त हुए हैं। उन्होंने ऋण मोचन विधेयक व भूमि जोत अधिनियम तथा अन्य किसान हित के बहुत से कार्य करवा कर किसानों को राहत प्रदान की। इसलिए प्रतिवर्ष 23 दिसंबर के दिन भारतवर्ष में राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया जाता है। इस दिन को किसानों के हिमायती और उनको सशक्त बनाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। हर वर्ष नए थीम को घोषित कर उस पर काम किया जाता है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान को देखते हुए ही अन्नदाताओं को सम्मान देने के लिए 2001 से प्रतिवर्ष देश भर में 23 दिसंबर को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन किसानों तथा कृषि से संबंधित विषयों पर विभिन्न कार्यक्रमों, वाद-विवाद, सेमिनारों, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं, चर्चाओं, कार्यशालाओं, प्रदर्शनियों, निबंध लेखन प्रतियोगिताओं और समारोहों का आयोजन किया जाता है। सरकार कृषि और किसानों के लिए बहुत सी स्कीमों को ला रही है, परंतु फिर भी किसानों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है। किसानों को उनके उत्पादन का बहुत कम हिस्सा प्राप्त होता है। भारतीय रिजर्व बैंक के एक अध्ययन के अनुसार किसान भारत में फलों और सब्जियों में एक-तिहाई विक्रय मूल्य प्राप्त करते हैं। थोक और परचून विक्रेता दो-तिहाई हिस्सा ले जाते हैं। किसानों का हिस्सा टमाटर, प्याज और आलू पर 33, 36 और 37 प्रतिशत क्रमशः रह जाता है। बहुत बार तो किसान लागत के बराबर मूल्य न मिलने पर अपनी फसलों को सडक़ों पर फैंक देते हैं। यह सब कुशल आपूर्ति श्रृंखला एवं विपणन प्रणाली के न होने, फसलों की नाशवान प्रवृत्ति, भंडारण सुविधाओं की कमी तथा बहुत संख्या में बिचौलियों के होने के कारण है। इसलिए भारत में किसान बार-बार धरना-प्रदर्शन तथा आत्महत्याएं कर रहे हैं। भारत में 2014 से 2022 तक 100473 किसानों ने आत्महत्या की है। 4 दिसंबर 2023 को राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार साल 2022 में 11290 किसानों ने आत्महत्या की थी जो 2021 से 3.7 प्रतिशत ज्यादा हैं। 2021 वर्ष में 10281 आत्महत्या के केस थे। 2022 के आंकड़ों के अनुसार हर घंटे में एक किसान आत्महत्या करता है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा किसान आत्महत्या करते हैं। आत्महत्या के मुख्य कारण हैं- सूखा, असामयिक बारिशों से खड़ी फसलों का बर्बाद होना, चारों ओर बढ़ती कीमतें एवं सरकारी नीतियां, उच्च ऋण बोझ, सार्वजनिक मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तिगत और मानसिक मुद्दे आदि।

कुछ अलग

संघ प्रामुख की खरी-खरी

संघ प्रामुख की खरी-खरी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत ने रविवार को महाराष्ट्र के अमरावती में महानुभाव आश्रम के शताब्दी समारोह में कहा कि धर्म के नाम पर होने वाले सभी उत्पीड़न और अत्याचार गलतफहमी और धर्म की समझ की कमी के कारण हुए। संघ प्रामुख ने किसी धर्म का नाम तो नहीं लिया किन्तु जाहिर है कि ऐसा उन्होंने उन सभी के लिए कहा है जिनके लिए मानवता से बड़ा धर्म है जबकि धर्म के तमाम परिभाषाओं में एक यह भी है कि जिसके माध्यम से मानवता की रक्षा हो सके वह धर्म है। दरअसल धर्म की सर्वमान्य परिभाषा है 'धर्मते इति धर्मः' है। मतलब यह कि धर्म इतना विशाल होता है कि वह हर किसी को धारण करने की क्षमता रखता है। इसलिए जो लोग धर्म को संकीर्ण साबित करते हैं, वह धर्म का पालन कर ही नहीं सकते। असल में भागवत जी अपने स्पष्टवादी विचारों के लिए जाने जाते हैं। उनके धर्म की समझ संबंधी बयान को गत सप्ताह दिए गए उस बयान से जोड़कर देखा जा सकता है जिसमें उन्होंने कहा था अयोध्या में राम मंदिर बन जाने के बाद मस्जिदों और दरगाहों में मूर्तियां खोजने वाले बड़ा हिन्दू नेता बनना चाहते हैं। भागवत जी गत वर्ष भी हर मस्जिद और दरगाह में शिवजी की मूर्तियां खोजने वालों को लताड़ लगाई थी। यही कारण है कि मुस्लिम धर्म गुरू उनकी बातों का समर्थन कर रहे हैं। लेकिन हिन्दू संगठन भी उनकी बातों का विरोध नहीं कर रहे हैं। इसका मतलब है कि उन्होंने जो वुछ भी धर्म, मंदिर, मस्जिद और खुदाईं का बवाल करने के बारे में विचार व्यक्त किया है, वह सभी पक्षों को स्वीकार्य है। लेकिन सवाल यह है कि हिन्दुत्व का सबसे बड़ा संगठन आरएसएस है और उसके सर्वोच्च नेता सरसंघ चालक भागवत जी हैं लेकिन उनकी झिड़की का असर उन लोगों पर नहीं पड़ रहा है जो एक के बाद एक मस्जिद और दरगाहों को मंदिर के मलबे पर बना बताकर उसके सर्वेक्षण के लिए कोर्ट पहुंच जाते हैं। निचली अदालतें भी जैसे तैयार बैठी रहती हैं सर्वेक्षण का आदेश देने के लिए। यह सच है कि सरसंघ चालक की इच्छा के विरुद्ध न तो संघ का कोई भी अनुषांगिक संगठन किसी भी मस्जिद या दरगाह को मस्जिद पर बना हुआ बता सकता और न ही धर्म के नाम पर बवाल करने की धृष्टता। मंदिर हो या गो माता, हिन्दू धर्म में दोनों का अत्याधिक महत्व है किन्तु यह भी सच है कि मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है और किसी व्यक्ति के जीवन से बड़ा कोई मंदिर नहीं है। इस देश के हिन्दुओं को यह समझना पड़ेगा कि यदि वे टूटी मूर्तियों को लेकर एक धर्म विशेष से उलझते ही रहेंगे तो विकसित भारत 2047 का क्या होगा! आज जब हम दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था होने पर गर्व महसूस करते हैं तो इसमें सभी धर्मो के व्यवसायियों का योगदान है। भारत को ग्यारह वें नम्बर से 5 वें नम्बर तक लाने में पूरे देश के सभी धर्मावलंबियों की मेहनत की भूमिका है। बहरहाल हिन्दू संगठन तो संघ प्रामुख का सम्मान करते हैं इसलिए भले ही धीरे-धीरे किन्तु उनकी बातों का असर जरूर पड़ेगा। ठीक उसी तरह जैसे गोरक्षकों को प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार गुंडा कहकर संबोधित किया तो गोवंश के नाम पर होने वाली माबलिंचिग यानि 'भीड़ हिसा' बिल्वुल कम हो गईं। यह सच है कि वुछ लोग मुस्लिम समाज में हैं जो आग में तेल-घी डालकर हाथ सेंकते हैं किन्तु हिन्दू समाज के लिए जरूरी है कि वह ऐसे लोगों को नजरंदाज करे ताकि भारत के फटे में टांग अड़ाने के लिए बाहरी लोगों को अवसर न मिले।

देश दुनिया से

'एक राष्ट्र एक चुनाव' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अनूठी पहल

यदि हम दोनों ही चुनावों को एक साथ आयोजित कराते हैं, तो इससे हमारे देश के 1500 से भी अधिक क्षेत्रीय दलों के राजनीतिक व्यवहार में भी एक बड़ा बदलाव आएगा और वे लोगों को गुमराह करने के बजाय उनकी भलाईं के लिए कार्यं करने के लिए बाध्य होंगे। एक राष्ट्र एक चुनाव' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अनूठी पहल भारत का लोकतांत्रिक ढांचा अपनी जीवंत और समावेशी चुनावी प्र्विराया के माध्यम से निरंतर प्रगति कर रहा है। यह प्रणाली नागरिकों को शासन में स्र्विराय भागीदारी का अधिकार देती है और स्वतंत्रता के बाद से लोकसभा व राज्य विधानसभाओं के 400 से अधिक चुनावों के सफल आयोजन का साक्षी रही है। इन चुनावों ने भारत के चुनाव आयोग की निष्पक्षता और पारर्दशिता सुनिाति करने की प्रतिबद्धता को बार-बार साबित किया है। हालाँकि, लगातार और अलग-अलग समय पर होने वाले चुनावों ने एक अधिक वुशल और संगठित प्रणाली की आवश्यकता को उजागर किया है। इसी परिप्रेक्ष्य में ठएक राष्ट्र, एक चुनावठ की अवधारणा ने विशेष ध्यान आर्कषित किया है। यह प्रस्ताव लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ आयोजित करने की वकालत करता है, जिससे मतदाता एक ही दिन में सरकार के दोनों स्तरों के लिए मतदान कर सवें। एक राष्ट्र, एक चुनाव का उद्देश्य चुनाव प्र्विराया को अधिक प्रभावी बनाना, खर्चो में कटौती करना और बार-बार होने वाले चुनावों के कारण प्रशासनिक कामकाज में आने वाले व्यवधानों को कम करना है। चुनावी प्र्विराया के प्रबंधन में लगने वाले संसाधनों और समय की बचत इस प्रणाली के प्रमुख लाभों में से एक है। 2024 में जारी एक उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट ने इस विचार को लागू करने के लिए एक विस्तृत खाका प्रस्तुत किया। इस रिपोर्ट को 18 सितंबर 2024 को वेंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वीवृति दी गईं, जो चुनाव सुधार की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। समर्थकों का मानना है कि यह पहल न केवल प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाएगी, बल्कि नीति निर्माण में निरंतरता भी सुनिाति करेगी। एक साथ चुनाव का विचार भारत में नया नहीं है। 1951-52 में हुए पहले आम चुनावों से लेकर 1967 तक, लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ आयोजित किए गए थे। लेकिन 1968 और 1969 में वुछ राज्य विधानसभाओं के समय से पहले भंग होने और 1970 में समय से पूर्व लोकसभा चुनाव होने के कारण यह परंपरा बाधित हो गईं। इसके बाद से, देश की चुनावी प्र्विराया बार-बार बाधित हुईं है। कईं लोकसभाएं और राज्य विधानसभाएं समय से पहले भंग कर दी गईं, जिससे चुनावी कार्यांमों में अस्थिरता आईं। 2 सितंबर 2023 को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविद की अध्यक्षता में एक राष्ट्र, एक चुनाव पर एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया। इस समिति का उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराने की व्यवहार्यता का आकलन करना था। समिति ने इस मुद्दे पर व्यापक जनमत संग्रह और राजनीतिक प्रति्विरायाएं प्राप्त कीं। विशेषज्ञों से परामर्श लेकर संभावित लाभ और चुनौतियों का विश्लेषण किया गया। समिति की रिपोर्ट ने संवैधानिक संशोधनों, संसाधनों की दक्षता और शासन पर इसके संभावित प्रभावों का विस्तृत आंकलन प्रस्तुत किया। एक राष्ट्र, एक चुनाव का विचार भारत में चुनावी सुधार की दिशा में एक ्र्वांतिकारी पहल हो सकता है। लेकिन इसे सफलतापूर्वक लागू करने के लिए व्यापक राजनीतिक सहमति, गहन विचार-विमर्श और जनता के समर्थन की आवश्यकता है।

भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को और अधिक मजबूत और प्रगतिशील बनाने की दिशा में यह पहल शासन और नीति निर्माण को अधिक वुशल और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

यह कोईं छिपाने वाली बात नहीं है कि अलग-अलग मतदान आयोजित कराने से हमारे देश की प्रशासनिक व्यवस्था बेहद धीमी हो जाती है। और, यदि इसे एक साथ अंज़ाम दिया जाए, तो हमारी प्रशासनिक व्यवस्था की दक्षता बढ़ेगी। साथ ही, इससे केन्द्र सरकार और राज्य सरकारी की जन-कल्याणकारी नीतियों और कार्यं्रामों में भी एक निरंतरता बनी रहेगी। आज चुनावी मौसम में आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण नईं परियोजनाओं को शुरू करने पर पूरी तरह के प्रतिबंध लगा दिया जाता है, जो किसी भी स्थिति में हमारे समाज के लिए ठीक नहीं है। ऐसे में, यदि हम एक देश, एक चुनाव के सिद्धांत के साथ आगे बढ़ें, तो हमारी कईं समस्याएं एक साथ सुलझ सकती हैं और इसे लागू करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा की अगुवाईं में भाजपा सरकार लागू करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध भी नज़र आ रही है। हालांकि, वुछ जानकारों का इस कानून को लेकर यह तर्व है कि इससे विधानसभाओं के कार्यंकाल में भारी कटौती या बढ़ोत्तरी हो सकती है। साथ ही, यह कानून हमारे लोकतंत्र और संघवाद को कमज़ोर करेगा लेकिन, उनकी यह चिन्ता पूरी तरह से व्यर्थ है। क्योंकि, इस कानून के अंतर्गत लोकसभा चुनाव से निकटता के आधार पर राज्यों को वगावृत किया जा सकता है। इस प्रयास से मतदाताओं को स्थानीय मुद्दों के साथ-साथ, राष्ट्रीय मुद्दों से भी जोड़ने में एक अभूतपूर्व सफलता मिलेगी। क्योंकि, वर्तमान समय में अक्सर यह देखा जाता है कि विधानसभा चुनावों के दौरान मतदाता जाति, धर्म, क्षेत्र और भाषा के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करते हैं। ऐसे में, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क जैसे बुनियादी समस्याओं की कोईं प्राथमिकता नहीं रह जाती है। यदि हम दोनों ही चुनावों को एक साथ आयोजित कराते हैं, तो इससे हमारे देश के 1500 से भी अधिक क्षेत्रीय दलों के राजनीतिक व्यवहार में भी एक बड़ा बदलाव आएगा और वे लोगों को गुमराह करने के बजाय उनकी भलाईं के लिए कार्यं करने के लिए बाध्य होंगे। इस प्रकार, एक राष्ट्र एक चुनाव' की यह व्यवस्था हमारे देश की राजनीतिक दिशा और दशा को बदलने का एक महान कार्यं करेगी। हालांकि, इस कानून को लागू करने की राह में कईं चुनौतियां भी हैं। यदि हमें इसे लागू करना है, तो इसके लिए संविधान के अनुच्छेद 83, 85, 172, 174 और 356 में संसोधन करना होगा और भारतीय जनता पाटा ने वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान ही अपने घोषणापत्र में यह ऐलान कर दिया था कि वह राज्य में राजनीतिक स्थिरता सुनिाति करने के लिए एक राष्ट्र एक चुनाव के मुद्दे पर काम करेगी और बीते वर्ष तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुत्त सुशील चंद्र भी यह कह चुके हैं कि इस निर्णय के लिए अब चुनाव आयोग भी पूरी तरह से तैयार है।

आप का नजरिया

आश्चर्य भी मरने लगा

न भ्रष्टाचार के आरोप नए और न ही सियासत इनसे परे। कमोबेश समानांतर सीढियां और एक-दूसरे की छीछालेदर में राजनीतिक माहौल की तलख्यिां, लेकिन जनता को अब ऐसे खोट भी सामान्य नजर आने लगे हैं। भ्रष्टाचार पर काम रोको प्रस्ताव का तजुर्बा आखिर में एडियां रगड़ता हुआ वाकआउट कर गया। मुलम्मे उतारने की कोशिश में लबादे उतर गए, था यही निष्कर्ष हमारी सारी बहस का। आखिर हम किसकी कथनी और किसकी करनी पर विश्वास करें। किसके चुनाव और किसके मनोनयन पर विश्वास करें। वो कोई और होता है जो सत्ता के साथ हमसे दूर खड़ा होता है। जाहिर है जनता की नीतियां, जब जनता से ही दूरियां पैदा कर लें या जनता को अपने हालात पर काबू पाना न आए, तो सामने कोई न कोई भ्रष्टाचार होता है। दोषी तो जनता की महत्त्वाकांक्षा भी है जो सत्ता से हर सूरत तिलिस्म पाना चाहती है। हर सीप से मोती निकालने की कोशिश ने समुद्र को कंगाल कर दिया, फिर भी रौनक यह कि हर श्रृंगार को पानी का भंडार चाहिए। हम अगर चाहते हैं कि हिमाचल का बजट सदा करमुक्त हो, तो वित्तीय व्यवस्था का हिसाब हमारी आंखें कहां देखेंगी। हम एक सौदा करते हर साल साधनविहीन हिमाचल से। हम सभी अपने चरित्र के अंदर ऐसे अदाकार हैं जो आर्थिकी के बिना खजाने से खुद को रंगना जानते हैं। जिस प्रदेश के नागरिकों की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय स्तर के उच्च मानदंडों में से एक हो और वह राज्य भिखारी हो, तो ऐसी वित्तीय व्यवस्था का सरगना कौन नहीं। इसलिए प्रदेश की रिवायत में कभी भी स्वतंत्र वित्त मंत्री होता नहीं। अंततः शिमला की नौकरशाही वित्तीय जुगाली करती है और उसी के हिसाब से लोन की किस्तों और उधार की किश्तियों में बैठकर, वित्तीय अनुशासन की किसे प्रवाह। दरअसल भ्रष्टाचार के बीज तो हमारे व्यवहार में या चारों तरफ की हाहाकार में हैं। आश्चर्य है कि प्रदेश के आदर्शों में युवा पीढ़ी को हमने चुनाव का पुर्जा बना दिया और इसीलिए स्थानीय निकाय चुनाव की मैरिट, पढ़ाई की मैरिट पर भारी है। इसी तरह सत्ता में आते ही राजनीतिक कार्यकर्ता के कद बढ़ाने की कोशिश होती है। जनप्रतिनिधियों के मार्फत विकास की दरख्वास्त में ठेकेदारी का आलम यह है कि कुछ विभागों के रजिस्टर में नए ठेकेदारों के पंजीकरण की बाकायदा पैमाइश होती है। आयविहीन राज्य के व्यय का हिसाब अगर सियासी प्रभाव करता है, तो कैसा होगा भ्रष्टाचार। अगर राज्य की अफसर-नौकरशाही सत्ता की फुलवारी बन जाए, तो भ्रष्टाचार के कांटे तो चुभेंगे ही। अस्पष्ट नीतियां, बजटीय प्रावधान और जवाबदेही का अभाव हमेशा से सत्ता की मनमानी में मीलपत्थर साबित होता है। पूछना कभी वे कौन हैं जो सरकारी संपत्तियों पर कब्जा जमाए हैं। वे कौन हैं जो शहरी जमीन पर सहजता से अतिक्रमण कर लेते हैं। जिन्होंने कूहलें रोक दीं और खड्डों-नालों से नदियों तक के किनारों पर इमारतें खड़ी कर दीं, वे कौन हैं। वे कौन हैं जिन्हें पहाड़ खोदने व नदी से रेत-बजरी बटोरने की छूट मिल जाती है। आखिर वे कौन हैं जो बीबीएन में नकली दवाएं बना रहे हैं। हैरानी यह कि चिट्टे की दो-चार पुडियां पकडऩे वाले प्रदेश को यह मालूम नहीं होता कि खेप किस बार्डर से कितनी उतर रही है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद–विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएँ। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। आपका प्यार, आपका जीवनसाथी आपको कोई ख़ूबसूरत तोहफ़ा दे सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। किसी धार्मिक स्थान पर जाएँ या किसी संत से मिलें, इससे आपके मन को शांति और सुकून मिलेगा। घर के कामों को पूरा करने के बाद गृहणियां आज के दिन फुर्सत में शापिंग का प्लान बन सकती है । आज अचानक तबीयत खराब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं। फिजूलखर्ची से आप को जरुर बचना चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त–दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा। आज आपका कोई सहकर्मी आपको सलाह दे सकता है, हालांकि आपको यह सलाह पसंद नहीं आएगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

पैसों की कमी आज घर में कलह की वजह बन सकती है, ऐसी स्थिति में अपने घर के लोगों से सोच–समझकर बात करें और उनसे सलाह लें। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। दिन के अंत में आज आप अपने घर के लोगों को वक्त देना चाहेंगे लेकिन इस दौरान घर के किसी करीबी के साथ आपकी कहासुनी हो सकती है और आपका मूड खराब हो सकता है. वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी।अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आज आप ख़ुद को अपने प्रिय के प्यार से सराबोर महसूस करेंगे। इस लिहाज़ से आज का दिन बहुत ख़ूबसूरत रहेगा। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। इसलिए अपने दिन की योजना बेहतर तरीक़े से बनाएँ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप ऐसे स्रोत से धन अर्जित कर सकते हैं, जिसके बारे में आपने पहले सोचा तक न हो। पड़ोसियों से झगड़ा आपका मूड ख़राब कर सकता है। लेकिन अपना आपा न खोएँ, इससे सिर्फ़ आग और भड़केगी। अगर आप सहयोग न करें, तो कोई आपसे नहीं झगड़ सकता है। सबसे अच्छा रिश्ता बनाए रखने की कोशिश करें। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। केवल एक दिन को नज़र में रखकर जीने की अपनी आदत पर क़ाबू करें और ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर ख़र्च न करें। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। दोस्तों के साथ फ़ोन पर गपशप से बढ़िया और क्या हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। यदि शादीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं। आज घर पर रहेंगे लेकिन घर की उलझनें आपको परेशान कर सकती हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

झगड़ालू स्वभाव को क़ाबू में रखें, नहीं तो रिश्तों में कभी न मिटने वाली खटास पैदा हो सकती है। ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। घर में और आस–पास छोटे–मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे।मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आज की शाम दोस्ती के नाम – कहीं बाहर आप अपने दोस्तों के साथ वक़्त का भरपूर लुत्फ़ उठा सकते हैं, लेकिन सेहत के लिहाज़ से ज़रा संभलकर रहें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। पारंपरिक रस्में या कोई पावन आयोजन घर पर किया जाना चाहिए। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। अगर आप अपने जीवनसाथी की छोटी–छोटी बातों को नज़रअन्दाज़ करेंगे, तो उन्हें बुरा लग सकता है। पिता या बड़ा भाई आज आपकी किसी गलती पर आपको डांट सकता है। उनकी बातों को समझने की कोशिश करें।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 24 दिसंबर 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पौष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 07:55 तक
नक्षत्र : हस्त दोपहर 12:17 तक
योग : शोभन रात्रि 08:52 तक
करण : गर रात्रि 07:55 तक
चन्द्रराशि : कन्या रात्रि 01:51 तक
सूर्योदय : 06:42 , सूर्यास्त 05:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:00 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:32 , सूर्यास्त 05:51 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:32 , सूर्यास्त 05:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : धनुर्मास चालू है

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान मंडप को समय से करें पूरा : भजनलाल शर्मा

जयपुर,23 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान मंडपम राज्य की कला, संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक और व्यावसायिक आयोजनों के लिए प्रमुख आकर्षण का केन्द्र बनेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जयपुर में बनने वाले इस मंडपम को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस बनाया जाए तथा इसमें आधुनिक तकनीक और परंपरागत राजस्थानी वास्तुकला का बेहतरीन संयोजन किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को मण्डपम के निर्माण को समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान मण्डपम के निर्माण की तैयारियों को लेकर बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत मण्डपम की तर्ज पर जयपुर में राजस्थान मण्डपम का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसमें बनने वाले एग्जीबिशन हॉल, ओपन हॉल तथा ऑडिटोरियम में दर्शक क्षमता का पूरा ध्यान रखा जाए जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग यहां आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में भागीदारी कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेक इन इंडिया तथा वन नेशन वन प्रोडक्ट के तहत स्वदेशी उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए मंडपम में यूनिटी मॉल का भी निर्माण किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को इस मॉल में सभी तरह की आवश्यक सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यहां संसाधन विकसित किया जाए। उन्होंने मंडपम में बनने वाले यूनिटी मॉल, पार्किंग, दुकानें एवं ऑडिटोरियम सहित पूरे मास्टर प्लान की समीक्षा की।

इस दौरान बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, रिको के प्रबंध निदेशक इंद्रजीत सिंह, एनबीसीसी के मुख्य प्रबंध निदेशक के पी महादेव स्वामी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

तनोट माता मंदिर के मास्टर प्लान का काम चरणबद्ध रूप से करने के दिए निर्देश

जयपुर,23 दिसंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जैसलमेर स्थित तनोट माता मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि राजस्थान के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक गौरव का प्रतीक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस मंदिर के मास्टर प्लान के तहत चरणबद्ध रूप से काम कर इसे विश्वस्तरीय धार्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर तनोट माता मंदिर क्षेत्र के मास्टर प्लान को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर के क्षेत्र में अत्याधुनिक विकास कार्य किए जाएं जिससे यहां आने वाले पर्यटक देश के प्रति गौरवान्वित हों तथा उनमें देशभक्ति का भाव जागृत हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्य मंदिर तथा प्रवेश द्वार के सौंदर्यीकरण को प्राथमिकता देते हुए पूरे परिसर में सभी आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएं।

शर्मा ने कहा कि मंदिर को पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाते हुए स्थानीय समुदाय के लिए रोजगार और आर्थिक अवसरों का सृजन भी किया जाए। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर क्षेत्र में एडवेंचर स्पोर्ट, डेजर्ट सफारी सहित मंदिर के मास्टरप्लान के तहत बनने वाले सभी अत्याधुनिक सुविधाओं की समीक्षा की। इस दौरान बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, शासन सचिव पर्यटन रवि जैन सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

पीवी सिंधु ने वेंकट दत्ता से किया विवाह

उदयपुर,23 दिसंबर (एजेंसियां)। बैडमिंटन चैंपियन पीवी सिंधु ने सोमवार को उदयपुर में पारंपरिक तेलुगु समारोह में वेंकट दत्ता साई से शादी की। इस खुशहाल अवसर पर सिंधु और वेंकट दत्ता अपने करीबी परिवार और दोस्तों से घिरे हुए थे। हालांकि, इस जोड़े ने अभी तक अपनी आधिकारिक तस्वीरें साझा नहीं की हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर उनकी शादी की कुछ झलकियाँ सामने आ चुकी हैं।

सिंधु और वेंकट दत्ता साई ने अपने विशेष दिन की शुरुआत एक भव्य तेलुगु विवाह समारोह से की, जिसमें दोनों ने पारंपरिक परिधानों में भाग लिया। सिंधु ने क्रीम रंग की एक शानदार साड़ी पहनी थी, जबकि वेंकट ने उनके साथ मेल खाते रंग की शेरवानी पहनी थी। इस विवाह समारोह में केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी शामिल हुए और एक तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा, कल शाम उदयपुर में हमारी बैडमिंटन चैंपियन ओलंपियन पीवी सिंधु और वेंकट दत्ता साई के विवाह समारोह में शामिल होकर बहुत खुशी हुई और इस जोड़े को उनके नए जीवन के लिए अपनी शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिए।

सिंधु ने हाल ही में हैदराबाद के आईटी विशेषज्ञ वेंकट दत्ता साई से सगाई की खबर साझा की थी। इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, जब प्यार आपको बुलाता है, तो उसका अनुसरण करें, क्योंकि प्यार अपने अलावा कुछ नहीं देता।

हनुमानगढ़ जिले में पीलीबंगा थाना क्षेत्र में फायरिंग कर भागे बदमाशों की पुलिस से मुठभेड़

हनुमानगढ़,23 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के पीलीबंगा थाना क्षेत्र में रविवार को रावतसर फाटक के पास फायरिंग कर भागे तीन बदमाशों को ए श्रेणी की नाकाबंदी कर गोलूवाला थाना पुलिस की टीम ने मुठभेड़ के बाद अवैध हथियार एवं डस्टर गाड़ी सहित गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से पुलिस ने एक लोडेड अवैध पिस्टल एवं दो खाली मैगजीन ज़ब्त की है। तीनों बदमाशों के विरुद्ध पूर्व में भी आपराधिक मुकदमे दर्ज है।

एसपी अरशद अली ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश राजेन्द्र कुमार उर्फ राजू उर्फ हिटलर बेनीवाल पुत्र शिवप्रकाश बेनीवाल (32) निवासी वार्ड नम्बर 01 गोलूवाला सिहागान के विरूद्व थाना गोलूवाला पर पूर्व मे मारपीट एवं आर्म्स के दो प्रकरण, विकास विश्नोई पुत्र दलीप कुमार (25) निवासी वार्ड नम्बर 21 मण्डी पीलीबंगा के विरूद्व थाना पीलीबंगा पर पूर्व मे मारपीट का एक प्रकरण एवं पवन कुमार भाट पुत्र सुभाष भाट (25) निवासी वार्ड नम्बर 25 मण्डी पीलींबगा के विरूद्व पंजाब व हरियाणा मे एनडीपीएस के कुल 3 प्रकरण दर्ज है। थाना रानियां जिला सिरसा हरियाणा मे दर्ज प्रकरण मे वाछित है।

एसपी अली ने बताया कि रविवार को एसएचओ पीलीबंगा ने उन्हें सूचना दी कि पीलीबंगा मण्डी मेन रोड़ रावतसर फाटक के पास एक डस्टर गाडी में सवार दो–तीन लड़के फायर करके लोंगवाला, अयालकी रोड़ की तरफ आ रहे है, जिनका हम पीछा कर रहे है।

इस पर उन्होंने तुरंत एसएचओ गोलुवाला को अयालकी के पास ''ए'' श्रेणी हथियारबंद नाकाबंदी के आदेश दिये। एसएचओ लाल बहादुर चन्द्र व उनकी टीम द्वारा थाना क्षेत्र के अलग अलग स्थानों पर हथियारबंद नाकाबन्दी करवाई गई।

केंद्र सरकार ने कपडों पर 5 प्रतिशत जीएसटी में की बढ़ोतरी : बजरंग गर्ग

व्यापारी व आम जनता में भारी नराजगी

हिसार,23 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहाकि केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में रेडीमेड कपड़े पर 18 व 28 प्रतिशत जीएसटी लगाने से देश व प्रदेश में ओर ज्यादा महंगाई बढ़ेगी व पॉपकॉन पर जीएसटी लगाना उचित नहीं है और केंद्र सरकार द्वारा घड़ी व जूतों पर 18 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाना विचाराधीन है।

बजरंग गर्ग ने कहा कि इसके साथ–साथ केंद्र सरकार ने पुराने वाहनों पर 12 प्रतिशत जीएसटी से बढ़ाकर 18 प्रतिशत जीएसटी करना सरासर गलत है। केंद्र सरकार ने 1 जुलाई 2017 को जीएसटी के तहत आम उपयोग में आने वाली वस्तुओं पर 18 व 28 प्रतिशत टैक्स पहले ही लगाकर महंगाई बढ़ाने का काम किया है। यहां तक की जब से देश आजाद हुआ है तब से अब तक कपड़े पर कभी टैक्स नहीं था। इस सरकार ने कपडों पर भी 5 प्रतिशत जीएसटी लगाकर गरीबों के तन का कपड़ा उतारने का काम किया है।

केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी की दरों में बढ़ोतरी से देश के व्यापारी व आम जनता में भारी नराजगी है जबकि देश में पहले ही जीएसटी के तहत अनाप–शनाप टैक्स केंद्र सरकार ने लगाएं हुए है। केंद्र सरकार ने कई बार घोषणा की थी कि जीएसटी की दरों में सलीकरण करके जीएसटी कम किया जाएगा। सरकार जीएसटी की दरें कम करने की बजाएं टैक्सों में बढ़ोतरी करने की योजना बनाना सरासर गलत है।

बजरंग गर्ग ने कहा कि जीएसटी के तहत टैक्सों में बढ़ोतरी करने से देश व प्रदेश में ओर ज्यादा महंगाई बढ़ेगी।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से एक करोड़ से अधिक लाभार्थी लाभान्वित : सुधांश पंत

जयपुर,23 दिसंबर (एजेंसियां)। सुधांश पंत, मुख्य सचिव ने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से एक करोड़ से अधिक लाभार्थी लाभांवित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमनें सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं में न्यूनतम पेंशन राशि में बढ़ोतरी कर पेंशन 1150 रुपए की है। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों का वार्षिक भौतिक सत्यापन अब ग्राम सभा स्तर पर किया जा रहा है, ताकि पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ समय पर मिलता रहे।

पंत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा केंद्र प्रवर्तित योजनाओं की समीक्षा के लिए राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान, जयपुर में पांच राज्यों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सिलिकोसिस योजना के तहत हमनें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का उपयोग किया है, जिसके लिए हमें ई गवर्नेंस के लिए केंद्र सरकार द्वारा पुरस्कृत भी किया गया है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा एक फ़िक्स बजट आवंटित किया जाता है। राज्य सरकारों को योजनाओं का क्रियान्वयन करना होता है। क्रियान्वयन की प्रक्रिया में कई समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त केंद्र की तुलना में राज्य सरकार अधिक बजट वहन करती है।

उन्होंने केंद्र सरकार से समय पर बजट आवंटन का आग्रह किया ताकि योजनाओं का संचालन बेहतर तरीके से किया जा सके और लाभार्थियों को समय पर योजनाओं का लाभ मिल सके। पंत ने आश्वस्त किया कि योजनाओं का क्रियान्वयन सुचारू रूप से किया जाता रहेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से समय पर बजट का आवंटन होता रहे ताकि लाभार्थियों को समय पर योजनाओं का लाभ मिलता रहे। अमित यादव, सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम आशा करते है कि आने वाले समय में देश विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल होंगा। उन्होंने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य केंद्र सरकार द्वारा प्रवर्तित योजनाओं की केवल समीक्षा करना नहीं है, बल्कि उनके संचालन में राज्यों को आ रही समस्याओं का समाधान करना और उनका त्वरित क्रियान्वयन कराना है।

कुलदीप रांका, अतिरिक्त मुख्य सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता ने अतिथियों का स्वागत किया और विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राजस्थान ने सामाजिक सुरक्षा में निवेश किया है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के संचालन में राजस्थान अग्रणी राज्यों शामिल है और हम वर्तमान में लगभग 90 लाख पेंशनर्स को लाभान्वित कर रहे है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की अनूठी पालनहार योजना में 6 लाख से अधिक लाभार्थी है।

हरियाणा में प्रशासनिक फेरबदल

आईपीएस सौरभ सिंह बने सीआईडी चीफ

चंडीगढ़,23 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में रविवार को प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। यहां पर आईपीएस सौरभ सिंह को सीआईडी चीफ और आईपीएस आलोक मित्तल को एडीजीपी एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी शासित हरियाणा में बड़ा प्रशासनिक फेर बदल हुआ है। यहां पर 1993 बैच के आईएएस अधिकारी आलोक मित्तल को एंटी करप्शन ब्यूरो और एडिशनल रेजिडेंट कमिश्नर की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, 1998 बैच के आईपीएस अधिकारी सौरभ सिंह को एडीजीपी/सीआईडी नियुक्त किया गया है।हरियाणा में नई सरकार के गठन के बाद से प्रशासनिक फेरबदल लगातार जारी है। इसे पहले दो दिसंबर को बड़े स्तर पर आईएएस अधिकारियों की ट्रांसफर पोस्टिंग हुई थी। प्रदेश सरकार ने 44 अधिकारियों के ट्रांसफर–पोस्टिंग की थी।

आईएएस अनुराग रस्तोगी को सबसे अहम वित्त आयुक्त राजस्व (एफसीआर), वित्त विभाग एवं आपदा प्रबंधन विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई थी और आईएएस सुमिता मिश्रा को गृह सचिव नियुक्त किया गया था।

वहीं, आईएएस सुधीर राजपाल को स्वास्थ्य एवं एविएशन विभाग के साथ चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान और आयुष विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आईएएस अफसर अशोक खेमका को अनिल विज के महकमे की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। आईएएस अधिकारी डी सुरेश को हरियाणा भवन नई दिल्ली का रेजिडेंट कमिश्नर और उद्योग विभाग एवं वाणिज्य विभाग का प्रधान सचिव, आईएएस अधिकारी श्यामल मिश्र को हरियाणा व्यापार मेला प्राधिकरण, नई दिल्ली का मुख्य प्रशासक, फरीदाबाद व गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण का मुख्य कार्यकारी अधिकारी और नागरिक उड्डयन विभाग का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया था।

हरियाणा बना एमएसपी पर 24 फसलों की खरीद करने वाला देश का पहला राज्य: श्याम सिंह राणा

चंडीगढ़,23 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हरियाणा देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है, जिसने केंद्र सरकार द्वारा तय किए गए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सभी 24 अधिसूचित फसलों की खरीद का निर्णय लिया है। आज राष्ट्रीय कृषि दिवस और किसान नेता व भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर कृषि मंत्री ने प्रदेश के किसानों को शुभकामनाएं दीं और इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया। श्याम सिंह राणा ने कहा कि नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा गत 5 अगस्त को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, पहले से खरीदी जा रही फसलों जैसे धान, बाजरा, खरीफ मूंग, उड़द, अरहर, तिल, कपास, मूंगफली, गेहूं, सरसों, चना, मसूर, सूरजमुखी और गन्ना के साथ–साथ अब रागी, सोयाबीन, नाइजरसीड, सफ्लावर, जौ, मक्का, ज्वार, जूट, कोप्रा और समर मूंग को भी एमएसपी पर खरीदा जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने इन फसलों की खरीद के लिए दिशा–निर्देश जारी कर दिए हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों को स्थिर और लाभदायक मूल्य प्रदान करना उनकी आय बढ़ाने, कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने और उत्पादकता में सुधार के लिए बेहद आवश्यक है।

राष्ट्रधर्म मासिक पत्रिका के विशेषांक विकसित-भारत का विमोचन समारोह

सभी को साथ लेकर चलने से बनेगा विकसित भारत: स्वांत रंजन

राष्ट्रहित के विमर्श पर कार्य करती है राष्ट्रधर्म पत्रिका : कुंअर मानवेंद्र

लखनऊ, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांत रंजन ने कैसरबाग स्थित कला मंडपम् में आयोजित राष्ट्रधर्म मासिक पत्रिका के विशेषांक विकसित-भारत के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि सभी को साथ लेकर चलने से ही विकसित भारत का निर्माण होगा।

विकसित भारत बनाने में समाज को भी लगना होगा। जो आक्रमणकारी ताकतें बाहर से आईं, उन्होंने देश पर कुठाराघात किया। ऐसे में हम अपने स्व को ही भूल गए। समाज आत्मकेंद्रित हो गया, असंगठित हो गया।

आज धीरे-धीरे समाज संगठित हो रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष के लगातार प्रयासों से समाज जागरण हुआ है। इसी में एक प्रयत्न था राम मंदिर आंदोलन।

स्वांत रंजन ने कहा कि 2013-14 से 2022-23 के बीच 25 करोड़ भारतीय गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। राष्ट्र जागरण का आंदोलन बीते 100 वर्षों से चल रहा है। इस आंदोलन की परिणिति मात्र राम मंदिर बनाने की नहीं थी। इससे समाज का जागरण करना आवश्यक था। प्रारम्भ से ही संघ ने कहा कि जन्मभूमि स्थान यहीं है। मंदिर यहीं होना चाहिए। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 का हटना भी ऐसा ही प्रयत्न है। उन्होंने कहा कि हम दूसरों को पीछे करके आगे नहीं बढ़ते, हम सबको साथ लेकर चलते हैं।

स्वांत रंजन ने भारत को विकसित करने में पंच परिवर्तनों की भूमिका को भी स्पष्ट किया। उन्होंने स्व पर बल देते हुए कहा कि हमें अपने मूल को पहचानना होगा।

उन्होंने दूसरे विषय नागरिक कर्तव्य के बारे में कहा कि हमें आत्मानुशासन का पालन करते हुए समाज निर्माण करने में सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। वहीं, तीसरे विषय कुटुम्ब प्रबोधन पर उन्होंने कहा कि परिवार में मिलजुल कर रहना, एक-दूसरे के साथ बांटकर खाना बहुत आवश्यक है।

यह प्रथा आज खत्म होती जा रही है। ऐसा करके हम अपनी परम्परा और संस्कृति को बरकरार रख सकते हैं। उन्होंने पर्यावरण के विषय पर जोर देते हुए कहा कि प्रकृति के साथ ही हम सबको चलना होगा। हमें सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग छोड़ना होगा। महाकुंभ में इस बार पॉलीथिन का प्रयोग न हो, इसके प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने सामाजिक समरसता को भी विकसित भारत के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि संघ इन विषयों को लेकर गांव-गांव में जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने कहा कि विकसित भारत ज्ञान का भारत, ध्यान भारत, सुरक्षित भारत और स्वच्छ भारत होगा। राष्ट्रधर्म का यह अंक इस दिशा में मार्गदर्शन करेगा।

आज भारत की प्रतिष्ठा सर्वव्यापी है। हमारे देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। हम सभी देशवासियों को लैंगिक एवं जातीय भेदभाव के विरूद्ध कार्य करते हुए इसे समाप्त करना होगा। हम सबको ऐसा प्रयास करना चाहिए जिससे सभी को गुणवत्तापरक ज्ञान प्राप्त हो सके। ऐसा करके ही एक भारत, श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को साकार करना होगा। भारत अमृतकाल के दौर से गुजर रहा है।

आशा है कि यह विशेषांक पूर्व की भांति ही अमृतकाल के दायित्वों का पालन करते हुए राष्ट्रवासियों को राह दिखाएगी। उन्होंने कहा कि यह पत्रिका जन-जन तक पहुंचनी चाहिए।

राष्ट्रधर्म पत्रिका के सम्पादक प्रो. ओमप्रकाश पाडेय ने कहा कि राष्ट्रधर्म का दायित्व है कि वह समाज का जो घटनाक्रम है, उसे सबके समक्ष प्रस्तुत करें। राष्ट्र के प्रति इस धर्म का पालन सतत प्रकार से निभाया जा रहा है। यह विशेषांक अपने उसी दायित्व को पूरा कर रहा है।

राष्ट्रधर्म प्रकाशन लिमिटेड के प्रबंधक डॉ. पवनपुत्र बादल ने कहा कि राष्ट्रधर्म प्रकाशन भारत के मान, स्वाभिमान के विषयों पर जो देश हित के विमर्श हैं, उस पर कार्य करता आया है। वर्ष 1947 से लेकर अब तक राष्ट्र प्रेम में अपना कर्तव्य निभाता आ रहा है।

कार्यक्रम के अंत में सम्पादक मंडल के सदस्य गण डॉ. राजशरण शाही, डॉ. अमित कुशवाहा, डॉ. अनुज मिश्र, डॉ. अमित उपाध्याय और मानवेंद्र पंकज सहित कहानीकार नीलम राकेश और मदनमोहन पाण्डेय तथा सभी अभिकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन निदेशक डॉ. ओमप्रकाश सिंह ने किया।

इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्यों सहित राष्ट्रधर्म पत्रिका के निदेशक मनोजकांत, प्रभारी निदेशक सर्वेशचन्द्र द्विवेदी, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राजशरण शाही, डॉ. अशोक दुबे, अभिनव भार्गव, रामजी भाई, विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप सहित साहित्यकार, पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

स्कूल मैनेजमेंट की भीषण लापरवाही उजागर

रात भर घने जंगल में फंसे रहे सौ से ज्यादा बच्चे

प्रशासन ने बड़ी मशक्कत से बच्चों को खोज कर निकाला

बहराइच, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। बहराइच के एक स्कूल प्रबंधन की लापरवाही का खामियाजा सौ से अधिक बच्चों को भुगतना पड़ा। उत्तर प्रदेश में एडुकेशनल टूर से लौटते समय कतर्नियाघाट के घने जंगलों में शाम को सौ से अधिक छात्र और उनके साथ मौजूद स्कूल स्टाफ फंस गए। 130 छात्र और कर्मचारियों समेत 155 लोग कतर्नियाघाट जंगल में देर रात तक फंसे रहे। बहराइच की जिलाधिकारी मोनिका रानी को मामले के बारे में पता चला तो उन्होंने उप जिलाधिकारी (एसडीएम) को भेजकर सभी को सुरक्षित वापस गोंडा पहुंचाने का इंतजाम कराया।

अधिकारियों ने बताया कि 14 से 18 साल की उम्र के इन बच्चों को खुले आसमान के नीचे बिना खाना-पानी के कड़ी ठंड में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि स्कूल प्रशासन ने स्थानीय लोगों द्वारा उन्हें सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए दी गई चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया था। उन्होंने बताया कि कुल 155 लोग थे, जिनमें से 130 बच्चे थे। स्थानीय पुलिस ने उन्हें वापस जाने को कहा लेकिन प्रबंधकों ने जंगल के बीच सुनसान इलाके में स्थित बिछिया रेलवे स्टेशन पर बच्चों को खुले स्थान पर बैठा दिया।

जिला प्रशासन के अनुसार, बच्चों का यह ग्रुप गोंडा के धानेपुर स्थित न्यू स्टैंडर्ड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित एडुकेशनल टूर पर आया था। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता जंग हिंदुस्तानी ने बताया, ग्रुप ने पहले रुपईडीहा सीमा पार करके नेपाल जाने का प्रयास किया लेकिन सीमा नियमों के कारण उन्हें रोक दिया गया। नेपाल में प्रवेश से मना किए जाने के बाद, प्रबंधकों ने बसों को कतर्नियाघाट वाइल्डलाइफ सैंक्चुरी की ओर मोड़ दिया, जो अपने घने जंगलों और तेंदुए, बाघ और हाथियों सहित खतरनाक वन्यजीवों के लिए जाना जाता है। सैंक्चुरी के अंदर स्थित अम्बा गांव पहुंचने से पहले बसों ने पांच वन चौकियों को पार किया। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों और अधिकारियों की चेतावनी के बावजूद स्कूल स्टाफ ने यात्रा जारी रखने पर जोर दिया। शाम करीब 5 बजे बसों ने फिर से नेपाल की ओर जाने की कोशिश की लेकिन उन्हें एक बार फिर आगे बढ़ने से रोक दिया गया। इसके बाद प्रबंधकों ने घने जंगल के बीच स्थित बिछिया रेलवे स्टेशन पर बच्चों को खुले में बैठाने का फैसला किया।

फंसे हुए छात्रों के बारे में सूचना मिलने के बाद जिला मजिस्ट्रेट मोनिका रानी ने कार्रवाई के आदेश दिए। उन्होंने बताया कि उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) संजय कुमार, पुलिस और वन विभाग के अधिकारी भोजन उपलब्ध कराने, अलाव जलाने और बच्चों-कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मौके पर पहुंचे। एसडीएम संजय कुमार ने पुष्टि की कि सभी के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त निर्देश जारी किए गए थे।

कानपुर में खुलवाए गए बंद पड़े 5 मंदिर, मूर्तियां गायब

कानपुर, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। पूछेगी जब अदालत, पत्थर गवाही देंगे... कानपुर में मंदिरों के खस्ताहाल हालात के बारे में अदालत ने भले ही अभी तक नहीं पूछा हो। लेकिन, इन मंदिरों के वजूद की गवाही पत्थर अवश्य दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश के संभल के बाद कानपुर में भी एक बाद एक मंदिर मिल रहे हैं, जिन्हें अतिक्रमणकारियों ने कब्जा कर वहां पर या तो बिरयानी की दुकान खोल दी थी, या फिर धीरे-धीरे उस मंदिर को ही दफ्न करने की साजिश रची थी। लेकिन, अब कानपुर की मेयर प्रमिला पांडेय ने एक के बाद एक 5 मंदिरों के ताले खुलवाए। कानपुर का बेकनगंज इलाका, जो कि मुस्लिम बहुल इलाका है। वहीं पर मुस्लिम कट्टरपंथियों द्वारा अवैध तरीके से कब्जाए गए मंदिरों को मेयर ने खुलवाया। प्रमिला पांडेय 7 थानों की फोर्स के साथ बेकनगंज मोहल्ला गईं। वहां सबसे पहले उन्होंने राधा कृष्ण मंदिर का दौरा किया, जो कि कूड़े-करकट से भरा हुआ मिला। वहां पर कचरे के सिवाय कुछ नहीं था। मंदिर के पीछे मुस्लिम दुकानदार बिरयानी बनाते हैं। मेयर ने तुरंत उसे खाली करवाकर मंदिर को बहाल करने का निर्देश दिया।

इसके बाद मेयर राम-जानकी मंदिर पहुंचीं, जिस पर कानपुर हिंसा के आरोपी मुस्लिम कट्टरपंथी मुख्तार बाबा ने कब्जा कर रखा था। मेयर ने तुरंत मंदिर का ताला खुलवाया और अतिक्रमण को खाली कराने का निर्देश पुलिस प्रशासन को दिया। बाद में मेयर प्रमिला ने शिव मंदिर समेत कुल 5 मंदिरों के ताले खुलवाए। मेयर प्रमिला पांडेय ने कहा कि ये इलाका बेकनगंज लगता है, पहले इसको सोनार गली कहते थे। यहां पर अग्रवाल और बनिया समुदाय के लोग रहते थे। सोनार गली में हर 10 मकान के बाद एक मंदिर हुआ करता था, लेकिन अब इन पर कब्जा कर लिया गया है। मेयर ने कहा कि अब मुस्लिम यहां रहते हैं, हमें इससे कोई समस्या नहीं है, लेकिन सवाल ये है कि जब हमारे मंदिर यहां थे, तो उसकी मूर्तियां कहां गायब हो गईं।

150 साल पुरानी है संभल में मिली बावड़ी

संभल, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल जिले में शिव-हनुमान मंदिर को फिर से खोले जाने के बाद एएसआई की टीम को चंदौसी के लक्ष्मण गंज क्षेत्र में खुदाई के दौरान लगभग 150 साल पुरानी एक बावड़ी मिली है। इसका एरिया 400 वर्ग मीटर है। आज यहां की खुदाई का तीसरा दिन था। बताया जा रहा है कि ये बावड़ी रानी सुरेंद्र बाला की है।

एक महिला ने इस बावड़ी पर अपना मालिकाना हक जताया है। उसने यह दावा किया है कि वह महारानी सुरेंद्र बाला की पोती है। इस सम्पत्ति पर उनका ही मालिकाना हक है। उन्होंने बताया कि इस बाबड़ी कुएं के आसपास हमारी खेती हुआ करती थी। पहले जब खेती होती थी तब उनके दादा-दादी और पापा यहां पर रुक कर आराम करते थे। बाबड़ी में बने कमरों को उन्होंने एयरकंडीशन जैसा बताया। उन्होंने कहा कि उनके पिता के कोई बेटा नहीं है। वे पांच बहनें हैं।

संभल के जिला मजिस्ट्रेट राजेंद्र पेंसिया ने कहा कि बावड़ी की ऊपरी मंजिल ईंटों से बनी है, जबकि दूसरी और तीसरी मंजिल संगमरमर की है। उन्होंने कहा कि संरचना में चार कमरे और एक बावड़ी भी है। पेंसिया ने कहा कि संरचना पूरी तरह से मिट्टी से ढंकी हुई है और नगर पालिका की टीम ऊपरी मिट्टी को हटा रही है। इस समय केवल 210 वर्ग मीटर खुला है और बाकी पर कब्जा है। हम अतिक्रमण हटाने के लिए कार्रवाई करेंगे।

उन्होंने अनुमान लगाया कि यह बावड़ी 150 साल से अधिक पुरानी हो सकती है।

चंदौसी के लक्ष्मण गंज क्षेत्र में मिली बावड़ी को लेकर कई तरह के दावे किए जा रहे हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि इसका निर्माण साल 1857 में करवाया गया था। इसके अंदर 12 कमरे, एक कुआं वो सुरंग है। अब तक की खुदाई में 4 कमरे साफ तौर पर नजर आ रहे हैं। 2 जेसीबी की मदद से खुदाई का काम किया जा रहा है। ढांचे को किसी तरह का कोई नुकसान ना पहुंचे इसके लिए बेहद ही सावधानी रखी जा रही है। मोहल्ला लक्ष्मण गंज में कुछ दिन पहले ही खंडहरनुमा प्राचीन बांकेबिहारी मंदिर मिला था। इसके बाद सनातन सेवक संघ के प्रांत प्रचार कौशल किशोर वंदेमातरम ने शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में जिले के डीएम राजेंद्र पेंसिया को पत्र देकर मोहल्ला लक्ष्मणगंज में मंदिर के पास बावड़ी होने का दावा किया था। इसके बाद मामले का डीएम ने संज्ञान लिया और एडीएम न्यायिक सतीश कुमार कुशवाहा और तहसीलदार धीरेंद्र सिंह को पालिका की टीम के साथ बावड़ी की तलाश के लिए एक भूखंड की खुदाई के आदेश दिए।

सेंध लगाकर बैंक में घुसे चोरों ने उड़ाए करोड़ों के जेवरात

42 लॉकर काट कर उठा ले गए मालो असबाब

पुलिस ने किया मुठभेड़ में पकड़ने का दावा, पर माल नहीं मिला

लखनऊ, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी में अपराधियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। राजधानी लखनऊ के चिनहट इलाके में इंडियन ओवरसीज़ बैंक की दीवार में सेंध लगा कर चोरों ने बैंक के 42 लॉकर काट डाले और करोड़ों का माल लूट कर ले गए। न कहीं पुलिस थी न कोई सुरक्षा का इंतजाम था। जिन ग्राहकों का लॉकर लूटा गया, उनकी सुनने वाला कोई नहीं है।

लॉ एंड ऑर्डर पर भाषण देने वाली योगी सरकार इस मसले पर कंबल में मुंह घुसाए बैठी है। इस घटना से झेंपी हुई लखनऊ पुलिस मुठभेड़ में अरविंद कुमार नाम के एक अपराधी को पकड़ने का दावा कर रही है और उसे बैंक लूट से जोड़ रही है। लेकिन लॉकरों से लूटा गया माल कहां है, यह पूछने पर पुलिस भी योगी सरकार की तरह चुप्पी साध लेती है।

लखनऊ के चिनहट इलाके में स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक में हुई दुस्साहसिक चोरी में बदमाशों ने बैंक की दीवार तोड़ी और अंदर घुस कर रातभर अपना ऑपरेशन अंजाम देते रहे। चोर बाकायदा इलेक्ट्रिक कलर मशीन लेकर आए थे।

बड़े आराम से उन लोगों ने बैंक के 42 लॉकर काटे और करोड़ों का माल समेट लिया। माल समेटने के बाद सारे चोर आराम से चलते बने। पुलिस झेंप में इनकाउंटर की कहानी गढ़ रही है। लॉकर में करोड़ों के जेवरात थे। इस घटना ने लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की भीषण लापरवाही उजागर की है। दिलचस्प बात यह है कि बैंक में सुरक्षा के लिए लगा सायरन खराब था और सीसीटीवी वहां नहीं था, जहां लॉकर रखे गए हैं। उपभोक्ताओं ने बताया कि बैंक में कोई सुरक्षा गार्ड भी नहीं रहता है।

एडीसीपी पूर्वी पंकज सिंह ने बताया कि चोरों ने बैंक में लगे अलार्म सिस्टम का तार काट दिया था। इसी वजह से अलार्म बजा नहीं। सवाल यह भी है कि कहीं अलार्म पहले से खराब तो नहीं था। जानकारों के अनुसार आमतौर पर किसी भी तरह की छेड़छाड़ होने पर अलार्म सिस्टम खुद एक्टिव हो जाता है। ऐसे में तार काटते वक्त भी अलार्म बजना चाहिए था। बैंक की खराब सुरक्षा व्यवस्था का फायदा चोरों ने उठाया और बड़ी आराम से वारदात को अंजाम देकर भाग निकले। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की 50 फुटेज में मगज मार रही है।

चोरों को बैंक के अंदर घुसने का सटीक रास्ता पता था। बैंक में लॉकर किस तरफ रखा है, इसकी भी उन्हें सटीक जानकारी थी। खाली प्लॉट की तरफ से सेंध लगाने से भी यह साफ हो जाता है कि चोरों ने वारदात का पूरा खाका तैयार कर लिया था। रविवार को बैंक बंद रहता है, इसलिए वारदात के लिए शनिवार की रात चुनी गई। इसके पीछे मकसद यही था कि चोरी का पता जब तक चलेगा, वे दूर जा चुके होंगे। ।

पुलिस के मुताबिक दो बाइकों पर सवार होकर चार चोर आए थे। बैंक से करीब 200 मीटर की दूरी पर चोरों ने दोनों बाइकें खड़ी की थीं। पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से इसका पता चला।

बाइकें खड़ी करने के बाद वहां से पैदल ही चारों बैंक की ओर गए। यूपी एसटीएफ की भी एक टीम रविवार शाम घटनास्थल पहुंची और छानबीन की। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास सक्रिय रहे मोबाइल नंबरों की सूची निकाली है। पुलिस इन नंबरों की पड़ताल कर रही है। आसपास किराए पर रहने वालों के बारे में भी पता लगा रही है। शक के दायरे में बैंककर्मी भी हैं। पुलिस बैंककर्मियों की सूची तैयार कर उनके बारे में अलग से पता लगा रही है।

महाकुंभ स्थल पर पहुंचे फिल्म अभिनेता संजय मिश्रा

इतना बड़ा मेला बसाना सिर्फ योगी ही कर सकते हैं

संजय बोले, सुरक्षा के साथ सेवा में भी जुटी है यूपी पुलिस

महाकुंभ नगर, 23 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रख्यात फिल्म कलाकार संजय मिश्र सोमवार को संगम की सैर पर थे। उन्होंने महाकुंभ की तैयारियों को देखकर योगी सरकार की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सुविधाओं के साथ इतना बड़ा मेला बसाना आसान काम नहीं है। योगी सरकार ने इसे कर दिखाया है।

संजय मिश्रा ने कहा कि महाकुंभ की तैयारियों को देखकर स्पष्ट हो रहा है कि योगी सरकार ने दिव्य,भव्य और सुरक्षित महाकुंभ के आयोजन का जो सपना देखा है वो साकार हो रहा है। अपनी विजिट के दौरान संजय मिश्रा ने रेत पर बस रहे तंबुओं के शहर का अलौकिक नजारा देखा और बोटिंग भी की।

बड़े पर्दे के साथ ही छोटे पर्दे के चहेते कलाकार संजय मिश्रा ने उत्तर प्रदेश पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को देखकर उसकी मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा यहां चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात है जो सुरक्षा के साथ-साथ सेवा भी कर रही है। इससे महाकुंभ में आने वाला हर श्रद्धालु अपने आप को सुरक्षित महसूस करेगा। उन्होंने महाकुंभ के दौरान प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं से भी अपील की कि यह मेला सभी का है। इसे साफ और स्वच्छ बनाए रखना सिर्फ सरकार या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हम सभी की जिम्मेदारी है। हर कोई अपने कर्तव्य का निर्वहन करे और योगी सरकार के स्वच्छ महाकुंभ के सपने को साकार करने में सहयोग करें। संजय मिश्रा ने विजिट के दौरान जुटी भीड़ के साथ भी संवाद किया और लोगों के साथ सेल्फी खिंचवाई।

10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी मिली : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 23 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मोदी सरकार ने पिछले डेढ़ साल में करीब 10 लाख युवाओं को स्थायी सरकारी नौकरी दी है। केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के उम्मीदवारों की योग्यता और प्रतिभा के आधार पर मिशन मोड में पारदर्शी तरीके से भर्ती प्रक्रिया का संचालन कर रही है। उन्होंने सोमवार को आयोजित रोजगार मेले के 14वें चरण के तहत केंद्र सरकार के नव चयनित भर्तियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। चंद्रायनगुट्टा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में रोजगार मेले को संबोधित करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि केंद्र स्टार्टअप इंडिया और स्टैंडअप इंडिया जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं के उद्यमशीलता कौशल का उपयोग करके निजी क्षेत्र में बड़ी संख्या में नौकरियां पैदा करने के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है, जिससे उन्हें नौकरी चाहने वालों से नौकरी देने वालों में बदला जा सके। उन्होंने युवाओं से सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए अवसरों का लाभ उठाने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य की दिशा में निर्धारित दूरदर्शी लक्ष्यों को प्राप्त करने में भागीदार बनने का आह्वान किया। किशन रेड्डी ने यह भी कहा कि भारत रक्षा उद्योग में आत्मनिर्भरता प्राप्त कर रहा है और वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के कारण भारत आयातक से निर्यातक बन गया है। रक्षा क्षेत्र में 2014 में निर्यात 900 करोड़ रुपये था, लेकिन अब भारत लगभग 15,000 करोड़ रुपये का निर्यात कर रहा है।

सरकारी स्कूल में ड्यूल डेस्क और शौचालय-सफाई मशीनें वितरित

हैदराबाद, 23 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष किशन रेड्डी ने सोमवार को सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाने की पहल के तहत सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत खैरताबाद विधानसभा क्षेत्र के फिल्म नगर सरकारी स्कूल में ड्यूल डेस्क और शौचालय सफाई मशीनें वितरित कीं।इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने सिकंदराबाद निर्वाचन क्षेत्र के स्कूलों में आवश्यक बुनियादी ढांचे की कमी को दूर करने के लिए चल रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा, हम विभिन्न स्कूलों को शौचालय, शौचालय सफाई मशीनें और फर्नीचर प्रदान कर रहे हैं और इसी तरह के कार्यक्रम पहले भी आयोजित किए गए हैं।मंत्री ने बताया कि काफी खर्च के बावजूद, कई सरकारी स्कूलों को अभी भी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे छात्र, विशेष रूप से लड़कियां मुश्किल स्थिति में हैं। उन्होंने गैर सरकारी संगठनों और सरकारी निकायों से इन स्कूलों में सुविधाओं को बेहतर बनाने में हाथ मिलाने का आग्रह किया।

किशन रेड्डी ने महात्मा गांधी, डॉ. बी.आर. अंबेडकर, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे प्रमुख नेताओं के उदाहरण देते हुए सरकारी स्कूलों के महत्व पर जोर दिया, जिन्होंने सभी सरकारी संस्थानों में पढ़ाई की है।

उन्होंने छात्रों को कड़ी मेहनत करने, शिक्षकों का सम्मान करने और अपने स्कूलों और परिवारों को गौरवान्वित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का आश्वासन देते हुए कहा, मैंने डीईओ मैडम से कहा कि मैं शौचालय निर्माण की लागत वहन करूंगा, चाहे कितना भी खर्च क्यों न हो। कक्षाओं और आस-पास की सफाई अच्छे स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

दमरे दो राष्ट्रीय प्रदर्शन दक्षता शील्ड से सम्मानित

हैदराबाद, 23 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) को 21 दिसंबर को प्रगति मैदान, नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 69वें रेलवे सप्ताह पुरस्कारों में दो प्रतिष्ठित अखिल भारतीय प्रदर्शन दक्षता शील्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पिछले वर्ष के दौरान जोन के असाधारण प्रदर्शन को दर्शाता है।दमरे को सिविल इंजीनियरिंग (पश्चिमी और दक्षिणी रेलवे के साथ संयुक्त रूप से) और सिविल इंजीनियरिंग और निर्माण (मध्य और पूर्व मध्य रेलवे के साथ संयुक्त रूप से) के लिए शील्ड प्राप्त हुई।यह पुरस्कार रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा एक समारोह के दौरान प्रदान किए गए, जिसमें देश भर के 101 रेलवे कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने जोन की ओर से शील्ड स्वीकार की, उनके साथ प्रमुख मुख्य अभियंता पीएस ब्रह्मानंदम और मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) सत्य प्रकाश भी थे।

राष्ट्रीय स्तर की इस मान्यता को प्राप्त करने में उनके नेतृत्व और समन्वय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।शील्ड के अलावा, छह एससीआर अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी अनुकरणीय सेवाओं के लिए अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2024 से सम्मानित किया गया। प्राप्तकर्ताओं में जाव्वाडी वेंकट अनूषा, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (गुंटूर), रामबाबू वाविलपल्ली, वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक (विजयवाड़ा), सुमित शर्मा, प्रिंसिपल, क्षेत्रीय रेलवे प्रशिक्षण संस्थान (मौला अली), एंथनी दोराई राज, मुख्य वाणिज्यिक निरीक्षक (मुख्यालय), पी. आदिनारायण, वरिष्ठ अनुभाग इंजीनियर (निर्माण, गुंटूर), और कमरापु विनोद, वरिष्ठ अनुभाग इंजीनियर (ओएचई, काजीपेट, सिकंदराबाद) शामिल हैं। अरुण कुमार जैन ने एससीआर के अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि उनकी प्रतिबद्धता ने क्षेत्र को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। उन्होंने चालू वित्तीय वर्ष में एससीआर के निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विश्वास व्यक्त किया। एससीआर द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि समारोह में विभिन्न रेलवे, उत्पादन इकाइयों और रेलवे के सार्वजनिक उपक्रमों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और दक्षता के लिए 22 शील्ड वितरित किए गए, जिससे उत्कृष्टता के प्रति भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया।

मिशन भगीरथ ने ग्रामीण जलापूर्ति शिकायतों के लिए 24/7 कॉल सेंटर शुरू किया

हैदराबाद, 23 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पंचायती राज, ग्रामीण विकास, ग्रामीण जलापूर्ति और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सीताक्का के आदेश पर एर्रामंजिल में मिशन भगीरथ मुख्यालय में एक समर्पित कॉल सेंटर शुरू किया गया है।

1800-599-4007 टोल-फ्री नंबर सोमवार से चालू हो गया। जिससे ग्रामीण निवासियों को जलापूर्ति में समस्याओं के बारे में शिकायत दर्ज करने के लिए एक मंच मिलेगा। 24/7 कॉल सेंटर में पांच कर्मचारी हैं, जिनका नेतृत्व एक अधीक्षक अभियंता करता है, ताकि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। दिन के दौरान प्राप्त कॉलों पर तुरंत ध्यान दिया जाएगा और उन्हें रिकॉर्ड किया जाएगा, जबकि रात में प्राप्त कॉलों को फॉलो-अप के लिए लॉग किया जाएगा। मिशन भगीरथ ईएनसी कृपाकर रेड्डी 24 घंटे के भीतर समाधान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिदिन सभी शिकायतों की समीक्षा करेंगे।यह पहल मंत्री सीताक्का की पद्भार ग्रहण करने के

बाद से जलापूर्ति समस्याओं को प्रभावी ढंग से संबोधित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कॉल सेंटर के कर्मचारी फील्ड टीमों के साथ संपर्क स्थापित कर कार्रवाई योग्य समाधान प्रदान करेंगे और मिशन भगीरथ की सेवाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित करेंगे। लीकेज को रोकने, आपूर्ति अंतराल को हल करने और बुनियादी ढांचे में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, विभाग ने गांवों में जल सहायकों को तुरंत मरम्मत करने और जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक जलापूर्ति व्यवस्था प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित किया है।इसके अलावा, विभाग ने 64,218 हैंडपंप, 45,882 सिंगल-फेज मोटर और 32,517 पाइप्ड वाटर सप्लाई (पीडब्ल्यूएस) मोटर की मरम्मत और जीर्णोद्धार किया है, जो एक दशक से अधिक समय से उपेक्षित थे। एक बयान के अनुसार, मिशन भगीरथ की पहलों में ग्रामीण समुदायों के बीच विश्वास पैदा करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी चल रहे हैं।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,620/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 89,200/-
(प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 78,540.17
+498.58 +0.64% ↑
एनएसई :23,753.45
165.95 (0.7%) ↑

विहिप ने तेलंगाना आवासीय जूनियर कॉलेजों में ईसाई धर्मांतरण माफिया का लगाया आरोप

हैदराबाद, 23 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. रविनुथला शशिधर ने आरोप लगाया कि तेलंगाना सरकार के आवासीय जूनियर कॉलेजों (टीजीआरजेसी) का उपयोग ईसाई धर्मांतरण गतिविधियों के केंद्र के रूप में किया जा रहा है।डॉ शशिधर ने इन संस्थानों में, विशेषकर हनुमकोंडा जिले के हसन पार्थी बालिका आवासीय महाविद्यालय में कथित धर्मांतरण को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की।

डॉ. शशिधर ने सोमवार को टीजीआरजेसी सचिव सीएच रमण कुमार से मुलाकात की और एक लिखित शिकायत प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने ईसाई धर्मांतरण माफिया के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग की।उन्होंने दावा किया कि कॉलेज के प्रिंसिपल इन गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे थे, धर्मांतरण का विरोध करने वाले छात्रों को परेशान कर रहे थे और छात्रों को प्रभावित करने के लिए ईसाई पादरियों को परिसर में आमंत्रित कर रहे थे।शिकायत में आरोप लगाया गया कि प्रिंसिपल ने पिछले 21 वर्षों में संस्थान को एक धार्मिक केंद्र में बदल दिया था और उन पर छात्रों को शारीरिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया गया था।

बताया गया कि कथित उत्पीड़न और डर के कारण कई छात्रों ने अपनी पढ़ाई छोड़ दी थी। इन दावों का समर्थन करते हुए डॉ. शशिधर ने सचिव को वीडियो और फोटोग्राफिक साक्ष्य उपलब्ध कराए।

विहिप प्रवक्ता ने मांग की कि राज्य सरकार इन गतिविधियों को रोकने के लिए तेजी से कार्रवाई करे और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाए। एक बयान के अनुसार, उन्होंने चेतावनी दी, अगर सरकार उचित कार्रवाई करने में विफल रहती है, तो विहिप सीधे हस्तक्षेप के लिए तैयार रहेगी।

मोहन बाबू की अग्रिम जमानत खारिज

हैदराबाद, 23 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पत्रकार पर हमले से संबंधित मामले में दिग्गज अभिनेता मंचू मोहन बाबू को झटका देते हुए तेलंगाना उच्च न्यायालय ने सोमवार को उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी।

मोहन बाबू ने स्वास्थ्य आधार पर अग्रिम जमानत मांगी थी। उनके वकील ने अदालत को बताया था कि उन्हें हृदय और तंत्रिका संबंधी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं। अदालत ने यह भी कहा कि मोहन बाबू फिलहाल तिरुपति में हैं।

हाल ही में अपने पौत्र को देखने दुबई गए मोहन बाबू अपने शिक्षण संस्थानों के कामकाज को देखने के लिए तिरुपति गए थे। हालांकि, सरकारी वकील ने अग्रिम जमानत याचिका का विरोध किया। बहसें सुनने के बाद अदालत ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी।

दिग्गज अभिनेता, जो पूर्व सांसद भी हैं, पर एक टेलीविजन चैनल के रिपोर्टर पर हमला करने के बाद हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था। रिपोर्टर घायल हो गया था और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

यह घटना 10 दिसंबर की रात को मोहन बाबू के जलपल्ली स्थित घर में मची अफरा-तफरी के दौरान हुई, जिसकी शुरुआत उनके अभिनेता बेटे मांचू मनोज के साथ हुए विवाद से हुई थी। राचकोंडा पुलिस ने शुरू में मोहन बाबू के खिलाफ भारत न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 118 (1) (खतरनाक हथियारों या पदार्थों से चोट पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज किया और बाद में धारा 109 (हत्या का प्रयास) जोड़ दी। तेलंगाना के समाचार चैनल टीवी9 के रिपोर्टर एम. सत्यनारायण की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई थी। मोहन बाबू ने टीवी रिपोर्टर पर उस समय हमला किया, जब वह वरिष्ठ अभिनेता और उनके अभिनेता बेटे मंचू मनोज के बीच चल रहे विवाद को कवर करने के लिए जलपल्ली स्थित उनके घर गया था। पत्रकारों ने पुलिस से हत्या के प्रयास का मामला दर्ज करने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया था। मोहन बाबू, जिन्हें उसी रात उच्च रक्तचाप और चिंता की शिकायत के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया था और दो दिन बाद छुट्टी दे दी गई थी, ने पत्रकार और टीवी9 से माफ़ी मांगी।

15 दिसंबर को, वह अपने बड़े बेटे और अभिनेता मांचू विष्णु के साथ अस्पताल भी गए और पत्रकार से मिले। उन्होंने एक बार फिर रिपोर्टर और उसके परिवार के सदस्य से माफ़ी मांगी।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, S KALPANA is legally Wedded Wife of Service No.14641035Y, Rank: HAV, Name: VISWANTHAN D, Unit: 873 FWC (626 EME Bn) C/o 56 APO, residing at H.No. 1/12, Mariyaman Street, Vill:VALLANDARAMAM, PO: VALLANDARAMAM, Teh: ANAICUT, Dist: VELLORE, State: TAMILNADU,Pin:632104, I have Changed my name from **S KALPANA** to **KALPANA S** my date of birth 19-11-1986, Affidavit signed by Advocate and Notary B Yadagiri, MMCP, BA, LLB

CHANGE OF NAME

I, SUSMITA L M spouse of Army No.6947239P HAV LAGAMANNA MAMAGOUDRA R/o.Adress: Hebballiagasi, Betageri Layout, Taj Colony, Navalgund road, Dharwad post: Dharwad, Teh: Dharwad, Dist: Dharwad, Karnataka - 580001 have changed my name from **SUSMITA L M** to **SUSMITA LAGAMANNA MAMAGOUDRA** vide affidavit dt:23-12-2024 before C Sameul, Bsc, LLB Advocate and notary.

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- | Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..............
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS Hyderabad Balanagar

सेबी ने भारत ग्लोबल डेवलपर्स के शेयरों में कारोबार पर रोक लगाई

नई दिल्ली,23 दिसंबर (एजेंसियां)।

पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सोमवार को भारत ग्लोबल डेवलपर्स लिमिटेड (बीजीडीएल) के कारोबार को निलंबित कर दिया है। सेबी की कार्रवाई के बाद बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर भारत ग्लोबल डेवलपर्स के शेयर 5 फीसदी की निचली सर्किट सीमा तक गिरकर 1,236.45 रुपये पर आ गए हैं।

सेबी ने बीजीडीएल के खिलाफ वित्तीय गलतबयानी, भ्रामक खुलासे, मूल्य हेरफेर और बढ़े हुए मूल्य पर शेयर बेचने के कारण ये कार्रवाई की है। सेबी ने भारत ग्लोबल डेवलपर्स लिमिटेड में अगले नोटिस तक स्टॉक में ट्रेडिंग को निलंबित कर दिया गया है। पूंजी बाजार नियामक ने कंपनी के प्रमोटरों पर भी प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे उन्हें अनिश्चितकाल के लिए पूंजी बाजार तक पहुंचने से रोक दिया गया है।

पूंजी बाजार नियामक ने अपने अंतरिम आदेश में तरजीही आवंटियों द्वारा शेयरों की बिक्री के जरिए कमाए गए 271.6 करोड़ के अवैध मुनाफे को जब्त कर दिया है।

इसके अलावा बाजार नियामक ने इसके प्रबंध निदेशक अशोक कुमार सेवाडा, मुख्य कार्यपालक अधिकारी मोहसिन शेख और कंपनी के निदेशकों दिनेश कुमार शर्मा, निराली प्रभातभाई करेथा और कई तरजीही शेयरों के आवंटियों को प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है। नियामक का यह आदेश 16 दिसंबर, 2024 को कंपनी के खिलाफ सोशल मीडिया पोस्ट और शिकायतें मिलने के बाद आई हैं।

उल्लेखनीय है कि बीएसई पर भारत ग्लोबल डेवलपर्स के शेयर 5 फीसदी की निचली सर्किट सीमा तक गिरकर 1,236.45 रुपये पर आ गए हैं। पिछले एक साल में कंपनी का शेयर 16 रुपये से बढ़कर 1702 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया।

न्यूज़ ब्रीफ

आयकर रिफंड प्राप्त करने के लिए अपने बैंक खाते को करें सत्यापित : आयकर विभाग

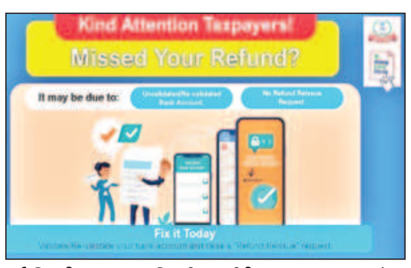

नई दिल्ली। आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने वाले करदाताओं को रिफंड प्राप्त करने के लिए उनके बैंक अकाउंट का सत्यापन जरूरी है। आयकर विभाग ने टैक्सपेयर्स को रिफंड पाने के लिए सलाह दी है कि वे अपने बैंक खाते को सत्यापित करें। आयकर विभाग ने सोमवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि यदि आपका रिफंड आपके बैंक खाते के सत्यापन/पुनः सत्यापन न होने के कारण विफल हो गया है, तो कृपया सुनिश्चित करें कि आपका बैंक खाता मान्य है या पुनः सत्यापन किया गया है, जैसा भी लागू हो। विभाग ने कहा कि करदाताओं कृपया ध्यान दें! यदि आपने अपने बैंक खाते के सत्यापन/पुनः सत्यापन के बाद रिफंड पुनः जारी करने का अनुरोध प्रस्तुत नहीं किया है, तो रिफंड पुनः जारी करने का अनुरोध प्रस्तुत करना न भूलें।

इंडिया सीमेंट्स के शेयर में 11 फीसदी का उछाल, इंडिया सीमेंट के शेयरों में पिछले एक साल में 47.12 फीसदी की तेजी आई

नई दिल्ली। इंडिया सीमेंट्स के शेयर ने सोमवार को बीएसई पर 11 फीसदी बढ़कर 376.30 रुपए पर पहुंच गया। इस तेजी का कारण भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) द्वारा अल्ट्राटेक सीमेंट के इंडिया सीमेंट्स में 32.72 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी को मंजूरी दे दी गई है। इस खबर का असर अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों पर भी पड़ा, जिन्होंने 1.4 फीसदी की बढ़ोतरी करके 11,585.40 रुपए के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। इंडिया सीमेंट्स की टॉप सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक ने इंडिया सीमेंट्स के प्रमोटर्स और अन्य शेयरहोल्डर्स से 10.14 करोड़ शेयरों को खरीदने की मंजूरी दी थी, जो एक प्राइमरी एक्विजिशन है। कंपनी ने सार्वजनिक शेयरधारकों को 390 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर कंपनी के 8.06 करोड़ शेयर हासिल करने के लिए ओपन ऑफर भी दिया। इसमें अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में भी वृद्धि हुई और कंपनी ने हाल ही में सीसीआई की मंजूरी प्राप्त की। इंडिया सीमेंट सॉउथ इंडिया की बड़ी सीमेंट कंपनियों में से एक है और इसके शेयरों में पिछले एक साल में 47.12 फीसदी की तेजी आई है। अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर चार्ट पर अपने सभी अहम एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज से काफी ऊपर है और ट्रेंडलाइन के आंकड़ों के अनुसार इसका आरएसआई मिड-रेंज लेवल पर हैं।

2024-25 में पश्चिम बंगाल का राजस्व व्यय, पूंजीगत व्यय से अधिकः रिपोर्ट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल का एक राजकोषीय व्यय रेटिंग एजेंसी की नजर में 2024-25 वित्त वर्ष की पहली छमाही में इसके पूंजीगत व्यय से अधिक हो गया है। रेटिंग एजेंसी के अनुसार इससे राजस्व व्यय और राजकोषीय व्यय के बीच बढ़ते असंतुलन का पता चलता है, जो भारतीय राज्यों में देखे गए व्यापक रुझानों के अनुरूप है। रेटिंग एजेंसी की ताजा रिपोर्ट में बताया गया है कि पश्चिम बंगाल ने राजस्व व्यय में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जबकि पूंजीगत व्यय केवल 7.7 प्रतिशत बढ़ा है। रिपोर्ट में इस वृद्धि की जिम्मेदार कारण चुनावी वादों के लिए मुफ्त उपहार, आय सहायता और ऋण माफी को लागू करना बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में पश्चिम बंगाल के राजस्व व्यय मजबूत रहा है और यह अन्य राज्यों की तुलना में उत्तम है।

मक्का से चमकेगी किसानों की किस्मत

नई दिल्ली। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के लिए खेती की विविधता में बदलाव की बहस हमेशा सम्मोहित करती रही है। सभी क्षेत्रों में किसानों के लिए यह एक सबसे महत्वपूर्ण विषय बन गया है। दुनिया भर में खानपान के लिए मांग का ताजा अध्ययन करते हुए विशेषज्ञों ने आगामी समय में किसानों के लिए अच्छे नतीजे देने के लिए अनाज की विविधता में रूचि दिखाई। मक्के और गन्ने के इथेनॉल प्रोडक्ट्स की पेशकश किसानों के लिए नए दरवाजे खोल सकती है। इंडो एग्री फ्यूचर फूड समिट में विशेषज्ञों ने एक मायने में उत्पन्न होने वाली समस्याओं की चिंता जताई। वे मानते हैं कि आने वाले समय में अनाज की मांग की पूर्ति करना एक विपरीत चुनौती हो सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अमेरिकी प्रतिबंध...

प्रतिबंध लगाए गए थे। इस तरह की कार्रवाइयां इस्लामाबाद के मिसाइल शस्त्रागार में तकनीकी प्रगति को लेकर वाशिंगटन की बढ़ती चिंता को रेखांकित करती हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने 19 दिसंबर को इन चिंताओं को पुख्ता करते हुए कहा था कि हथियारों के प्रसार के विरोध में अमेरिका का स्टैंड स्पष्ट और सुसंगत रहा है। प्रतिबंध पर पाकिस्तान की तरफ से आई प्रतिक्रिया के जवाब में मिलर ने पाकिस्तानी आरोपों को निराधार बताया और कहा कि हथियारों के प्रसार के मामले में अमेरिका दोहरे मापदंड नहीं अपनाता, लेकिन इस बात पर नजर जरूर रखता है कि हथियारों का बेजा और आतंकी इस्तेमाल न हो।पाकिस्तान ने कहा है कि इन प्रतिबंधों से क्षेत्र की रणनीतिक स्थिरता पर खतरनाक प्रभाव पड़ सकता है। पाकिस्तान की प्रतिक्रिया को रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञ इस्लामाबाद की बौखलाहट और उसकी गहरी निराशा मानते हैं। इस बौखलाहट का मतलब ही है कि पाकिस्तान परमाणु हथियारों को विकसित करने के साथ-साथ इस्लामिक ताकतों को उसकी तकनीक मुहैया कराने की भी हरकतों में लगा था। यही वजह है कि परमाणु अप्रसार के सिद्धांतों के तहत लगाए गए प्रतिबंध से पाकिस्तान परेशान हो उठा। अमेरिका या अन्य विकसित देश यह जानते हैं कि ऐसा खतरा भारत से कतई नहीं है, इसीलिए अमेरिका समेत कई विकसित देशों से भारत को उन्नत सैन्य हथियार और तकनीक मिलना जारी है।अमेरिका ने ये प्रतिबंध ऐसे समय में लगाए गए हैं जब पाकिस्तान पहले से ही गंभीर आर्थिक और राजनीतिक संकटों से जूझ रहा है। देश की बिगड़ती अर्थव्यवस्था और आंतरिक राजनीतिक अस्थिरता के कारण यह बाहरी दबावों को लेकर विशेष रूप से संवेदनशील है। पाकिस्तान के महत्वपूर्ण रक्षा और वाणिज्यिक क्षेत्रों को लक्षित करने वाले अमेरिकी प्रतिबंध से पाकिस्तान की सैन्य तैयारी और रणनीतिक सक्रियता मुश्किल में पड़ गई है। पाकिस्तान यह मानता है कि क्षेत्रीय शक्ति संतुलन बनाए रखने के लिए उसका मिसाइल कार्यक्रम जरूरी है। भारत की बढ़ती पारंपरिक सैन्य क्षमता और आधुनिक परमाणु क्षमता से पाकिस्तान चिंतित है। अमेरिका और दूसरे पश्चिमी देशों के साथ साझेदारी के जरिए भारत द्वारा अपने सैन्य शस्त्रागार का तेजी से आधुनिकीकरण करना लंबे समय से इस्लामाबाद के लिए चिंता का विषय रहा है। इस संदर्भ में, पाकिस्तान में शाहीन सीरीज जैसी लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का विकास एक जरूरी जवाबी उपाय के तौर पर देखा जाता है। अमेरिकी प्रतिबंध से इस जवाबी उपाय पर निश्चित संकट खड़ा हो गया है।रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि अमेरिका की चिंता केवल दक्षिण एशिया ही नहीं है। अमेरिका का तर्क और उसकी चिंता है कि पाकिस्तान के मिसाइल कार्यक्रम के घातक वैश्विक परिणाम हो सकते हैं, क्योंकि इस बात का पूरा अंदेशा है कि पाकिस्तान परमाणु तकनीक को अन्य देशों या गैर-सरकारी ताकतों के साथ साझा कर सकता है। विश्व की यह चिंता पाकिस्तान के प्रसार-संबंधी विवादों के इतिहास से और बढ़ जाती है, जिसमें कुख्यात एक्यू खान नेटवर्क की कट्टर इस्लामिक शक्तियों के लिए परमाणु तकनीक की तस्करी की हरकतें शामिल है। पाकिस्तान द्वारा आतंकवादी समूहों को पनाह देने और इस्लामाबाद की बीजिंग के साथ बढ़ती संदेहास्पद नजदीकियों ने भी विश्व की चिंता में इजाफा किया है। हालांकि अमेरिकी प्रतिबंध से बौखलाया पाकिस्तान चीन से और नजदीकियां बढ़ाने की कोशिश करेगा। चीन पहले से ही पाकिस्तान को महत्वपूर्ण सैन्य और आर्थिक सहायता प्रदान कर रहा है।

आतंकवाद के...

भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आंकड़े देखें तो सितंबर 2013 और सितंबर 2024 के बीच एक बड़ा बदलाव दिखाई देता है। खाड़ी सहयोग परिषद के सदस्य देशों का भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आज 24.54 अरब डॉलर से ज्यादा हो चुका है। इसकी अप्रैल 2000 से सितंबर 2013 के बीच के निवेश से तुलना करें तो तब इन्हीं देशों का निवेश 3.046 अरब डॉलर होता है। जबकि आज का निवेश इससे आठ गुणा से ज्यादा बढ़ चुका है।दो दिवसीय कुवैत दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों देशों के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध और भारतीय प्रवासियों के योगदान को भारत का सॉफ्ट पावर करार दिया। पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय सभ्यता और विरासत हमारे सॉफ्ट पावर की नींव है। यह ताकत पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ी है। इसमें सिनेमा, खान-पान और पर्यटन क्षेत्र की बड़ी भूमिका है। कुवैत की एक समाचार एजेंसी को दिए साक्षात्कार में पीएम मोदी ने कहा कि कुवैत और खाड़ी देशों में भारतीय फिल्मों का निर्माण खूब होता है। यह दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों का उदाहरण है। कुवैत के लोग भी भारतीय सिनेमा को पसंद करते हैं। यहां पर भारतीय फिल्मों और अभिनेत-ाओं पर तीन साप्ताहिक शो चलते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि ठीक ऐसे ही भारत और कुवैत के भोजन और पाक कला में भी कई समानताएं हैं। सदियों से दोनों देशों के लंबे संपर्क के कारण भाषा की समानता और शब्दावली भी समान है। एक ओर जहां भारत विविधता, शांति और सहिष्णुता पर जोर देता है जो कुवैत के बहु सांस्कृतिक सामाजिक मूल्यों से मेल खाता है। एक कुवैती विद्वान ने रामायण और महाभारत का अरबी अनुवाद किया। पर्यटन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत का पर्यटन क्षेत्र भी इसकी सॉफ्ट पावर है। 43 यूनेस्को विश्व धरोहरों के साथ हम पर्यटन सुविधाओं को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। भारत इतिहास, संस्कृति और प्राकृतिक सुंदरता का अनूठा मिश्रण है। भारत में पर्यटन के अनूठे अवसर कुवैत को सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने का न्योता देते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कुवैत के विकास में भारतीयों ने डॉक्टर, व्यवसायी, निर्माण श्रमिक, इंजीनियर, नर्स और अन्य पेशेवरों के तौर पर अहम योगदान दिया है। पीएम ने कहा कि जैसे-जैसे भारत और कुवैत के संबंध रणनीतिक साझेदारी की ओर बढ़ेंगे तो यहां भारतीय समुदाय की भूमिका में इजाफा होगा। मुझे यकीन है कि कुवैत का शीर्ष नेतृत्व भारतीय समुदाय की इस भूमिका का पहचानेगा और समर्थन देगा।पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच ऊर्जा द्विपक्षीय साझेदारी एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। पिछले वर्ष दोनों देशों के बीच व्यापार 10 अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर गया। यह हमारी साझेदारी के गहरे विश्वास और पारस्परिक लाभ को दर्शाता है। भारत-कुवैत लगातार ऊर्जा क्षेत्र में शीर्ष 10 व्यापारिक साझेदारों में शुमार हैं। भारतीय कंपनियां कुवैत से कच्चे तेल, एलपीजी और पेट्रोलियम उत्पादों का आयात करती हैं। जबकि कुवैत को पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात भी करती हैं। कुवैत भारत का छठा सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता और चौथा सबसे बड़ा एलपीजी आपूर्तिकर्ता है। पीएम मोदी ने कहा कि आगे सहयोग की अपार संभावनाएं हैं, क्योंकि भारत तीसरा सबसे बड़ा वैश्विक ऊर्जा, तेल और एलपीजी उपभोक्ता बनकर उभर रहा है।पीएम ने कहा कि भारत को ग्लोबल साउथ की आवाज उठाने का मौका मिला है। हम साथी देशों की चिंताओं को भी समझते हैं। संघर्षों और खाद्य, ईंधन और उर्वरक की चुनौतियों ने वैश्विक दक्षिण क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित किया है। वे जलवायु परिवर्तन को भी झेल रहे हैं। भारत वैश्विक दक्षिण के लिए एक विश्वसनीय साझेदार, संकट के वक्त प्रथम प्रतिक्रियादाता, जलवायु कार्रवाई में अग्रणी तथा समावेशी वृद्धि एवं विकास का समर्थक है।कुवैत समाचार एजेंसी (केयूएनए) को दिए एक साक्षात्कार में पीएम मोदी ने उन प्रयासों में मदद करने की इच्छा व्यक्त की, जिससे गाजा और यूक्रेन में शीघ्र शांति की बहाली हो सके। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि युद्ध के मैदान में ऐसे संघर्षों का समाधान नहीं खोजा जा सकता। उन्होंने मतभेदों को दूर करने तथा बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने के लिए हितधारकों के बीच ईमानदार और व्यावहारिक सहभागिता के महत्व पर बल दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने फलस्तीन के लिए एक संप्रभु, स्वतंत्र और सक्षम राज्य की स्थापना के वास्ते बातचीत द्वारा दो-देश समाधान के प्रति भारत के समर्थन को भी दोहराया।जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को लेकर पीएम ने कहा कि हम कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन से बड़ी कोई चुनौती नहीं है। हमें इसे लेकर सामूहिक कार्रवाई करने की जरूरत है। इसके लिए साथ आना होगा। भारत के नेतृत्व वाली हरित पहलों को सभी देशों के लिए जलवायु परिवर्तन से सामूहिक रूप से निपटने, पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने, आपदा-रोधी बुनियादी ढांचे का निर्माण करने और स्वच्छ ऊर्जा की ओर वैश्विक बदलाव को आगे बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में माना।

मुठभेड़ में ...

ऑपरेशन की अगुवाई पीलीभीत के एसपी अविनाश पांडेय ने की। मारे गए तीनों आतंकी गुरदासपुर के रहने वाले थे। इस ऑपरेशन में यूपी पुलिस की एसओजी और सर्विलांस टीम के साथ पंजाब पुलिस की टीम भी शामिल थी। उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि यह मुठभेड़ अपराधियों के लिए सख्त संदेश है कि कानून से बच पाना नामुमकिन है। डीजीपी प्रशांत कुमार ने इस मुठभेड़ को पुलिस की बड़ी कामयाबी करार दिया है।तीनों खालिस्तानी आतंकियों ने कुछ दिन पहले पंजाब के गुरदासपुर जिले में एक पुलिस चौकी पर ग्रेनेड से हमला किया था। इसके बाद से पंजाब पुलिस इनकी तलाश कर रही थी। इसी बीच इन आतंकियों के यूपी में छिपे होने के सुराग पंजाब पुलिस को मिले। इसके बाद पंजाब पुलिस इनकी तलाश करती हुई पीलीभीत पहुंची। पंजाब पुलिस ने यूपी पुलिस की मदद से आतंकियों की घेराबंदी की। इसके बाद इन्हें पुलिस ने सरेंडर करने के लिए कहा। आतंकियों ने पुलिस पर गोलियां चलाईं। नतीजतन तीनों आतंकी मारे गए। मुठभेड़ में माधोटांडा थाने के सिपाही सुमित राठी और एसओजी के सिपाही मोहम्मद शाहनवाज घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।खालिस्तानी कमांडो फोर्स के तीनों आतंकी पंजाब के गुरदासपुर में पुलिस चौकी पर हमले के मामले में वांछित थे। पंजाब पुलिस को इनकी तलाश थी। तीनों की लोकेशन पीलीभीत के पूरनपुर में मिली। इस पर पंजाब पुलिस ने पीलीभीत पुलिस की मदद से सोमवार तड़के तीनों आरोपियों की घेराबंदी कर दी। तीनों आतंकी बाइक से भाग रहे थे। पीलीभीत हरदोई ब्रांच नहर के पास घिरे आतंकियों ने पुलिस पर गोलियां चलाईं और वहीं मुठभेड़ में ढेर हो गए। तड़के पूरा इलाका गोलियां से दहल उठा। आसपास के गांवों में दहशत फैल गई। लोग समझ नहीं पा रहे थे कि आखिर हुआ क्या। आतंकियों ने एके-47 और पिस्तौल से पुलिस टीम पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। दो सिपाही जख्मी हो गए और पुलिस की गाड़ी में भी गोलियों से सुराख हो गए। मौके से एक बाइक भी बरामद हुई है।

अभिनेता अल्लू ...

इससे भी संदेह बढ़ा है कि अभिनेता के घर पर हमला करने वाले छह लोगों को बिना किसी शर्त और जुर्माने के जमानत दे दी गई। बीआरएस ने भी हमले को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है।बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने आरोप लगाया कि अल्लू अर्जुन के आवास पर हमले की घटना शासन की पूर्ण विफलता थी। उन्होंने यह भी कहा कि 2024 में हैदराबाद में 35,944 से अधिक अपराध के मामले सामने आए हैं। दूसरी तरफ भाजपा सांसद डीके अरुणा ने दावा किया कि अभिनेता के घर पर तोड़फोड़ करने वालों में से चार लोग मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के विधानसभा क्षेत्र कोडंगल के हैं। उन्होंने कहा कि इससे यह संदेह पैदा हो रहा है कि हमले के पीछे कांग्रेस की साजिश थी। अभिनेता के घर पर हुए हमले में पकड़े गए एक हमलावर रेड्डी श्रीनिवास की तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें वह सीएम रेवंत रेड्डी के साथ है। बीआरएस नेता कृषांक ने आरोप लगाया है कि रेड्डी श्रीनिवास 2019 के जिला परिषद प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र (जेडटीपीसी) चुनावों में रेवंत रेड्डी और कोडंगल कांग्रेस उम्मीदवार का करीबी सहयोगी था।अभिनेता के घर पर हुए हमले को लेकर हैदराबाद पुलिस मामले पर पर्दा डालने की लगातार कोशिश कर रही है। डीसीपी वेस्ट जोन का कहना है कि कल शाम कुछ लोग प्लेकार्ड लेकर अचानक अल्लू अर्जुन के घर पहुंचे और नारेबाजी करने लगे। इनमें से एक व्यक्ति ने कंपाउंड पर चढ़कर टमाटर फेंकना शुरू कर दिया। जब सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें दीवार से उतरने को कहा और मना किया, तो उनकी बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद गुस्साए लोग दीवार से नीचे उतरे और सुरक्षाकर्मियों के साथ मारपीट की और रैंप पर रखे कुछ फूलों के गमले तोड़ दिए। आरोपियों का कहना है कि वो वहां शांति से प्रदर्शन करने गए थे। उन्होंने अपने बचाव में तोड़फोड़ की। पुलिस की यह झूठी कहानी हैदराबाद के लोगों में चुटकुले की तरह ली जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हमलावर स्पष्ट तौर पर उस्मानिया विश्वविद्यालय ज्वाइंट एक्शन कमेटी के लोग थे। पुलिस उन्हें बचाने के लिए झूठी कहानी फैला रही है।

देश के विकास...

पीएम ने कहा कि देश के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और संस्थानों में सरकारी नौकरियां देने का अभियान चल रहा है।प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछली किसी भी सरकार के कार्यकाल में युवाओं को ऐसे भारत सरकार में स्थायी नौकरी नहीं मिली। आज न सिर्फ लाखों युवाओं को सरकारी नौकरी मिल रही है बल्कि ये नौकरियां पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ दी जा रही हैं। मुझे खुशी है कि पारदर्शी परंपरा से आने वाले युवा भी पूरी निष्ठा और ईमानदारी से देश की सेवा में जुटे हैं। देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने का हमारा संकल्प है। हमें इस संकल्प और इस लक्ष्य को प्राप्त करने का पूरा भरोसा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरकार पिछले दशक की कई नीतियां लेकर आई। मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत अभियान, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया, डिजिटल इंडिया, हर योजना युवाओं को केंद्र में रखकर बनाई गई है। भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में अपनी नीतियों में बदलाव किया। भारत ने अपने रक्षा क्षेत्र में निर्माण को बढ़ावा दिया और इसका सबसे ज्यादा लाभ युवाओं को हुआ। आज भारत का युवा नए आत्मविश्वास से भरा हुआ है। हर क्षेत्र में सफलता का झंडा बुलंद कर रहा है। पीएम ने कहा कि हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। आज जब कोई युवा अपना स्टार्टअप शुरू करने का फैसला करता है, तो उसे पूरा इकोसिस्टम मिलता है। जब कोई युवा खेलों में अपना करियर बनाने की योजना बनाता है, तो उसे विश्वास होता है कि वह असफल नहीं होगा। आज खेलों में प्रशिक्षण से लेकर टूर्नामेंट तक हर कदम पर युवाओं के लिए आधुनिक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।पीएम ने कहा कि आज भारत मोबाइल निर्माण क्षेत्र में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। आज अक्षय ऊर्जा से लेकर जैविक खेती, अंतरिक्ष क्षेत्र से लेकर रक्षा क्षेत्र तक, पर्यटन से लेकर वेलनेस तक देश हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। पीएम मोदी ने कहा, रोजगार मेला युवाओं को राष्ट्र निर्माण और आत्म सशक्तिकरण में उनकी भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करने की दिशा में एक कदम है। देश में सच्चा विकास सुनिश्चित करने के लिए हमें युवा प्रतिभा को और निखारना होगा। यह जिम्मेदारी वास्तव में शिक्षा प्रणाली पर है। पहले पाबंदियों के कारण जो शिक्षा व्यवस्था छात्रों पर बोझ बन जाती थी, वो अब उन्हें नए विकल्प दे रही है। अटल टिंकरिंग लैब्स और आधुनिक पीएम श्री स्कूलों के जरिये बचपन से ही नए दिमागी नवाचार को गढ़ा जा रहा है।उन्होंने कहा कि यह परिवर्तनकारी कदम विविध भाषाई पृष्ठभूमि के छात्रों को सशक्त बनाता है, सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करता है और शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है। भाषा कभी हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए शिक्षा में एक बड़ी बाधा थी। हमने इस अंतर को पाटने के लिए अपनी नीतियों में क्रांतिकारी बदलाव किया है। आज छात्र 13 भाषाओं में से किसी में भी परीक्षा देने का विकल्प चुन सकते हैं। पीएम ने कहा कि भारत के युवाओं की क्षमता और प्रतिभा का पूरा उपयोग हमारी सरकार की प्राथमिकता है। हम अपनी पहलों के माध्यम से इस दिशा में निरंतर काम कर रहे हैं। पीएम ने कहा कि आज हजारों बेटियों को भी नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। इनकी सफलता दूसरी महिलाओं को प्रेरित करेगी। हमारा प्रयास है कि हर क्षेत्र में महिलाएं आत्मनिर्भर बनें।

किसी भी सांसद...

जब पत्रकारों ने सीआईएसएफ के डीआईजी से पूछा कि सांसदों ने एक-दूसरे पर धक्का देने का आरोप लगाया है, तो डीआईजी श्रीकांत ने कहा कि सीआईएसएफ ने इस मसले पर चुप रहने का फैसला लिया है। सीआईएसएफ ने स्पष्ट किया कि संसद भवन में सुरक्षा के सभी नियमों का पालन किया गया था और कोई भी सुरक्षा उल्लंघन नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि उनकी टीम ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए थे।उल्लेखनीय है कि संसद भवन में पिछले हफ्ते हुई धक्कामुक्की और झड़प में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो सांसद प्रताप चंद्र सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए थे। राहुल गांधी की अगुआई में यह झड़प विपक्षी सांसदों और सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों के बीच हुई थी। इस घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए। भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इस प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी ने भाजपा सांसदों को धक्का दिया और झड़प के दौरान विपक्षी सांसदों को उकसाया।

कुलपति सुवोमय...

उनसे सिर्फ इतना ही लिखवाया गया, मैं इस्तीफा देती हूं। और उनका इस्तीफा स्वीकृत कर लिया गया।जेहादियों के दबाव में इस्तीफा लिखने वालों में काज़ी नजरुल विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर और लोक प्रशासन और गवर्नेंस स्टडीज विभाग के अध्यक्ष संजय कुमार मुखर्जी भी शामिल हैं। इस्तीफा लिए जाने के बाद भी कट्टरपंथी उनकी जान के पीछे पड़े हैं। उन्होंने भारत सरकार से प्राण रक्षा की गुहार लगाई है। इसी तरह ढाका विश्वविद्यालय के गणित विभाग के प्रोफेसर डॉ. चंद्रनाथ पोद्दार से जबरन इस्तीफा लिया गया।जिन प्रोफेसरों से जबरन इस्तीफा लिया गया उनमें होली फैमिली नर्सिंग कॉलेज की सहायक प्रोफेसर सोनाली रानी दास, पुलिस लाइन हाई स्कूल एंड कॉलेज, ठाकुरगांव के प्रधानाचार्य भुवेश चंद्र रॉय, काज़ी नजरुल इस्लाम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सौमित्र शेखर, पुराण बाजार डिग्री कॉलेज, चांदपुर के प्रधानाचार्य रतन कुमार मजूमदार, कुलपति कुएट डॉ. मिहिर रंजन हलदर, कपोतक्ष महाविद्यालय, कोइर, खुलना के प्रधानाचार्य अद्रीश आदित्य मंडल, कुलपति बुएट डॉ. सत्य प्रसाद मजूमदार, बीएनसी की प्रधानाचार्य केका रॉय चौधरी, झेनाइदाह कलेक्टरेट स्कूल एंड कॉलेज के भौतिकी विभाग के शिक्षक कंचन कुमार विश्वास, निदेशक, आईक्यूएसी, आरयू डॉ. दुलाल चंद्र रॉय, जनसंपर्क प्रशासक, अरबी डॉ. प्रणब कुमार पांडे, सहायक प्रोक्टर, राबी डॉ. पुरंजीत महलदार, सहायक प्रोक्टर, अरबी डॉ. रतन कुमार, सथिया पायलट मॉडल स्कूल, पबना के डॉ. विजय कुमार देबनाथ, आज़िमपुर गवर्नमेंट गर्ल्स स्कूल के सहायक शिक्षक गौतम चंद्र पाल, अनवर खान मॉडर्न नर्सिंग कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. तापसी भट्टाचार्य, जेसोर कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग एंड मिडवाइफरी की इंचार्ज खुकी बिस्वास, खान साहेब कमरुद्दीन कॉलेज (प्रोसेसिंग) के प्रधानाचार्य डॉ. चयान कुमार रॉय, मनीरामपुर आदर्श माध्यमिक विद्यालय (प्रोसेसिंग) के प्रधानाचार्य बिस्वजीत कुमार, आज़िमपुर गर्ल्स स्कूल की प्रधानाचार्य गीता अंजलि बरुआ, चटगांव कॉलेज की उप-प्रधानाचार्य सुभ्रता विकास बरुआ, बार्डेम नर्सिंग कॉलेज (प्रोसेसिंग) की प्रधानाचार्य नानी बागची, मदारीपुर नर्सिंग इंस्टीट्यूट की धारित्री, मदारीपुर नर्सिंग इंस्टीट्यूट के प्रदीप, गाजी मेडिकल कॉलेज, खुलना के प्रधानाचार्य प्रोफेसर डॉ. बंगा कमल बोस, एम अब्दुर रहीम मेडिकल कॉलेज, दिनाजपुर के एनाटॉमी विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. कांता रॉय मिमी, खुलना विश्वविद्यालय के कोषाध्यक्ष प्रोफेसर अमित रॉय चौधरी, राजशाही विश्वविद्यालय रेजिडेंट प्रोफेसर सुबेन कुमार और दिलीप कुमार, जगन्नाथ विश्वविद्यालय की प्रोवोस्ट प्रोफेसर डॉ. दीपिका रानी सरकार, अशरफ अली मल्टीपर्पस हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक राधा गोविंद, किशोरगंज नर्सिंग कॉलेज के प्रधानाचार्य दीपान दत्ता, फेनी नर्सिंग कॉलेज की प्रधानाचार्य ब्यूटी मजुमदार, जहरुल हॉल कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग की प्रधानाचार्य अल्पना बिस्वास, अनवर खान मॉडर्न नर्सिंग कॉलेज की प्रधानाचार्य तापसी भट्टाचार्य, उप-कुलपति, चबी प्रोफेसर बिनु कुमार देय, विद्यनिकेतन हाई स्कूल, नारायणगंज के प्रधानाध्यापक ऊम कुमार साहा, खागरिया मल्टीपर्पस हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक अनुपम महाजन, दीदार मॉडल हाई स्कूल, आदर्श सदर, कोमिला के प्रधानाध्यापक महादेव चंद्र देय, चटगांव कॉलेज के रसायन शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. कनक कुमार बारुआ, चटगांव कॉलेज के सहायक प्रोफेसर डॉ. बाबुल चंद्र नाथ, चटगांव कॉलेज के वनस्पति विज्ञान के सहायक प्रोफेसर समीर कांति नाथ, चटगांव कॉलेज के रसायन शास्त्र विभाग के प्रोफेसर अजय कुमार दत्ता और सुभाष चंद्र दास, चटगांव कॉलेज के प्रधानाचार्य अर्पण कुमार चौधरी, चटगांव कॉलेज के दर्शनशास्त्र विभाग के प्रोफेसर कृष्णा बरुआ, चटगांव कॉलेज की उप प्रधानाचार्य शुभ्रता विकास बरुआ, सेटाबगंज सरकारी कॉलेज के इंचार्ज सुबोध चंद्र रॉय, सेटाबगंज सरकारी कॉलेज के कार्यालय सहायक निर्मल चंद्र रॉय वगैरह शामिल हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 24 दिसंबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

एसएलबीसी की 43वीं तिमाही समीक्षा बैठक सम्पन्न

तेलंगाना में तेजी से विकास होगा : उपमुख्यमंत्री

हैदराबाद, 23 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने कहा कि आने वाले दिनों में राज्य में तेजी से विकास होगा और व्यापक कल्याणकारी कार्यक्रम होंगे। उन्होंने सोमवार को यहां प्रजा भवन में बैंकर्स की बैठक के दौरान उक्त विचार व्यक्त किये।

विक्रमार्क ने इस बात पर प्रकाश डाला कि राष्ट्र जल्द ही तेलंगाना की प्रगति से अभिभूत हो जाएगा। राज्य सरकार ने मुसी नदी पुनरुद्धार कार्यक्रम को एक प्रतिष्ठित परियोजना के रूप में लिया है, जबकि कौशल विकास, खेल विश्वविद्यालयों और दवा कंपनियों के लिए बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य चल रहे हैं।उन्होंने बैंकर्स से तेलंगाना राइजिंग के आदर्श वाक्य के साथ दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। उपमुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि क्षेत्रीय रिंग रोड के निर्माण के लिए अनुमति प्राप्त कर ली गई है, जिसके लिए जल्द ही निविदाएं आमंत्रित की जाएंगी। उन्होंने बैंकर्स से कृषि ऋण जारी करने में तेजी लाने का आह्वान किया, इस बात पर जोर देते हुए कि विलंबित ऋण किसानों को लाभ पहुंचाने में विफल रहेंगे।2024 खरीफ सीजन के लिए लक्ष्य 54,480 करोड़ रुपये था और 44,438 करोड़ रुपये जारी किए गए, जो लक्ष्य का 81.57 प्रतिशत है। विक्रमार्क ने बैंकर्स से रबी सीजन के ऋण के लिए प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया, क्योंकि अभी एक महीना बाकी है। राज्य के आर्थिक विकास में बैंकर्स की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए उन्होंने जीडीपी वृद्धि में उनके योगदान की सराहना की। हालांकि, उन्होंने बताया कि ऋण चुकौती में वृद्धि हुई है, लेकिन ऋण स्वीकृति में कमी आई है, जो आदर्श नहीं है।

विक्रमार्क के अनुसार, राज्य सरकार ने किसानों के लिए ऋण माफी योजना के तहत सिर्फ दो महीनों में बैंकों को 21,000 करोड़ रुपये जमा किए थे, जो एक ऐतिहासिक कदम है। उपमुख्यमंत्री ने टर्म लोन मंजूरी में लक्ष्य को पार करने के लिए बैंकर्स को भी बधाई दी। उन्होंने मशीनीकृत कृषि उपकरणों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया और बैंकर्स से कृषि मशीनरी और तेल ताड़ की खेती के लिए ऋण मंजूर करने में अधिक उदार होने का आग्रह किया। विक्रमार्क ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को ऋण प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया, जो बड़े पैमाने पर आजीविका के अवसर पैदा करने, माल उत्पादन को बढ़ावा देने और जीडीपी बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने आगाह किया कि केवल कॉर्पोरेट कंपनियों को ऋण देने से अर्थव्यवस्था कुछ व्यक्तियों के हाथों में केंद्रित हो जाएगी। राज्य सरकार महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए सालाना 20,000 करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त ऋण की पेशकश कर रही है, जिसका लक्ष्य अगले पांच वर्षों में एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाना है। इसके अतिरिक्त, 1,000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए स्वयं सहायता समूहों के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसमें सौर ऊर्जा उत्पादन में 4,000 मेगावाट का लक्ष्य है। विक्रमार्क ने बैंकरों से उचित वित्तपोषण के साथ हरित ऊर्जा पहलों का समर्थन करने का आग्रह किया। राज्य सरकार द्वारा रैतु भरोसा जैसे विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों के तहत किसानों के लिए धन आवंटित करने और एससी, एसटी और बीसी समुदायों का समर्थन करने के साथ, उपमुख्यमंत्री ने इन वर्गों के लिए सब्सिडी और मिलान अनुदान के रूप में ऋण के लिए योजना तैयार करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इन मुद्दों की उपेक्षा करने के लिए पिछली सरकार की आलोचना की।

शमशाबाद में इमारत में लगी आग

हैदराबाद, 23 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शमशाबाद में सोमवार दोपहर एक इमारत में आग लग गई। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, शमशाबाद रोड पर स्थित बैटरी निर्माण और भंडारण इकाई में आग लग गई। सूचना मिलने पर दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाई। आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल के स्वास्थ्य जांच शिविर का सैंकडों ने लाभ लिया

हैदराबाद, 23 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा निर्मला देवी कैलाश चंद केडिया चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से 138वां निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर रंगारेड्डी जिला के श्रीराम कॉलोनी स्थित श्री विद्या भारती हाई स्कूल में आयोजित किया गया।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, किम्स सनशाइन अस्पताल द्वारा सामान्य जांच, ईएनटी, आर्थोपेडिक, कार्डियोलॉजी, ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप आदि की जांच की गई। इसमें डॉ. निहारिका (ऑर्थो), डॉ रेड्डी कुमारी (जनरल फिजिशियन), निरोशा (नर्सिंग) निर्मल (2डी इको), मोहन(बीएमडी), प्रियंका (नर्सिंग), एलेना थॉमस (नर्सिंग) ने अपनी सेवा प्रदान की। मेगा मेडिकल कैंप में एलसीएस डूंडू नेत्र संस्थान द्वारा निशुल्क नेत्रों की जांच डी. वेंकटेश्वर राव, हसन अली खान तकनीशियन, अब्दुल तकनीशियन ने किया अवसर पर 141 लोगों को निशुल्क चश्मे दिये गये और 11 लोगों के लिए मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। बजाज फिजियो केयर की फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. मीता बजाज ने तथा ललिता डेंटल क्लिनिक के डॉ. संजय सूर्यवंशी ने दांतों की जांच की। अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा एक विकलांग रोगी को कृत्रिम अंग में सहायता दी गई।अवसर पर पार्षद पल्लपु शंकर, शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता,सुरेंद्र गोयल, अजीत गुप्ता, कैलाश केडिया,निखिल राणासरिया, स्थानीय भागीदार निर्मला देवी कैलाश चंद केडिया चैरिटी ट्रस्ट के कैलाश चंद केडिया, निर्मला देवी, नवीन कुमार केडिया, गोविंद कुमार केडिया, इशिका केडिया, रजनीकांत, श्री विद्या भारती हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक भीमैया, करेस्पांडेंट राजू, स्वयंसेवक सतीश गर्ग, बबीता गर्ग, रितु गर्ग, अरविंद अग्रवाल. अग्र महिला मंच, दीपा गर्ग, अंजू गोयल, सरला अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, पित्ती लैमिनेशन सदस्य ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम को सफल बनाया। कैंप में 500 से अधिक मरीजों ने लाभ लिया।

श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की वार्षिक साधारण सभा आयोजित

हैदराबाद, 22 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की वार्षिक साधारण सभा अग्रसेन भवन में आयोजित की गई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में ट्रस्ट के मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि कोरम के अभाव में सभा को आधे घंटे तक के लिए स्थगित किया गया। पुनः दो बजे सभा अध्यक्ष गोपाल चंद अग्रवाल की अध्यक्षता में प्रारंभ हुई । सर्वप्रथम अग्रसेन भवन में स्थित महाराजा श्री अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात सभा में कैलाश चरण चिड़ियावाले द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया । अग्रसेन भवन में करीब 25,000 फिट कार पार्किंग के लिए जो टाइल्स कैलाश चरण चिड़ियावाले द्वारा उपलब्ध करवाए गए थे उनका शाल एवं पुष्प गुच्छ द्वारा सम्मान किया गया । साधारण सभा के प्रथम विषय में अध्यक्ष द्वारा उपस्थित ट्रस्ट के सभी सदस्यों का स्वागत किया गया तथा भविष्य में सभी सदस्यों को अग्रसेन भवन की उन्नति हेतु साथ देने का आग्रह किया । दूसरे विषय में मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल द्वारा सितंबर 2023 को ट्रस्ट की वार्षिक साधारण सभा की मिनिट्स पढ़कर सुनाई गई जिसे उपस्थित सदस्यों द्वारा सर्व सम्मति से पारित किया गया । मानद मंत्री ने अपनी रिपोर्ट में भवन की एक वर्ष की गतिविधियों की जानकारी दी । कोषाध्यक्ष बजरंग प्रसाद गुप्ता ने ट्रस्ट की फिक्स डिपाजिट जो अग्रसेन बैंक, करूर वैश्य बैंक, सीटी यूनियन बैंक में है उसकी जानकारी दी ।

आय व्यय के बारे में जानकारी दी जिसे सर्व सम्मति से पारित किया गया । मानद मंत्री ने कार्य कारिणी सभा में चर्चा की जानकारी देते हुए बताया कि सभा में ट्रस्ट के नए सदस्य बनाने का निर्णय लिया गया था तथा हॉल को मरम्मत करवाने का निर्णय लिया गया था जिसे साधारण सभा द्वारा सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया । भविष्य में अग्रसेन भवन की उन्नति के लिए कार्यकारिणी समिति को विभिन्न कमिटि बनाकर कार्य करने हेतु पूर्ण अधिकार सभा द्वारा प्रदान किया गया । ट्रस्ट के एकाउंट्स हेतु सी.ए. रिषभ अग्रवाल को ऑडिटर नियुक्त किया गया । अन्य विषय की चर्चा हेतु विषय रखा गया जिसमे चेयरमैन नरेंद्र कुमार गोयल ने सुझाव दिया कि ट्रस्ट की कार्यकारिणी में कुछ ट्रस्टी लगातार अनुपस्थित रह रहे हैं ऐसे में साधारण सभा ने कार्यकारिणी को ट्रस्ट बोर्ड में ट्रस्टियों को बदलने का अधिकार दिया । अन्य कोई सुझाव नहीं होने के कारण मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात सभा का समापन हुआ । सभा में ट्रस्ट के अध्यक्ष गोपाल चंद अग्रवाल, चेयरमैन नरेंद्र कुमार गोयल, मैनेजिंग ट्रस्टी गोविंद गुप्ता, उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सह मंत्री मनोज कुमार अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बजरंग प्रसाद गुप्ता, ट्रस्टी कैलाश चंद्र अग्रवाल, महेश कुमार केडिया, विनोद कुमार अग्रवाल, सुनील कुमार अग्रवाल, प्रवीण कुमार अग्रवाल, सदस्य गण कैलाश चरण अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल, संजय कुमार अग्रवाल, नितेश कुमार चौधरी आदि उपस्थित थे।

बंसल गोत्रीय अग्रवाल बन्धुओं का अ.भा. सम्मेलन सम्पन्न

हैदराबाद, 23 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बंसल गोत्रीय अग्रवाल बन्धुओं की कुलदेवी रेजड़ी केजड़ी माता का अखिल भारतीय सम्मेलन जयपुर में संपन्न हुआ। जिसमें चेन्नई, हैदराबाद, कोलकता, इंदौर, नारनौल, कोटपूतली तथा अन्य स्थानों से बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अशोक बंसल ने बताया कार्यक्रम के संयोजक बीजी गुप्ता ने सम्मेलन में माता रेजड़ी केजडी के काजड़ा धाम के विकास, काजड़ा गांव में अग्रसेन जी का स्मारक लगाने एवं अन्य विषयों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में रेजड़ी केजड़ी माता एवं बाबा बाबा खाटू श्यामका भव्य दरबार सजाया गया एवंभजन कीर्तन हुए। भोजन प्रसादी के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सम्मेलन में ट्रस्ट के चेयरमैन सुरेश संघी, चेन्नई वाइस चेयरमैन ईदराज बंसल, मंत्री नरेश चौधरी इंदौर कोषाध्यक्ष ललित संघी हैदराबाद, सचिव सतीश गर्ग नारनौल, हरीश संघी चेन्नई, पुजारी पंडित भरत नागवान, प्रचार मंत्री अशोक बंसल हैदराबाद, विकास संघी दिल्ली, राकेश बंसल महेंद्रगढ़, प्रताप नारायण संघी हैदराबाद, संदीप संघी, शंभू अग्रवाल कोलकाता, सुबोध संघी हैदराबाद, दीपक संघी चेन्नई, रमेश बंसल, विष्णु बंसल, कामिनी संघी, सीमा संघी, निर्मला संघी, पूर्णिमा चौधरी एवं अन्य उपस्थित रहे।

सभा में विशेष रूप से अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग भी उपस्थित रहे।

यूनियन बैंक हैदराबाद अंचल के राजभाषा अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित

हैदराबाद, 23 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। यूनियन बैंक हैदराबाद अंचल के राजभाषा अधिकारियों के लिए समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्घाटन कारे भास्कर राव, मुख्य महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख ने किया। अपने संबोधन में भास्कर राव ने कहा कि हैदराबाद अंचल को राजभाषा के कार्यान्वयन में अन्य कार्यालयों से बेहतर कार्य करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त करना चाहिए। अजय कुमार, महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में कहा कि राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन प्रेम और सद्भाव से किया जाना चाहिए। वीएसवी नागेश, उप महाप्रबंधक ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हैदराबाद आंचल द्वारा कार्यान्वयन में अच्छा कार्य किया जा रहा है, इसे और बेहतर बनाने का प्रयास करना चाहिए। विवेकानंद, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़ते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि हिंदी कार्यशालाओं का समय पर आयोजन करना सुनिश्चित करें, राजभाषा के कार्य की निगरानी एवं मार्गदर्शन के लिए शाखाओं का निरीक्षण नियमित रूप से किया जाए। उन्होंने यूनियन भाषा संवाद इंद्रधनुष कार्यक्रम के तहत बैंक द्वारा प्रारंभ की गई स्थानीय भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम को और स्थानों पर विस्तार प्रदान करने पर जोर दिया। समीक्षा बैठक के दौरान बैंक में सरकार की भाषा नीति के अनुसार हिन्दी भाषा के क्रियान्वयन पर गहन चर्चा की गयी और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। देवकांत पवार, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने समीक्षा बैठक का संचालन किया। ललित सनप, प्रबंधक (राजभाषा) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ।

कांग्रेस ने आर्किटेक्ट्स डोमेन में सुजाना रेड्डी को तेलंगाना राज्य प्रमुख नियुक्त किया

हैदराबाद, 23 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस ने आर्किटेक्ट्स डोमेन में तेलंगाना राज्य प्रमुख के रूप में सुजाना रेड्डी कुंभम की नियुक्त किया। सुजाना अपने साथ पेशेवर उपलब्धियों और नेतृत्व के अनुभव का एक प्रभावशाली पोर्टफोलियो लेकर आई हैं।सुजाना रेड्डी कुंभम वर्तमान में स्टूडियो एंबियंस की सीईओ के रूप में कार्य करती हैं, जो आवासीय, वाणिज्यिक और आतिथ्य डिजाइन में विशेषज्ञता रखने वाली एक प्रमुख इंटीरियर डिजाइन फर्म है। उनके नेतृत्व में, स्टूडियो एंबियंस ने चार वर्षों की अवधि में राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुभव किया है। सुजाना ने डिजाइनरों, वास्तुकारों और परियोजना प्रबंधकों की एक गतिशील टीम को सफलतापूर्वक प्रबंधित किया है, जो अवधारणा से लेकर पूरा होने तक डिजाइन परियोजनाओं की देखरेख करती है। दीर्घकालिक ग्राहक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए उनके समर्पण के परिणामस्वरूप उनके ग्राहकों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बार-बार या रेफरल-आधारित है।

इंटीरियर डिज़ाइन के क्षेत्र में उनके योगदान के अलावा, सुजाना के पास प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में व्यापक पृष्ठभूमि है। उनके करियर में विप्रो टेक्नोलॉजीज में मैनेजर - आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एसएपी डिवीजन), डेलोइट हैदराबाद में एसएपी टीम लीड, इंफोसिस में एसएपी टेक लीड और इंटेलीग्रुप में एसएपी एचआर डेवलपर के रूप में कार्य करना शामिल है।

अपनी नियुक्ति पर सुजाना ने सांसद राहुल गांधी, प्रवीण चक्रवर्ती, प्रोफेशनल्स कांग्रेस के अध्यक्ष, सुश्री प्रज्ञा सिंह, आर्किटेक्ट्स डोमेन की राष्ट्रीय प्रमुख और इरफान अजीज, एआईपीसी, तेलंगाना का इस जिम्मेदारी को सौंपने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रोफेशनल्स कांग्रेस के आर्किटेक्ट्स डोमेन के भीतर नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में लगन से काम करने का संकल्प लिया। प्रोफेशनल्स कांग्रेस ने सुजाना रेड्डी कुंभम को नई भूमिका को संभाल पर शुभकामनाएं दी एवं दूरदर्शिता और समर्पण के साथ नेतृत्व करने की उनकी क्षमता पर पूरा भरोसा जताया।

खबरें जो सोच बदल दें शुभ लाभ

अग्रवाल शिक्षा समिति के विद्यालयों का वार्षिकोत्सव हर्मोनी सम्पन्न

हैदराबाद, 23 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित गणेशीलाल कानोडिया प्राइमरी स्कूल, लीलाबाई मोतीलाल तोंडेवाला हाई स्क्रूल, अग्रवाल गर्ल्स हाई स्कूल और अग्रवाल हाई स्कूल फॉर बॉयज का वार्षिकोत्सव हर्मोनी के अंतर्गत अनेकता में एकता कार्यक्रम समिति के तत्वावधान में 22/12/24 को हर्षोल्लास से मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वन्देमातरम् गीत, सरस्वती वंदना और दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। मंचासीन पदाधिकारियों को छात्रों ने पुष्पगुच्छ प्रदान किये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. श्यामसुंदर अग्रवाल (चेयरमैन) ट्रस्टबोर्ड अग्रवाल शिक्षा समति रहें। जी. के. पी. एस. और एल. बी. एम. टी हाई स्कूल के करमपॉण्डेंट तथा समिति के संयुक्त मंत्री राजेश अग्रवाल ने अतिथि के सम्मान में स्वागत भाषण दिया और कहाँ कि आज का विद्यार्थी भविष्य का नेता होता है और हमें सभी छात्रों के उपलब्धियों पर गर्व है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्कूल का हृदय ओर धड़कन कहा है जिस प्रकार बिना धड़कन के हम कुछ भी नहीं है उसी प्रकार बिना विद्यार्थी के किसी भी विद्यालय का अस्तित्व नहीं होता। उन्होंने वार्षिकोत्सव पर विद्यालयों के सामंजस्य की सराहना की। अतिथि का सम्मान पुष्पगुच्छ और स्मृतिचिह्न से किया गया।

जी. के. पी. एस. और एल. बी. एम. टी हाई स्कूल की प्रधानाध्यापिका श्रीमती प्रीतिबाला चौहान ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह प्रतिबिंब, पहचान और उत्सव का दिन है, और कहा विद्यार्थी कच्ची मिट्टी के सामान होता है उसे सही आकार एक शिक्षक ही प्रदान कर सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के लिए एक व्यक्ति नहीं बल्कि पूरी टीम का सहयोग होता है। जी. के. पी. एस. के छात्र- श्रद्धा शर्मा और मोहम्मद हबीबुल हसन, एवं एल. बी. एम. टी हाई स्कूल के छात्र- कु. दिक्षिता शर्मा और हर्षवर्धन सोनी ने विद्यालय में होने वाली वार्षिक गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की। अग्रवाल गर्ल्स हाई स्कूल और अग्रवाल हाई स्कूल फॉर बॉयज की प्रधानाध्यापिका श्रीमती के. प्रमिला ने विद्यालय की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि आज हम शताब्दी वर्ष की पूर्णता की ओर बढ़ रही हैं। वे हर क्षेत्र में उपलब्धियाँ प्राप्त कर सफल हो रहे है। विद्यालय के छात्र साहिल ने वार्षिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। समिति के मानदमंत्री सी.ए. नवीनकुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि आज मैदान में समिति के स्कूलों का अद्भुत संगम दिखाई दिया और कहा कि हिन्दी माध्यम के छात्रों को समिति निःशुल्क शिक्षा के साथ साथ सभी सुविधाएं प्रदान कर रही है। यहाँ छात्रों को आधुनिक और व्यावसायिक शिक्षा के साथ साथ संस्कार, अनुशासन, नैतिकता की शिक्षा भी दी जाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी। मुख्य अतिथि डॉ. श्यामसुंदर अग्रवाल ने अपने वक्तव्य में छात्रों को सफलता प्राप्त करने के लिए कई महत्वपूर्ण बाते बताई। सर्वप्रथम अपने लक्ष्य का निर्धारण करना चाहिए। अपने मार्ग की पहचान कर आगे बढ़ना चाहिए, भविष्य में ऊँचे ऊँचे सपने देखना चाहिए और उन्हें पूर्ण करने के लिए मेहनत करना चाहिए। फोन का प्रयोग अपने विकास के लिए करना चाहिए। अपना पूरा ध्यान अपने लक्ष्य पर केंद्रित करना चाहिए समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने जन समूह को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय में बालक के प्रवेश को हम एक चुनौती के रूप में लेते है। उसकी प्रतिभा और योग्यता को जानकर उसे उसी क्षेत्र में आगे बढ़ाते है। प्रत्येक माता पिता का सपना होता कि उसका बच्चा कुछ विशेष बने। इसके लिए परिवार, विद्यार्थी, अध्यापक, विद्यालय सभी को अपना अपना योगदान देना होगा। समिति की स्कूलों के कक्षा प्रथम से कक्षा दसवीं तक के प्रथम आने वाले मेधावी छात्रों को पुरस्कृत कर अन्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया। कोई भी कार्यक्रम सांस्कृतिक कार्यक्रम के बिना अधूरा होता है। इसलिए सभी विद्यालर्यो के छात्रों ने रंगारंगा सांस्कृतिक कार्यक्रम किया और वार्षिकोत्सव की शोभा में चार चाँद लगा दिए।

इस अवसर पर एल. एन. गुप्ता इवनिंग कॉलेज के करसपॉण्डेंट महेश कुमार अग्रवाल, आर. के.डब्लू.सी.के करस्पॉन्डेंट महेश कुमार केडिया, बी.बी.एम. एस के करसपॉण्डेंट श्री शेषकुमार गोयल, समिति कीअकादमिक निर्देशिका डॉ. सरोज जैन, सहनिर्देशक डॉ. राजेश अग्रवाल समिति के विभिन्न संस्थार्नो के प्रमुख, अभिभावक और विद्यार्थी उपस्थित थे। समिति की सी.ए.ओ एवं बी बी एम एस की प्रधानाध्यापिका श्रीमती आराधना मोदानी, उमेशकुमार,गोवर्धनदासजी, राजेशवंगानी, विनोद, सुभाष, पिकॉन, शिक्षक वर्ग, गैरशिक्षक वर्ग सभी के सहयोग से कार्यक्रम सफल रहा। कार्यक्रम का संचालन विद्यालयों की अध्यापिकाएँ श्रीमती निधि कौशिक, मेघा कुलकर्णी, रेवती माथुर और रश्मि बडौला ने संयुक्त रूप से किया। आभार प्रदर्शन स्कूल की अध्यापिका श्रीमती प्रीति अनुप्रीता ने किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक राष्ट्रगान से हुआ।

अग्रवाल समाज अशोकनगर शाखा की कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 23 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज अशोक नगर शाखा की कार्यकारिणी समिति की बैठक होटल वेज पार्क में सम्पन्न हुई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में शाखा की संस्थापिका पूजा गुप्ता ने बताया कि बैठक में सर्वप्रथम अग्रसेन महाराज जी की पूजा-अर्चना के पश्चात शाखा अध्यक्ष सत्यनारायण गुप्ता की अध्यक्षता में अगामी वर्ष दि. 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस कार्यक्रम मनाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में शाखा की महिला सदस्यों को संयोजिका बनाया जाएगा। जिनकी जानकारी शीघ्र ही सूचित किया जाएगा। मानद मंत्री हेमन्त अग्रवाल ने शाखा द्वारा किये गये कार्यक्रमों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। संस्थापिका पूजा गुप्ता ने शाखा विस्तार के लिए शाखा में नए सदस्यों को जोड़ने के लिए ज़ोर दिया। जिन सदस्यो के प्रिविलेज कार्ड बन गए हैं वो शीतल ग्रैंड बाजार अशोकनगर से प्राप्त कर सकते हैं। केंद्रीय समिति सदस्य फकीरचंद बंसल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित संस्थापिका पूजा गुप्ता, अध्यक्ष सत्यनारायण गुप्ता, मानद मंत्री हेमंत अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुलभ अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य फकीरचंद बंसल व अन्य उपस्थित थे।

परीलोक -आधुनिक विचारों का सशक्त महिला मंच की मासिक बैठक होटल नातचीतोचेस बंजारा हिल्स हैदराबाद में सम्पन्न हुई। बैठक में सभी सदस्यों का अभिनन्दन किया गया व नववर्ष पर आगामी कार्यक्रम को विशाल रूप से मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में संस्था की सदस्य रंजू अग्रवाल, ऋचा अग्रवाल,, कोमल, सोनिआ व नवनीत, नीना, राज ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत सोमवार को टियाना, मेधांश एवं दानिश के जन्मदिवस पर छोटेलाल मेतादीन तुल्सयान परिवार द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार की सेवा की गई। इस अवसर राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

संपूर्ण दोषों का निवारण करती है श्रीमद् भागवत कथा : पारिक महाराज

हैदराबादा, 23 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्रीमद् भागवत कथा जीव के संपूर्ण दोषों के निवारण की सरल औषधि है। जो तप-जप से बड़ी साधना से प्राप्त नहीं होता, वह भगवान की कथा सुनने मात्र से हो जाता है। भगवान की कथा जीव के सर्व दोष निवारण करती है। उक्त उद्गार ऋषिकेश स्थित गीता भवन में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के सप्तम दिवस कथा की महत्ता बताते हुए पूज्य अशोक जी पारिक ने व्यक्त किये। महाराज ने कहा कि भागवत पुराण में तिलक के समान है।

जैसे तिलक सर्वश्रेष्ठ होता है, वैसे ही भागवतजी की शरण में आ गये, तो इससे श्रेष्ठ कार्य और कोई नहीं होता।

कथा में जीव को करना कुछ भी नहीं प्रेम से कथा सुनना है। सुनने से पापों का हरण होता है। कथा सुनने से पूर्व के पाप दूर होंगे। कथा को जानने पर भी जब शुभ कार्य में प्रवृत्ति न हो, तो पूर्व के जो पाप कर्म है और आज के जो पाप है, वह सभी एक साथ खड़े हो जाते हैं। कितने ही लोगों का कथा से जीवनही बदल जाता है। महाराज ने कहा कि श्री कृष्ण ने कंस के अत्याचार से मुक्ति दिलाई, उग्रसेन को कारागार से मुक्त किया और द्वारका में रुक्मणी से पाणिग्रहण किया।

महाराज ने कहा कि भगवान इतना देते हैं, फिर भी थोड़े से लोभ में लोक और परलोक बिगाड़ देते हैं। जो कर्म कर रहे हैं, यदि मजा आ रहा है, तो उसको भोगने के लिए भी तैयार रहें। दंड कैसा होगा सोच लें। अवसर पर सुदामा चरित्र के पश्चात कथा को विराम दिया गया। कथा आयोजक ने सभी का आभार जताया।

इस अवसर पर राठी परिवार के राजाराम, घनश्याम, वेणुगोपाल, पुरुषोत्तम, पवनकुमार, श्रीनाथ, राजगोपाल, अंशुल, समर्थ, विजय कुमार मूंदड़ा, गोपाल बजाज, ब्रिजगोपाल डागा, रघुनंदन भट्टड़, रामकिशोर अटल, आशीष कालिया, विनय लाहोटी, श्रीनिवास, मूंदड़ा, ओमप्रकाश मूंदड़ा, घनश्याम लोया, गोविंद पसारी, हरि प्रसाद कालिया, धनराज चोकड़ा, मुन्ना कासट, रामनिवास महेश्वरी, लक्ष्य भट्टड़, गौरव डागा, रौनक डागा, हरिप्रसाद जाजू, सुशील साबू, संजय भंगड़िया, विनोद जाजू, राजेश जोशी, हनुमान जाजू, नेमीचंद भराडिया, रामकुमार राठी, हरि प्रसाद कालिया एवं परिवार के सदस्य सहित गणमान्य लोगों ने कथा श्रवण की ।

बिहार समाज सेवा संघ ने किया लिट्टी चोखा का आयोजन

हैदराबाद, 23 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार समाज सेवा संघ ने अपने वार्षिक सम्मान समारोह और लिट्टी चोखा भोज का आयोजन 22 दिसम्बर को रानीगंज स्थित सहाल के कम्युनिटी हॉल में आयोजित किया। कार्यक्रम में समाज के सभी सदस्य मिलजुल कर बिहार का मशहूर व्यंजन लिट्टी चोखा को पारंपरिक तरीके से लकड़ी के चूल्हे पर बनाया एवं आनंद उठाया। यह कार्यक्रम बिहार समाज के अलावा दूसरे समाज में भी बहुत लोकप्रिय है। इसमें अन्य समाज के लोगों को भी बिना किसी भेदभाव के आमंत्रित किया जाता है और सम्मानपूर्वक लिट्टी चोखा खिलाया जाता है।

कार्यक्रम में समाज के सभी पदाधिकारी जिसमे राष्ट्रीय चेयरमैन राजु ओझा, अध्यक्ष मनीष तिवारी, सचिव विकास सिंह, कोषाध्यक्ष राधेश्याम प्रजापति , सांस्कृतिक संयोजक दीपक तिवारी, पूर्व उपाध्यक्ष प्रताप गौरव सिंह कमिटी सदस्य राहुल यादव और राकेश सिंह का बहुत सराहनीय कार्य रहा।

विशेष अतिथि के रूप में शहर के जाने माने व्यवसाई और समाज सेवी परमानंद शर्मा और विकास हिसारिया के साथ समाजसेवी जगन अन्ना भी उपस्थित रहे। दोपहर 12 बजे से शुरू हुआ यह कार्यक्रम श्याम 6 बजे संपन्न हुआ। जिसमे लगबग 100 लोगों ने हिस्सा लिया।

लिट्टी चोखा का आनंद लेने से पूर्व सभी सदस्यों एवम आगंतुकों का सम्मान अंगवस्त्र से समाज के पदाधिकारियों द्वारा किया गया।इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से सफल बनाने के लिए समाज के सभी पदाधिकारी को राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा ने बधाई दी।

विजयवर्गीय महिला मंडल के तत्वावधान में चादरघाट गणेश मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कथा व्यास आचार्य श्री सत्य प्रकाश महाराज (वृंदावनवाले) ने कथा प्रसंग सुनाई। इस अवसर पर महिला मंडल के सदस्य एवं सैकड़ो की संख्या में भक्त उपस्थित होकर कथा का श्रवण किया।

मां दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट का आयुष्मान भारत कार्ड शिविर सम्पन्न

हैदराबाद, 23 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए 5 लाख तक की मुफ्त स्वास्थ्य लाभ योजना हेतु कार्ड बनवाए गए थे।

जिसकी अभूतपूर्व सफलता को देखते हुए ट्रस्ट के कार्यालय घाँसी बाज़ार में कैम्प का दूसरा आयोजन किया गया। दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक 25 आयुष्मान कार्ड बनवाए गए । ट्रस्ट के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि करीब 10 कार्ड ऐसे बनाए गए जिसमें आंध्र प्रदेश के स्थान पर तेलंगाना करना था तथा 10 कार्ड जो रजिस्टर हो चुके थे उनके कार्ड डाउनलोड कर लाभार्थियों के मोबाइल पर भेजे गए । जन मानस की सुविधा हेतु यह सेवा रोज़ाना माँ दुर्गा की कृपा संस्था के कार्यालय घाँसी बाज़ार में दोपहर 1.00 से 3.00 बजे तक निशुल्क उपलब्ध रहेगी। अधिक जानकारी हेतु मुकुंद लाल अग्रवाल, विनय किशोर तायल, एडवोकेट हेमा मालिनी तायल से संपर्क किया जा सकता है। ट्रस्ट के पास शहर में कौन से हॉस्पिटल में यह सुविधा उपलब्ध है उसकी लिस्ट भी उपलब्ध है। जिनको चाहिए कार्यक्रम से संयोजक से संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं । कैम्प में ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी विनय किशोर तायल, एडवोकेट हेमा मालिनी तायल, कार्यक्रम के संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल, ट्रस्ट के अन्य सदस्य गोवर्धन दास अग्रवाल, अविनाश गुप्ता, शारदा अग्रवाल, नम्रता अग्रवाल आदि ने अपनी सेवाएँ प्रदान की।

रक्तदान शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 23 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री नाकोड़ा भैरव परिवार हैदराबाद सिकंदराबाद द्वारा श्री नाकोड़ा भैरव भक्ति संध्या में मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा द्वारा रक्तदान शिविर लगाया गया।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा रक्तदान जागरूकता के लिए आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 55 रक्तवीरों और रक्तविरंगनाओ ने रक्तदान किया। सभी रक्तवीर व रक्तविरंगनाओं को मंच की ओर से प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया।

शाखा मंत्री शीतल जैन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा अध्यक्षा रक्षा जैन की अध्यक्षता में भजन संध्या के दौरान रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के निदेशक युवा सुरेश एम जैन, जैन सेवा संघ के अध्यक्ष योगेश जैन, आंध्रप्रदेश तेलंगाना प्रांत के सचिव युवा मनीष नाहर, रक्तदान संयोजक युवा मनोज जैन, सिकंदराबाद शाखा के पूर्व अध्यक्ष युवा पप्पू कुमार गोडेला, वरिष्ठ सदस्य नारायण लाल चावड़ा, युवा राजेश व्यास का शॉल से स्वागत किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में निवर्तमान अध्यक्ष वर्षा मखाना, मंचू विनायकिया, सह मंत्री शशि नहर, कोषाध्यक्ष सुमन घोड़ेला, सुनीता डूंगरवाल मीना दुग्गड, संतोष गुजरानी, मंजू घोड़ेला, सुगना घोड़ेला मंजू गांधी, बबीता घोड़ेला,दिव्या घोडेला, पुष्पा कोठारी, रिद्धि बोहरा, भव्य बोहरा, सिद्धि बोहरा का सारणी योगदान रहा। रक्तदान संयोजिका पूनम बोहरा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

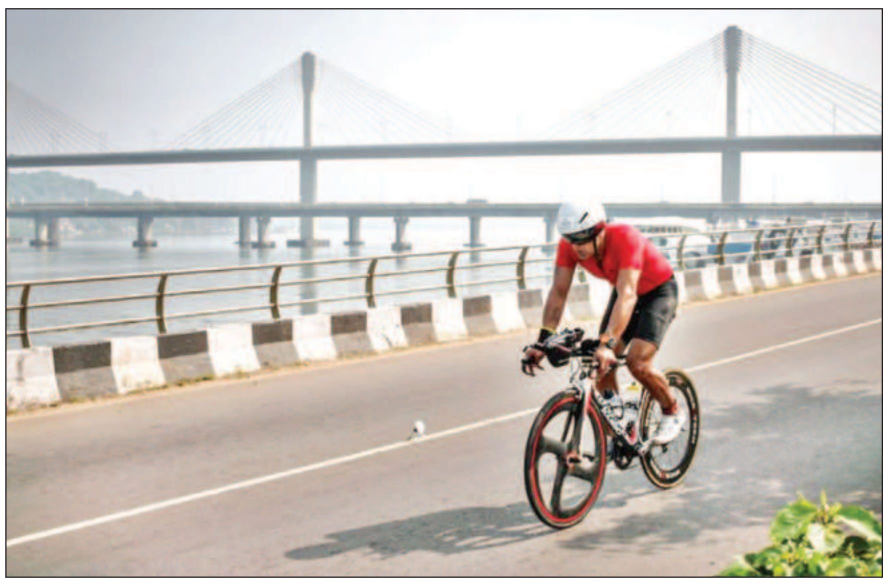

सांसद तेजस्वी सूर्या ने ट्रायथलॉन इवेंट आयरनमैन 70.3 गोवा 2025 के लिए शुरू किया पंजीकरण

पणजी, 23 दिसंबर (एजेंसियां)।

आयरनमैन 70.3 गोवा ने 9 नवंबर, 2025 को आयोजित होने वाले अपने 5वें संस्करण के लिए आधिकारिक तौर पर पंजीकरण खोल दिया है, जिससे ट्रायथलीटों को प्रसिद्ध दौड़ की तैयारी के लिए एक वर्ष का समय मिल सकेगा।

आयरनमैन 70.3 गोवा की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, गोवा के प्रतिष्ठित मीरामार बीच पर शुरू की गई इस प्रमुख ट्रायथलॉन प्रतियोगिता में 57 देशों से प्रतिभागी शामिल हुए हैं और इसने बहुत तेजी से दक्षिण-पूर्व एशिया की सबसे आकर्षक दौड़ों में से एक होने की प्रतिष्ठा हासिल कर ली है। शांत पानी में तैराकी, सुंदर और तेज सड़कों पर साइकिल चलाना और पेड़ों से घिरी सड़कों पर दौड़ना जैसे मनोरंजक कोर्स के साथ, गोवा इस धीरज चुनौती के लिए एक आदर्श स्थान बन गया है। विज्ञप्ति के अनुसार, अगले साल सेलिब्रिटी प्रतिभागियों में बेंगलुरु दक्षिण से सांसद तेजस्वी सूर्या भी शामिल हैं, जो एक बार फिर देश के युवाओं के लिए फिट इंडिया मूवमेंट के मूल्यों को बनाए रखने वाली जीवनशैली अपनाने का उदाहरण पेश करेंगे। 2024 में, 34 वर्षीय राजनेता आयरनमैन 70.3 धीरज दौड़ पूरी करने वाले देश के पहले मौजूदा सांसद बन गए। अब वह अगले साल भी इस दूरी को पार करने की तैयारी कर रहे हैं।

सूर्या ने कहा, जब मैंने इस साल की शुरुआत में आयरनमैन 70.3 गोवा पूरा किया, तो मुझे एहसास हुआ कि मन और शरीर कितनी क्षमता रखते हैं और यह धीरज चुनौती शारीरिक से ज्यादा मानसिक है। दौड़ की तैयारी की प्रक्रिया ऐसी है जिसे मैं हमेशा याद रखूंगा क्योंकि इसमें कई बातें सीखने को मिलीं, खासकर एक सांसद के तौर पर अपनी ज़िम्मेदारियों को संतुलित करने, अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए उपलब्ध रहने और ट्रायथलॉन की ट्रेनिंग में कड़ी मेहनत करने के मामले में। मैं प्रधानमंत्री के फिट इंडिया मूवमेंट के विज़न से भी बेहद प्रेरित था। मैं 2025 की दौड़ की तैयारी के समृद्ध अनुभव की उम्मीद करता हूं और साथ ही नई सीखों को अपनाता हूं जो मेरे काम में भी मुझे फ़ायदा पहुंचाएंगी। दुनिया भर से आए ट्रायथलॉन के शौकीनों का स्वागत करते हुए, योस्का के संस्थापक और सीईओ दीपक राज ने कहा, गोवा प्राकृतिक सुंदरता, समतल मैदानों और राज्य सरकार से मिलने वाले बेजोड़ समर्थन का एक अद्भुत मिश्रण प्रदान करता है।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका के खिलाफ व्हाइट बॉल सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम घोषित, बेवॉन जैकब्स करेंगे पदार्पण

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने 28 दिसंबर से घरेलू मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ शुरू हो रही आगामी व्हाइट बॉल

सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम में ऑकलैंड एसेस के युवा आक्रामक खिलाड़ी बेवॉन जैकब्स को शामिल किया गया है। हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मेगा नीलामी में मुंबई इंडियंस द्वारा खरीदे गए जैकब्स ने सोमवार (23 दिसंबर) को श्रीलंका के खिलाफ अभ्यास मैच में न्यूजीलैंड एकादश के लिए 16 गेंदों पर 39 रन बनाए। रचिन रवींद्र, डेरिल मिशेल और मैट हेनरी की तिकड़ी पिछले महीने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए श्रीलंका की यात्रा से चूकने के बाद टी20आई और वनडे दोनों के लिए वापस आ गई है। यह सीरीज – जिसमें तीन टी20आई और तीन वनडे शामिल हैं – न्यूजीलैंड के पूर्णकालिक व्हाइट-बॉल कप्तान के रूप में मिशेल सेंटनर की पहली सीरीज होगी। जनवरी 2025 में होने वाली वनडे सीरीज चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी टीम चुनने से पहले टीम की आखिरी सीरीज होगी। जैकब्स ने पिछले साल न्यूजीलैंड के घरेलू टी20 टूर्नामेंट सुपर स्मैश में सबका ध्यान खींचा था, जहां उन्होंने कैंटरबरी किंग्स के लिए फिनिशर के रूप में 188.73 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए (6 पारियों में 134)। न्यूजीलैंड के चयनकर्ता सैम वेल्स ने कहा, बेवॉन और उनके परिवार के लिए यह निश्चित रूप से एक रोमांचक समय है। वह बहुत प्रतिभाशाली खिलाड़ी है और हम उसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने के लिए उत्सुक हैं। उसके पास स्पष्ट रूप से बल्ले से बहुत ताकत है, लेकिन उसने लंबे प्रारूपों में भी दिखाया है कि उसके पास एक अच्छी तकनीक और स्वभाव है। इस साल की शुरुआत में घर से बाहर सफ़ेद गेंद से डेब्यू करने वाले जैक फ़ॉल्केस, मिच हे और टिम रॉबिन्सन की तिकड़ी को पहली बार घरेलू सीरीज़ में खेलने का मौका मिलेगा। पिछले महीने श्रीलंका के यादगार, रिकॉर्ड तोड़ने वाले दौरे के बाद हे को वनडे और टी20 दोनों टीमों में जगह मिली है। दांबुला में पहले टी20 में, हे ने एक पारी में सबसे ज़्यादा शिकार करने का रिकॉर्ड बनाया (पांच कैच और एक स्टंपिंग)। उन्होंने पल्लेकेले में दूसरे वनडे में भी 49 रन बनाए। हे टी20आई में कीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। वनडे में उन्हें मौजूदा टॉम लैथम के बल्लेबाजी और कीपिंग कवर के तौर पर चुना गया है, जो 50 ओवर के मैचों के लिए टीम में शामिल होंगे। लैथम के अलावा विल ओरूर्के और विल यंग भी वनडे के लिए आएंगे, जो जैकब्स, फाउलकेस और रॉबिन्सन की जगह लेंगे – जिन्हें केवल टी20आई के लिए चुना गया है। ओरूर्के को उनके कार्यभार को प्रबंधित करने के उद्देश्य से टी20 के लिए आराम दिया गया है क्योंकि इस तेज गेंदबाज ने हाल ही में श्रीलंका, इंग्लैंड और भारत के खिलाफ सीरीज में आठ टेस्ट मैच खेले हैं। पूर्व कीपर-बल्लेबाज ल्यूक रोंची इस घरेलू असाइनमेंट के लिए मुख्य कोच होंगे, जबकि गैरी स्टीड लंबे समय तक काम करने के बाद ब्रेक लेंगे। न्यूजीलैंड टीम: मिशेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, जैक फाउलकेस (केवल टी20आई), मिच हे, मैट हेनरी, बेवॉन जैकब्स (केवल टी20आई), टॉम लैथम (केवल वनडे), डेरिल मिशेल, विल ओरुरके (केवल वनडे), ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम रॉबिन्सन (केवल टी20आई), नाथन स्मिथ, विल यंग (केवल वनडे)।

अंतरराष्ट्रीय शतरंज संस्था ने फीडे सर्किट 2025 नियमों में प्रस्तावित बदलावों की घोषणा की

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फीडे) ने रविवार को घोषणा की कि वह फीडे सर्किट 2025

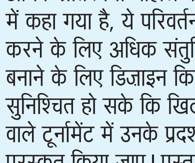

विनियमों में कई बदलावों की योजना बना रहा है। फीडे के अनुसार, ये परिवर्तन 2024 सर्किट से प्राप्त फीडबैक पर आधारित हैं, जिसका उद्देश्य सभी प्रतिभागियों के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी माहौल बनाना है। फीडे की विज्ञप्ति में कहा गया है, ये परिवर्तन फीडे सर्किट अंक प्रदान करने के लिए अधिक संतुलित और प्रतिस्पर्धी प्रणाली बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि खिलाड़ियों को उच्च-गुणवत्ता वाले टूर्नामेंट में उनके प्रदर्शन के लिए उचित रूप से पुरस्कृत किया जाए। प्रस्तावित परिवर्तन: 1. राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट में सर्किट अंक के लिए पात्र खिलाड़ियों की संख्या में परिवर्तन 10 से कम प्रतिभागियों वाले टूर्नामेंट के लिए, शीर्ष 3 फिनिशरों को अभी भी अंक दिए जाएँगे। 10-12 प्रतिभागियों वाले राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट में, शीर्ष 4 फिनिशरों को अंक दिए जाएँगे। 12 से अधिक प्रतिभागियों वाले टूर्नामेंट के लिए, शीर्ष 5 फिनिशरों को अंक मिलेंगे। इस परिवर्तन का उद्देश्य अधिक खिलाड़ियों को अंक प्रदान करके लंबे टूर्नामेंटों के मूल्य को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करना है, तथा यह सुनिश्चित करना है कि बड़े टूर्नामेंटों को उचित पुरस्कार मिले। 2. डबल राउंड-रॉबिन सुपर टूर्नामेंट की पात्रता कम से कम 6 प्रतिभागियों और 2700 एलो अंकों की औसत रेटिंग वाले डबल राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट भी सर्किट अंक के लिए पात्र होंगे। यह परिवर्तन प्रतिष्ठित सुपर टूर्नामेंटों के महत्व को स्वीकार करता है, जिनमें अक्सर शीर्ष स्तर के खिलाड़ी भाग लेते हैं और जो फीडे कैलेंडर में प्रमुख आयोजन होते हैं। 3. एक दिन में कई राउंड वाले टूर्नामेंट के लिए अंकों में कमी एक दिन में दो राउंड वाले टूर्नामेंट में सर्किट अंकों की कुल संख्या कम होगी।

हमने गेंदों के कारण अपनी पिचों में बदलाव नहीं किया है : एमसीजी क्यूरेटर मैट पेज

मेलबर्न, 23 दिसंबर (एजेंसियां)।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले, मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) के मुख्य क्यूरेटर मैट पेज ने सोमवार को कहा कि उन्होंने गेंदों के कारण स्टेडियम की पिच में कोई बदलाव नहीं किया है। ऑस्ट्रेलिया में इस्तेमाल की जाने वाली कूकाबुरा गेंद की सीम कम उभरी हुई होती है और यह जल्दी नरम हो जाती है, जिससे गेंदबाजों के लिए ड्यूक्स की तुलना में इसे इस्तेमाल करना ज़्यादा मुश्किल हो जाता है, जो सीम और स्विंग गेंदबाजी में मदद करती है।

ब्रिस्बेन में खेला गया तीसरा टेस्ट ड्रॉ समाप्त होने के बाद श्रृंखला फिलहाल 1-1 से बराबर है। बॉक्सिंग डे टेस्ट 26 दिसंबर को प्रतिष्ठित मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर शुरू होगा।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पेज ने कहा कि पिच गेंदबाजों को खेल के विभिन्न बिंदुओं पर मौका देगी और बल्लेबाजों को भी फायदा होगा।

पेज ने संवाददाताओं से कहा हमने गेंदों के कारण अपनी पिचों में कोई बदलाव नहीं किया है। हमने 2017 के बाद शायद सात साल पहले बैठकर चर्चा की थी कि हम एक संगठन के रूप में कहाँ जाना चाहते हैं और हम किस लिए प्रसिद्ध होना चाहते हैं, और यह टेस्ट मैचों में उत्पादित किया गया है जो एक रोमांचक प्रतियोगिता प्रदान करने जा रहे हैं। मुझे लगता है यह गेंदबाजों को खेल के विभिन्न बिंदुओं पर अवसर देता है, लेकिन यह बल्लेबाजों को भी मौका देता है, अगर आप अच्छा खेलते हैं।

हेड क्यूरेटर ने कहा कि इससे पहले उन्होंने पिच की घास की लंबाई के साथ प्रयोग किया था और उसके बाद, वे उस स्तर पर पहुंच गए जहां वे पहुंचना चाहते थे।

उन्होंने कहा, हमने फिर कोशिश की और अपनी घास की लंबाई, अपने संघनन स्तर, नमी के स्तर के साथ प्रयोग किया, और शायद हमें उस स्तर तक पहुंचने में तीन साल लग गए जहां हम पहुंचना चाहते थे, और फिर हम शायद पिछले दो या तीन सालों से, जो हमने रोल आउट किया है उसमें काफी सुसंगत रहे हैं, और हम अब उन पर पहले की तुलना में थोड़ी अधिक घास छोड़ते हैं, लेकिन इससे रोमांचक मुकाबले हुए हैं, और यही हम करना चाहते हैं।

पिछले हफ्ते की शुरुआत में, ऑस्ट्रेलिया ने जोश हेज़लवुड की अनुपस्थिति और शीर्ष क्रम में चिंताओं को दूर करते हुए अपनी टीम में कुछ बदलाव किए। मेजबान टीम ने ब्यू वेबस्टर, झाय रिचर्डसन और सैम कोंस्टास को श्रृंखला के चौथे टेस्ट मैच से पहले टीम में शामिल किया है।

पर्थ टेस्ट में हल्की चोट के बाद हेजलवुड दूसरे एडिलेड टेस्ट से बाहर हो गए थे, लेकिन ब्रिस्बेन में तीसरे मैच के लिए उन्होंने वापसी की, लेकिन चौथे दिन वार्म-अप के दौरान उन्हें पिंडली में खिंचाव का सामना करना पड़ा। उन्होंने एक ओवर गेंदबाजी की और स्कैन के लिए मैदान से बाहर चले गए, जिसमें उनकी चोट की गंभीरता की पुष्टि हुई, जिसके बाद उन्हें सीरीज से बाहर कर दिया गया। पर्थ में पहले टेस्ट में हेजलवुड ने पांच विकेट लिए थे, जिसमें पहली पारी में चार विकेट शामिल थे।

एमसीजी में 26 दिसंबर से शुरू होने वाले चौथे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन में स्कॉट बोलैंड हेजलवुड की जगह ले सकते हैं।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं-

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, शुभमन गिल, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया: पैट कमिंस (कप्तान), सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ट्रैविस हेड (वीसी), जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोनस्टास, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिशेल मार्श, झाय रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

कोनेग्लियानो ने जीता एफआईवीबी वॉलीबॉल महिला क्लब विश्व चैम्पियनशिप का खिताब

हांग्जो, 23 दिसंबर (एजेंसियां)।

चीन की तियानजिन बोहाई बैंक टीम रविवार को 2024 एफआईवीबी वॉलीबॉल महिला क्लब विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में इटली की कोनेग्लियानो से 3-0 से हार गई।

टूर्नामेंट की पसंदीदा टीम कोनेग्लियानो ने ग्रुप स्टेज और सेमीफाइनल में बिना कोई सेट गंवाए अपने सभी मैच जीतकर अपनी श्रेष्ठ शक्ति का प्रदर्शन किया।

पहले सेट के मध्य में तियानजिन ने बढ़त बनाई, लेकिन अपनी बढ़त का फायदा उठाने में विफल रही और अंतत: 25-21 से सेट हार गई। दूसरे सेट में तियानजिन को कोनेग्लियानो की शक्तिशाली जंप सर्विस को प्राप्त करने में संघर्ष करना पड़ा और जल्दी ही 25-15 पर पिछड़ गई। कोनेग्लियानो ने तीसरे सेट में श्रेष्ठता बनाए रखी और 25-20 से जीत के साथ समग्र जीत सुनिश्चित की।

तियानजिन की मिडिल ब्लॉकर वांग युआनयुआन ने सिन्हुआ से कहा, पिछले साल हम स्टैंड में थे और इस साल फाइनल स्टेज में चीनी क्लबों का प्रतिनिधित्व करना बहुत रोमांचक है और हमने वास्तव में खेल का आनंद लिया। कोनेग्लियानो वर्तमान में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है। हम अपने प्रतिद्वंद्वी के दबाव में थे और हमारी टीम की अनुकूलन क्षमता में अभी भी सुधार की आवश्यकता है।

सीरवी समाज प्रीमियर लीग-7 में मेडचल टीम बनी चैम्पियन

हैदराबाद, 23 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद सीरवी समाज प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के सातवें संस्करण व महिला वर्ग खेलों का समापन प्रायोजक वंडर वॉल पुट्टी, समाज की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि, समाज बंधुओं व टीमों के खिलाड़ियों की उपस्थिति में अलियाबाद स्थित सीरवी क्रिकेट ग्राउण्ड में हुआ।

आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति में फ्रेन्डस क्लब के सुरेश सैणचा ने बताया कि सीरवी समाज प्रीमियर लीग-7 के तहत पहला सेमीफाइनल मैच टाइटन्स व शमशाबाद के मध्य खेला गया, जिसमें शमशाबाद 119 रन से विजयी रही। प्रेम सीरवी को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ दि मैच से नवाजा गया। दूसरा सेमीफाइनल मैच संगारेड्डी व मेडचल के बीच खेला गया जिसमें मेडचल 5 विकेट विजयी रहीं। अर्जुन चौधरी को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। फाइनल मुकाबला मेडचल व शमशाबाद के मध्य खेला गया। जिसमें मेडचल की टीम 8 विकेट से विजयी रही। अर्जुन को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। विजेता टीम को सीरवी समाज प्रिमियर लीग 7 के समापन समारोह में पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। महिला वर्ग खेलों में विजेता खिलाड़ियों को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

समापन के अवसर पर प्रतियोगिता के प्रायोजक वंडरवालपट्टी एवं समाज की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि समाज के गणमान्य बन्धु, समाज के सी, डाक्टर अध्यापक और अधिवक्ता मोजुद रहे। सभी मैचों का सीधा प्रसारण यू- ट्यूब पर और एसएसप-ीएलए ऐप पर किया गया। बीआरएस चैनल लाइव कवरेज भगवानराम राठौड़ बबुल ने किया।आयोजन में सीरवी समाज फ्रेन्डस् क्लब के सदस्य उपस्थित रहें। कवरेज पत्रकार जगदीश सीरवी ने किया। एसएसपीएलए के सुरेश सैणचा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.